@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 18 अक्टूबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 343 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

शराब से मौतों पर संवेदना भी नहीं दिखाई: तेजस्वी यादव

जमुई, 17 अक्टूबर। बिहार में शराबबंदी सिर्फ कागजों पर है और जहरीली शराब से अब तक 30 से ज्यादा मौतें हुई हैं। कई घरों के लोगों ने अपनी आंखों की रोशनी खोई है। इतनी बड़ी घटना हुई है, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अब तक पीड़ित परिवारों के लिए कोई संवेदना प्रकट नहीं किए हैं। लगता नहीं की कोई घटना हुई। लेकिन कुछ बोले या न बोले, कार्रवाई करें या न करें। मुख्यमंत्री कम से कम संवेदना तो प्रकट करें। उक्त बातें गुरुवार को कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद यात्रा के क्रम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने जमुई पहुंचने पर कही। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बुधवार देर शाम दूसरे चरण के तरह कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद यात्रा पर बांका से जमुई पहुंचे।

उन्होंने गुरुवार को अतिथि गृह में बिहार में जहरीली शराब से चार दिनों में 30 से अधिक मौतों को लेकर मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा, बिहार में कहा जाता है कि शराबबंदी है। लेकिन हर जगह शराब उपलब्ध है। सत्ता में बैठे माफिया लोग और अधिकारी यह सब कंट्रोल कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, बिहार में लगता नहीं की ऐसी घटनाएं हो रही हैं। शराब हर जगह उपलब्ध हो रहा। यह पूरी तरह से फेल हैं। सत्ता और संरक्षण के द्वारा अपराध किया जा रहा है। लोग मरे नहीं, बल्कि हम कह सकते हैं उनकी हत्या की गई है। तेजस्वी ने कहा कि जिस प्रकार से शराब बिक रही है। ऐसे में कोई भी पदाधिकारी या बड़े अधिकारी हो किसी पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। सत्ता में जो लोग बैठे हैं, उन लोगों को जवाब देना चाहिए कि किस प्रकार का यह शराबबंदी है।

तीसरी बार हरियाणा में नायब सरकार

सिम्मी कौर बब्बर

चंडीगढ़, 17 अक्टूबर। हरियाणा में भाजपा ने तीसरी बार सरकार बना ली है। नायब सैनी ने पंचकूला में आयोजित भव्य समारोह में सीएम पद की शपथ ली। उनके साथ ही 13 मंत्रियों ने भी पद की शपथ ली। जानें नायब सैनी 2.0 मंत्रिमंडल... 71 वर्षीय अनिल विज अंबाला कैंट से सातवीं बार विधायक बने हैं। वे अनुभवी और जुझारू नेता माने जाते हैं। उनकी राजनीति की शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से हुई, जब वे एसडी कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे। इसके बाद वे 1970 में एबीवीपी के महासचिव बने और 1974 में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में नौकरी ज्वाइन की। हरियाणा के सबसे बड़े विधानसभा क्षेत्र बादशाहपुर के विधायक राव नरबीर सिंह को नायब सैनी सरकार में मंत्री बनाया गया है। भाजपा के दिग्गज नेता व पूर्व मंत्री राव नरबीर पहली बार साल 2014 में बादशाहपुर से जीते थे और मनोहर सरकार में मंत्री बने थे। इसराना के विधायक पंवार थर्मल की नौकरी छोड़कर राजनीति में उतरे थे। पंवार पिछली मनोहर सरकार में परिवहन मंत्री थे। 2019 में चुनाव हारने के बाद भाजपा ने राज्यसभा सांसद बनाया। 12 साल की नौकरी के बाद उन्होंने 1991 में पानीपत थर्मल पावर प्लांट में नौकरी से इस्तीफा दे दिया था। ओमप्रकाश चौटाला के नेतृत्व में 1991 का चुनाव असंध से लड़ा और पहली बार विधायक बने। हरियाणा की नायब सैनी सरकार 2.0 में पानीपत ग्रामीण के विधायक महिपाल ढांडा को भी मंत्री पद दिया गया है। ढांडा पानीपत ग्रामीण विधानसभा में 2014 में भाजपा के टिकट पर पहली बार विधायक बने। उन्होंने 62074 वोट लेकर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 36132 वोटों से हराया। फरीदाबाद के विधायक विपुल गोयल बड़े व्यापारी और उद्यमी हैं। वर्ष 2014 में उन्हें भारतीय जनता पार्टी का टिकट मिला और वे 44781 हजार मतों से विजयी रहे। 22 जुलाई 2016 में मनोहर लाल सरकार में कैबिनेट मंत्री का पद दिया गया। इस दौरान उन्हें उद्योग और वाणिज्य के साथ अन्य विभागों का चार्ज दिया गया। 2019 में विपुल गोयल की जगह भाजपा से फरीदाबाद में नरेंद्र गुप्ता को टिकट दी गई। जनवरी 2024 को उन्हें भाजपा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया। सोनीपत के गोहाना विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को पहली बार जीत दिलाने वाले डॉ. अरविंद शर्मा को मंत्रीमंडल में पद दिया गया है। डॉ. अरविंद शर्मा पहले केंद्रीय राजनीति में सक्रिय थे। डॉ. अरविंद शर्मा का राजनीतिक सफर 1996 में सोनीपत लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव जीतने के साथ शुरू हुआ था। इसके बाद वे इंडियन नेशनल कांग्रेस में शामिल हो गए और करनाल से 2004 और 2009 में सांसद चुने गए। रादौर से भाजपा विधायक श्याम सिंह राणा को नायब सैनी सरकार में मंत्री पद मिला। श्याम सिंह राणा ने दूसरी बार रादौर विधानसभा सीट से जीत दर्ज कर भाजपा को मजबूत किया है। श्याम सिंह राणा ने 2024 के विधानसभा चुनावों में 13,132 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। इससे पहले 2014 में भी वे विधायक चुने गए थे और हरियाणा सरकार में मुख्य संसदीय सचिव की भूमिका निभाई थी। हिसार के बरवाला विधानसभा क्षेत्र से विधायक बनकर चंडीगढ़ पहुंचे रणबीर गंगवा ने 34 साल के राजनीतिक सफर में जमीन से उठकर मंत्री पद तक का सफर तय किया है। रणबीर गंगवा ने 1990 में महज 26 साल की उम्र में अपने गांव में पंच का चुनाव लड़ा था, जिसे जीतकर उन्होंने राजनीतिक पारी की शुरुआत की। इसके बाद 2000 में उन्होंने जिला परिषद का चुनाव लड़ा, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा। लेकिन 2005 में उन्होंने फिर से जिला परिषद का चुनाव जीतकर वाइस चेयरमैन का पद हासिल किया भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कृष्ण कुमार बेदी नरवाना विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक हैं।

बहराइच एनकाउंटर: अब कभी गलती नहीं करेंगे

नरेश मल्होत्रा

बहराइच, 17 अक्टूबर। बहराइच के महाराजगंज में हुए हत्याकांड के दो मुख्य आरोपियों का एनकाउंटर हो गया, इसके बाद का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें एक पुलिस कर्मी पहले कहता है कि गलत काम कर रहे हो तुम, पुलिस के ऊपर हमला कर रहो...। इस पर एक आरोपी कहता है कि अब कभी गलती नहीं करेंगे, हमल लोग फायर करके भागना चाह रहे थे। इसके बाद पुलिस कर्मी कहते हैं कि पहले तो अपराध किया और फिर दूसरा अपराध कर रहे हो। इसके जवाब में आरोपी कहता है कि गलती हो गई सर...। इसके बाद एक पुलिसकर्मी कहता है कि हम लोग प्यार से लेकर आ रहे थे इतना भरोसा नहीं था कि तुम लोग इस तरह करोगे। पुलिस ने नानपारा बायपास पर हांडा बसेहरी नहर के पास आरोपियों की घेराबंदी की। जहां पुलिस व आरोपियों के बीच जवाबी फायरिंग हुई जिसमें दो आरोपी घायल हो गए। आरोपियों के नाम मोहम्मद सरफराज और मोहम्मद तालीम हैं। यूपी के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने बताया कि एनकाउंटर के बाद पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। ये सभी हिंसा के आरोपी थे। उन्होंने कहा कि आरोपी नेपाल भागने की फिराक में थे। घायल आरोपियों को इलाज के लिए नानपारा सीएचसी में भर्ती कराया गया था। जहां से दोनों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। इस बीच मेडिकल कॉलेज को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। परिसर में चारों तरफ भारी संख्या में पुलिस व पीएसी बल की तैनाती की गई है। किसी को भी अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। जिले की पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने बताया कि घायल होने वाले आरोपी मोहम्मद सरफराज और मोहम्मद तालिम हैं। पुलिस के अनुसार, नानपारा इलाके में हुई मुठभेड़ में आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की जिस पर पुलिस ने उनके पैरों में गोली मारी है। यूपी पुलिस ने मामले पर बयान जारी करते हुए कहा कि रविवार को महराजगंज में एक युवक की गोली मार कर हत्या करने के केस में आज बहराइच पुलिस द्वारा पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनके नाम मोहम्मद फहीन, मोहम्मद तालीम, मोहम्मद सरफराज, मोहम्मद हमीद और मोहम्मद अफजल हैं। पहले दो की निशानदेही पर मर्डर में प्रयुक्त हुए हथियार की बरामदगी के लिए जब पुलिस टीम लेकर गई तो इनके द्वारा वहां रखे हथियारों से पुलिस पर फायरिंग की गई। जवाबी फायरिंग में दोनों को गोली लगी है। दोनों गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उनका उपचार कराया जा रहा है। हत्या में उपयोग किया गया हथियार बरामद हो गया है। पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने कहा कि सभी आरोपियों के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा जो लोग भी इन आरोपियों को संरक्षण दे रहे थे उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों के पास अवैध हथियार भी मिले हैं। वहीं, बहराइच में जिस मकान मालिक अब्दुल हमीद पर राम गोपाल मिश्रा पर गोली चलाने का आरोप है उसकी बेटी रुखसार बता रही है कि कल 4 बजे मेरे पिता अब्दुल हमीद, मेरे दो भाई सरफराज, फहीम और उनके साथ एक अन्य युवक को यूपी एसटीएफ ने उठा लिया है। रुखसार के मुताबिक उसके पति और मेरे देवर को पहले उठाया जा चुका है किसी भी थाने से उनकी कोई खबर नहीं मिल पा रही है। हमें डर है कि उनका एनकाउंटर कर हत्या की जा सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपने परिजनों की सुरक्षा की अपील की है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, लगातार इस प्रकार की घटनाएं हो रही हैं और ये घटनाएं सरकार की नाकामी के कारण हो रही हैं। सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए एनकाउंटर कर रही हैं। एनकाउंटर, हाफ एनकाउंटर, और भी कई परिभाषाएं हैं जो सरकार ने बनाई है। अगर एनकाउंटर से ही कानून-व्यवस्था बेहतर हो रही होती तो अभी उत्तर प्रदेश कई आंकड़ों में दूसरे प्रदेशों से अच्छा होता। यह प्रशासनिक विफलता थी कि जब वहां (बहराइच) कार्यक्रम पुलिस की जानकारी में था तो आखिरकार वे शांतिपूर्ण तरीके से कार्यक्रम संपन्न क्यों नहीं करवा पाए? एनकाउंटर करना और नफरत को बढ़ावा देना, यह इस सरकार के काम करने का नया तरीका है। यह कहां की न्याय व्यवस्था है?

भारत अपने पूर्वजों के सिद्धांतों पर कायम: संघ प्रमुख

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि हमारे पूर्वजों की तरफ से निर्धारित सिद्धांतों के कारण भारत उन देशों की भी मदद करता है, जिन्होंने कभी उसके खिलाफ युद्ध छेड़ा था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के पास 1999 में कारगिल में पाकिस्तान के दुस्साहस के लिए जवाबी कार्रवाई करने का विकल्प था, लेकिन उस समय सरकार ने सेना को हमला करने के लिए सीमा पार न करने का निर्देश दिया था। गुजरात के सूरत शहर में मोहन भागवत जैन समुदाय की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां जैन धर्मगुरु आचार्य महाश्रमण भी मौजूद थे। मोहन भागवत ने आगे कहा, कि हमारे पूर्वजों की तरफ से निर्धारित सिद्धांतों को बनाए रखने की हमारी प्रतिबद्धता के कारण, भारत उन देशों को अपना समर्थन देता है, जिन्होंने पहले हमारे खिलाफ युद्ध छेड़ा था, लेकिन वर्तमान में संकट का सामना कर रहे हैं। हम हमले नहीं करते हैं, न ही हम अपने ऊपर किसी हमले को बर्दाश्त करते हैं। विज्ञापन संघ प्रमुख ने कहा, जब कारगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तान ने हम पर हमला किया, तो भारत के पास अपने पड़ोसी के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का विकल्प था। हालांकि, हमारी सेना को सीमा पार न करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। सेना को केवल उन लोगों को निशाना बनाने का निर्देश दिया गया था जो हमारी सीमा के भीतर थे। भारत की तरफ से पाकिस्तान के अंदर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने सुनिश्चित किया कि केवल उपद्रवी लोगों को ही निशाना बनाया जाए। संघ प्रमुख ने कहा, जब हमने उनके घर में घुसकर हमला किया, तो हमने पूरे पाकिस्तान को निशाना नहीं बनाया। हमने केवल उन लोगों पर हमला किया जो हमारे लिए परेशानी पैदा कर रहे थे। बता दें कि भारत ने सितंबर 2016 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नियंत्रण रेखा के पार आतंकी लॉन्च पैड पर सर्जिकल स्ट्राइक की।

हरियाणा में मिली हार का असर महाराष्ट्र चुनाव में नहीं दिखेगा: शरद पवार

कौमी संवाददाता

मुंबई, 17 अक्टूबर। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों पर राकांपा-एसपी अध्यक्ष शरद पवार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा चुनाव के नतीजों का असर अगले महीने होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर नहीं पड़ेगा। दरअसल, हरियाणा में भाजपा ने कांग्रेस को हराकर राज्य में सरकार बनाने में कामयाब हुई है। सतारा जिले के कराड में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि लेडी ऑफ जस्टिस की प्रतिमा का अनावरण करके मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने एक नई दिशा दिखाई है, क्योंकि इससे पहले किसी ने भी बदलाव करने के बारे में नहीं सोचा। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद विपक्षी गठबंधन की रणनीति को लेकर सवाल किए जाने पर शरद पवार ने कहा कि भाजपा उस राज्य (हरियाणा) में भाजपा का शासन था और वह सत्ता बरकार रखने में

कामयाब रही। उन्होंने कहा, हम हरियाणा के बारे में पढ़ रहे हैं, और इसके साथ ही हम जम्मू-कश्मीर के नतीजों पर भी नजर डाल रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि इसका (हरियाणा चुनाव के नतीजे) असर राज्य विधानसभा (महाराष्ट्र) चुनाव पर पड़ेगा। जहां तक जम्मू कश्मीर का सवाल है, विश्व समुदाय इसपर ज्यादा ध्यान देता है। जम्मू-कश्मीर के नतीजे देश के लिए महत्वपूर्ण हैं। बता दें कि 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए 20 नवंबर को चुनाव होने वाला है। नतीजे 23 नवंबर को जारी होंगे। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने में कामयाब रही। उन्होंने 90 विधानसभा सीटों में से 48 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि कांग्रेस को 37 सीटों पर जीत मिली। गुरुवार को नायब सिंह सैनी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लीं। जम्मू कश्मीर में बुधवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता ओमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लीं। सुप्रीम कोर्ट में लेडी ऑफ जस्टिस की नई प्रतिमा का आवरण किया गया। इस प्रतिमा में आंखों पर पट्टी की जगह खुली आंखें दिखाई गई हैं और हाथ पर तलवार की जगह संविधान रखा हुआ है। इस बदलाव को लेकर सवाल किए जाने पर शरद पवार ने कहा, सीजेआई चंद्रचूड़ ने एक नई दिशा दिखाई है, क्योंकि यह विचार देश में इससे पहले कभी नहीं आया। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) द्वारा चिह्नों की मुफ्त सूची में उपलब्ध ट्रम्पेट चिह्न को फ्रीज करने के राकांपा-एसपी के अनुरोध को स्वीकार न करने को लेकर सवाल किए जाने पर शरद पवार ने बताया कि चुनाव आयोग ने उन्हें सूचित किया था कि उनकी पार्टी के चुनाव चिह्न की तस्वीर स्पष्ट नहीं है। लेकिन अब उन्होंने चुनाव चिह्न की तस्वीर को बड़ा कर लिया है। यह अब स्पष्ट रूप से दिख रहा है। यह पूछे जाने पर कि महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के सीट बंटवारे में सतारा में राकांपा-एसपी कौन सी सीट मांगेगी?

हम देश को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध: पीएम मोदी

चंडीगढ़, 17 अक्टूबर। चंडीगढ़ में आज पीएम मोदी की अध्यक्षता में एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक हुई। इस बैठक में वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल हुए। बता दें कि एनडीए हरियाणा विधानसभा चुनावों में अपनी जीत को महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों में आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। वहीं इस बैठक को लेकर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि, हमने सुशासन के पहलुओं और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के तरीकों पर व्यापक चर्चा की। हमारा गठबंधन राष्ट्रीय प्रगति को आगे बढ़ाने और गरीबों तथा वंचितों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्रियों की एनडीए बैठक के खत्म होने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, पीएम ने जोर दिया कि शासन के माध्यम से लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए, पीएम ने कहा कि हमें प्रो-पीपुल्स, प्रो-गवर्नेंस- क्ष्त्र2 पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और इसे आगे बढ़ाना चाहिए। आज एनडीए शासित राज्यों के 17 सीएम और 18 डिप्टी सीएम ने हिस्सा लिया। इस बैठक में 6 प्रस्तावों पर चर्चा की गई और उन्हें पारित किया गया। जेपी नड्डा ने आगे कहा कि, पहला प्रस्ताव महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने पीएम की नीतियों के कारण हरियाणा में पार्टी की जीत पर रखा। हरियाणा में भाजपा को किसानों, युवाओं और एथलीटों का समर्थन मिला। इसके लिए पीएम को धन्यवाद दिया गया और प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

भाजपा और रालोद ने की चुनाव की तारीख बदलने की मांग

सौरभ शर्मा

लखनऊ, 17 अक्टूबर। भाजपा और रालोद ने विधानसभा उपचुनाव की मतदान तिथि बदलने की मांग की है। दोनों दलों के प्रतिनिधिमंडल ने बृहस्पतिवार को राज्य निर्वाचन अधिकारी से भेंट कर 20 नवंबर को मतदान कराने की मांग संबंधी पत्र सौंपा। बता दें, उपचुनाव का मतदान 13 नवंबर को होना है। राज्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपे पत्र में बताया गया है कि 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा का स्नान पर्व है। इस उपलक्ष्य में कुंदरकी, मीरापुर, गाजियाबाद, प्रयागराज में मेला होने से लोग 3-4 दिन पहले चले जाते हैं। यदि 13 नवंबर को मतदान कराया गया तो बड़ी संख्या में वोटर मताधिकार से वंचित रह जाएंगे। लिहाजा मतदान 20 नवंबर को कराना उचित होगा। भाजपा के प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला, संजय राय, राम प्रताप सिंह चौहान और संपर्क विभाग के संयोजक अखिलेश कुमार अवस्थी शामिल थे। वहीं, रालोद के प्रतिनिधिमंडल में पार्टी प्रवक्ता अनिल दुबे, महासचिव मनोज सिंह चौहान, सचिव प्रमोद शुक्ला और सह मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी शामिल थे। अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर लंबित चुनाव याचिका को वापस लेने की अपील पर बृहस्पतिवार को फैसला नहीं हो सका। वर्ष 2022 विधानसभा चुनाव के बाद सपा नेता अवधेश प्रसाद के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में याचिका दाखिल की गई थी। इसके लंबित होने के कारण चुनाव आयोग ने मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव की घोषणा नहीं की थी। याचिकाकर्ता भाजपा नेता बाबा गोरखनाथ ने याचिका वापस लेने की अपील की। इस पर न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने एक हफ्ते में अधिकृत गजट प्रकाशित करने का आदेश दिया। इसके 15 दिन बाद मामले की सुनवाई होगी। अदालत ने वर्ष 2022 विधानसभा चुनाव के सभी प्रत्याशियों को नोटिस भेजने का आदेश भी दिया। भाजपा नेता के अधिवक्ता संदीप यादव ने बताया कि चुनाव याचिका वापस लेने की अपील पर सपा नेता अवधेश प्रसाद के वकील ने विरोध जताया। उनका कहना था कि मामले से जुड़े सभी पक्षों को नोटिस भेजी जानी चाहिए। चुनाव याचिका दाखिल करते समय सभी पक्षों को नोटिस भेजी गई थी। यदि किसी पक्ष को अपनी बात कहनी होती तो वह अदालत पहुंच सकता था। उन्होंने कहा कि अदालत के आदेशानुसार अधिकृत गजट का प्रकाशन एक-दो दिन में कर दिया जाएगा। वर्ष 2022 विधानसभा चुनाव में मिल्कीपुर सीट पर सपा नेता अवधेश प्रसाद ने भाजपा नेता बाबा गोरखनाथ को 13 हजार से ज्यादा मतों से हराया था। इन दोनों के अलावा कांग्रेस से ब्रजेश कुमार, बसपा से मीरा देवी, मौलिक अधिकार पार्टी से राधेश्याम और निर्दलीय प्रत्याशी शिवमूर्ति ने चुनाव लड़ा था। भाजपा नेता ने याचिका वापस लेने के बाद चुनाव आयोग से अन्य नौ सीटों के साथ मिल्कीपुर विधानसभा में चुनाव कराने के लिए अनुरोध करने की बात कही थी। अदालत में फैसले के बाद अन्य सीटों के साथ मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव की संभावना कम हो गई है।

प्रियंका गांधी के खिलाफ सीपीआई ने उतारा उम्मीदवार

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। वायनाड में 13 नवंबर को लोकसभा उपचुनाव के लिए वोटिंग होगी और 23 नवंबर को उपचुनाव के परिणाम आएंगे। इधर चुनाव आयोग की तरफ से चुनाव की तारीखों के एलान के बाद कांग्रेस पार्टी ने औपचारिक रूप से प्रियंका गांधी का नाम वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव के लिए प्रत्याशी के तौर पर घोषित कर दिया है। इधर सीपीआई ने भी वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव के लिए अपने प्रत्याशी के नाम का एलान किया है। सीपीआई राज्य सचिव बिनॉय विश्वम ने आगामी वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ पार्टी उम्मीदवार की जानकारी देते हुए बताया कि उनकी पार्टी ने उपचुनाव में सत्यन मोकेरी को मैदान में उतारने का फैसला किया है।

यूपी उपचुनाव: सपा-कांग्रेस मिलकर लड़ेंगी चुनाव

तेजिन्दर कौर बब्बर

लखनऊ, 17 अक्टूबर। यूपी की दस सीटों में होने वाले उपचुनावों में कांग्रेस और सपा मिलकर चुनाव लड़ेंगे। सपा आठ सीटों पर चुनाव लड़ेगी जबकि कांग्रेस को दो सीटें मिलेंगी। फिलहाल चुनाव आयोग ने नौ सीटों के लिए चुनावी कार्यक्रम तय किया है। मिल्कीपुर की सीट पर पिटीशन होने की वजह से यहां के लिए चुनाव की तारीखें तय नहीं हुई हैं। बाकी सीटों पर 13 नवंबर को चुनाव होना है। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि कांग्रेस को उपचुनाव में गाजियाबाद और खैर सीट दे दी गई है। खैर सीट अलीगढ़ जिले में आती है। इन दो सीटों के अलावा बाकी सीटें सपा लड़ने जा रही है। कुंदरकी सीट के अलावा पार्टी ने बाकी सीटों पर प्रत्याशी भी घोषित कर दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच इस मुद्दे पर श्रीनगर में बुधवार को चर्चा हुई थी। कांग्रेस पहले से ही यह दो सीटें मांग रही थी। सप 9 अक्तूबर को ही मिल्कीपुर के साथ करहल, सीसामऊ, फूलपुर, कटेहरी और मझवां में प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। अब प्रत्याशी उतारने के लिए कुंदरकी, मीरापुर, गाजियाबाद और खैर सीटें बची थीं।

आज ही शाम को सपा ने मीरापुर में प्रत्याशी घोषित कर दिया था। समाजवादी पार्टी ने मीरापुर विधानसभा उपचुनाव के लिए सुंबुल राणा को प्रत्याशी घोषित कर दिया है। सुंबुल राणा पूर्व सांसद कादिर राणा की पुत्रवधू हैं और बसपा नेता एवं पूर्व सांसद मुनकाद अली की बेटी हैं। अयोध्या जिले की मिल्कीपुर (सुरक्षित) सीट पर 2022 में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में दाखिल याचिका फैसला टलने के लिए भाजपा ने सपा को जिम्मेदार ठहराया है। प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने कहा कि सपा इस सीट पर हार से डर रही है। इसलिए जानबूझ कर याचिका का विरोध किया है। इससे स्पष्ट है कि सपा चुनाव लड़ने से भाग रही है। उन्होंने कहा कि अगर सपा वास्तव में चुनाव कराना चाहती है तो उसे चुनाव आयोग में लिखित रूप से देना चाहिए और चुनाव कराने की मांग कर करनी चाहिए। मंत्री ने कहा सपा यह जान चुकी है कि उसे सभी सीटों पर मुंह की खानी पड़ेगी। इसलिए वह किसी न किसी बहाने चुनाव को टलवाना चाहती है। वहीं, याचिका दाखिल करने वाले गोरखनाथ का भी कहना है कि 2022 के चुनाव परिणाम को लेकर एक और याचिका दाखिल करने वाले शिवमूरत भी उनके साथ याचिका वापस लेने के लिए कोर्ट आए हुए थे, लेकिन सपा नहीं चाहती है कि मिल्कीपुर सीट पर चुनाव हो। इसलिए सपा ने याचिका के वापस होने संबंध अपील का विरोध किया है। बता दें कि 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में हारने वाले बाबा गोरखनाथ बाबा ने याचिका दाखिल कर रखा था। इस वजह से चुनाव आयोग ने सिर्फ 9 सीटों पर ही चुनाव कराने का कार्यक्रम जारी किया है। इसपर बाबा गोरखनाथ ने याचिका वापस लेने की याचिका दाखिल किया। इस पर बृहस्पतिवार को फैसला होना था, लेकिन सपा सांसद अवधेश प्रसाद के अधिवक्ता की ओर से आपत्ति दाखिल किए जाने से फैसला 15 दिन के लिए टाल दिया गया है। अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर लंबित चुनाव याचिका को वापस लेने की अपील पर बृहस्पतिवार को फैसला नहीं हो सका। वर्ष 2022 विधानसभा चुनाव के बाद सपा नेता अवधेश प्रसाद के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में याचिका दाखिल की गई थी। इसके लंबित होने के कारण चुनाव आयोग ने मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव की घोषणा नहीं की थी। याचिकाकर्ता भाजपा नेता बाबा गोरखनाथ ने याचिका वापस लेने की अपील की।

लेबनान के नबातियेह में इज़रायली हमले में 16 की मौत

एजेंसी

बेरूत। दक्षिणी लेबनान के नबातीह शहर में प्रशासनिक इमारतों पर इजरायली हवाई हमलों में 16 लोगों की मौत हो गई और 52 अन्य लोग घायल हुए हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, नवीनतम आंकड़ों के अनुसार नबातीह के मध्य में दो प्रशासनिक इमारतों पर इजरायली हवाई हमलों में 16 लोगों की मौत हो गई और 52 निवासी घायल हुए हैं। इससे पहले लेबनानी मीडिया ने बताया कि दक्षिणी लेबनान के नबातीह शहर के प्रमुख और नगरपालिका के कई कर्मचारी इजरायल की ओर से बड़े पैमाने पर की गयी बमबारी में मारे गए। दक्षिणी लेबनान में मीडिया संबंधों के प्रमुख भी कथित तौर पर मारे गए लोगों में शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि इजरायल गत 01 अक्टूबर से दक्षिणी लेबनान में हिज़्बुल्लाह बलों के खिलाफ जमीनी अभियान चला रहा है। वहीं, नुकसान के बावजूद, हिज़्बुल्लाह ज़मीन पर इज़रायली सैनिकों से लड़ रहा है और सीमा पार रॉकेट दाग रहा है। इजरायल का कहना है कि उसका मुख्य उद्देश्य उत्तरी इजरायल में गोलाबारी से बचकर भागे 60,000 निवासियों की वापसी के लिए परिस्थितियां बनाना है।

ईरान के तेल क्षेत्रों पर हमला करे इजरायली सरकार: लैपिड

यरुशलम। इजरायल की संसद में विपक्षी नेता यायर लैपिड ने सरकार से जवाबी हमले में ईरान की अर्थव्यवस्था को तबाह करने के लिए उसके तेल क्षेत्रों को निशाना बनाने की अपील की है। द वाशिंगटन पोस्ट अखबार ने सोमवार को सूत्रों का हवाला से अपनी रिपोर्ट में बताया कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन से कहा कि वह तेल या परमाणु प्रतिष्ठानों के बजाय ईरान की सैन्य केंद्रों पर हमला करने के लिए तैयार हैं। श्री लैपिड ने मंगलवार को द यरुशलम पोस्ट अखबार से कहा, हमें तेल क्षेत्रों से शुरुआत करनी चाहिए। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका इसलिए चिंतित है कि इस तरह के हमले से वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें प्रभावित होने से डर रहा है, क्योंकि अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है और वह इससे पहले केअंतिम हफ्तों में अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान होने से डर रहा है। उन्होंने कहा, मैं अमेरिकी प्रशासन से असहमत हूं। मुझे नहीं लगता है कि चुनाव से कुछ समय पहले इसके कारण दुनिया में तेल की कीमतों में काफी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब जैसे अन्य तेल उत्पादक देशों के साथ तेल उत्पादन को बढ़ाने को लेकर बातचीत की जा सकती है।

इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह के हथियार डिपो पर हमला किया

बेरूत। इजरायली सेना ने बेरूत के बाहरी इलाके में लेबनानी आंदोलन हिजबुल्लाह के हथियार डिपो पर हमला किया है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने यह जानकारी दी। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर कहा, कुछ समय पहले आईडीएफ की सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर इजरायली वायु सेना ने हिजबुल्लाह आतंकवादी संगठन से संबंधित रणनीतिक हथियारों पर हमला किया था। इन हथियारों को हिजबुल्लाह ने बेरूत में एक प्रमुख हिजबुल्लाह आतंकवादी गढ़ दहिह के क्षेत्र में एक भूमिगत भंडारण सुविधा में जमा किया था। मीडिया ने पहले रिपोर्ट दी थी कि आईडीएफ ने बेरूत के दक्षिणी उपनगर के नागरिकों से तुरंत वहां से हटने का आग्रह किया था। इजरायल एक अक्टूबर से हवाई बमबारी जारी रखते हुए दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह बलों के खिलाफ जमीनी अभियान चला रहा है। नुकसान के बावजूद, हिजबुल्लाह जमीन पर इजरायली सैनिकों से लड़ रहा है और सीमा पार रॉकेट लॉन्च कर रहा है।

ट्रंप ने खुद को बताया 'आईवीएफ का जनक', अप्रवासियों द्वारा जानवर खाने के दावे पर ये बोले

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप ने महिला मतदाताओं को संबोधित करते हुए खुद को आईवीएफ का जनक बताया। अमेरिकी चुनाव में आईवीएफ एक प्रमुख मुद्दा है। दरअसल आईवीएफ तकनीक से बच्चे पैदा करने को लेकर डेमोक्रेट और रिपब्लिकन पार्टी के बीच ठनी हुई है। रिपब्लिकन को लेकर दावा किया जाता है कि वह आईवीएफ तकनीक से बच्चे पैदा करने के पक्ष में नहीं है। यही वजह है कि डोनाल्ड ट्रंप ने जॉर्जिया में महिला मतदाताओं के एक टाउन हॉल कार्यक्रम को संबोधित किया। गौरतलब है कि हालिया कई सर्वेक्षणों में पता चला है कि महिला मतदाताओं में कमला हैरिस, डोनाल्ड ट्रंप के मुकाबले ज्यादा लोकप्रिय हैं। ऐसे में चुनाव प्रचार के आखिरी दौर में ट्रंप महिला मतदाताओं को अपने पक्ष में करना चाहते हैं। कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि मैं आईवीएफ के बारे में बात करना चाहता हूं। मैं आईवीएफ का जनक हूं तो मैं आपके सवाल सुनना चाहता हूं। कुछ महिलाओं ने इस बात को लेकर चिंता जताई कि आईवीएफ उपचार पर कथित प्रतिबंध लग सकते हैं। इस पर ट्रंप ने उन्हें विश्वास दिलाया कि उनकी पार्टी सत्ता में आने पर इस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाएगी। उन्होंने कहा कि हम खुद आईवीएफ के पक्ष में हैं। हम चाहते हैं कि बच्चे पैदा हो, लेकिन डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हमारी आलोचना करते हैं, लेकिन हम उनसे भी ज्यादा इसके पक्ष में हैं।

गांधी से आज भी विश्व के नेताओं व राष्ट्रों को मिलती है प्रेरणा: बिरला

एजेंसी

जेनेवा। 149वीं अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) एसेंबली में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जेनेवा में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि शांति और अहिंसा के प्रतीक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से आज भी विश्व के नेताओं तथा राष्ट्रों को प्रेरणा मिलती है। श्री बिरला ने कहा कि गांधीजी की शिक्षाएं देशकाल की सीमाओं से परे हमें याद दिलाती हैं कि जलवायु परिवर्तन, महिला -पुरुष समानता या संघर्ष जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान एकजुटता, संवेदनशीलता और सहयोग से ही किया जा सकता है।

इस बीच श्री बिरला ने विभिन्न देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारियों के साथ संसदीय रुचि के मुद्दों पर विचार साझा किए। स्विट्जरलैंड की नेशनल काउंसिल के प्रेसिडेंट एरिक नसबामर के साथ बातचीत करते हुए, श्री बिरला ने इस बात का उल्लेख किया कि पिछले साल भारत और स्विट्जरलैंड के बीच मैत्री संधि के 75 पूरे हुए। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ करने और बहुपक्षीय मंच पर सहयोग बढ़ाए जाने पर जोर दिया।

दोनों देशों के बीच संसदीय सहयोग को और मजबूत करने का आग्रह करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों का एक महत्वपूर्ण आयाम है। उन्होंने भारत और स्विट्जरलैंड की घनिष्ठता को बढ़ाने में स्विस-भारत संसदीय मैत्री समूह की सराहना की ।

थाईलैंड की सीनेट के प्रेसिडेंट मोंगकोल सुरसाज्जा से मुलाकात के दौरान श्री बिरला ने दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश, संपर्क, संस्कृति और पर्यटन, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, तथा लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित कई क्षेत्रों में बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों पर विचार साझा किए। आर्मीनिया की नेशनल एसेंबली के प्रेसिडेंट एलन सिमोनियन से बातचीत के दौरान श्री बिरला ने भारत और आर्मीनिया के बीच साझा मूल्यों और दोनों देशों के लोगों के बीच गहरी मित्रता की भावना पर आधारित सौहार्दपूर्ण संबंधों के बारे में बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की आबादी युवा है और राजनीतिक स्थिरता होने के कारण यहाँ अपार अवसर हैं , इसलिए दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की साझेदारी को बढ़ाने की संभावनाएँ है। श्री बिरला ने कहा कि दोनों देश व्यापार और निवेश के क्षेत्रों में साझेदारी को बढ़ावा देकर भारत के बदलते आर्थिक परिदृश्य से लाभान्वित हो सकते हैं। मालदीव की पीपुल्स मजलिस के स्पीकर अब्दुल रहीम अब्दुल्ला से मुलाकात के दौरान श्री बिरला ने कहा कि भारत और मालदीव के बीच ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ संबंध रहे हैं, जो दोनों देशों के नागरिकों के कल्याण में सहायक रहे हैं । लोक सभा अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि सर्वोत्तम संसदीय प्रथाओं को साझा करने से लोकतांत्रिक प्रणालियों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने लोक सभा सचिवालय के प्राइड संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मालदीव की भागीदारी बढ़ाने की बात करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों में लोकतांत्रिक सिद्धांतों को और बढ़ावा देने में मदद मिलेगी । लोक सभा अध्यक्ष ने नेपाल की राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष नारायण प्रसाद दहल से भी मुलाकात की। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत और नेपाल न केवल पड़ोसी देश हैं, बल्कि साझा इतिहास और संस्कृति के संरक्षक भी हैं, लोक सभा अध्यक्ष ने दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे भावनात्मक जुड़ाव का उल्लेख किया जिसके कारण दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत हुए हैं। उन्होंने दोनों संसदों के बीच परस्पर लाभकारी संवाद की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सांसदों के बीच उद्देश्यपूर्ण संवाद से दोनों देशों के घनिष्ठ संबंध और मजबूत होने के साथ ही लोकतांत्रिक मूल्य और सुदृढ़ होंगे श्री बिरला ने यह भी कहा कि भारत की 'नेबरहुड फ़र्स्ट' नीति में नेपाल का प्रमुख स्थान है। इसके साथ ही उन्होने सभी क्षेत्रों में दोनों देशों के विशेष संबंधों को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

चीन के एजी600 एम्फीबियस विमान का परीक्षण शुरू

एजेंसी

बीजिंग। चीन के स्वदेशी रूप से विकसित समुद्र तथा जमीन दोनों जगहों से उड़ान भरने में सक्षम एजी600 विमान की पूर्ण पैमाने पर मज़बूती की जांच शुरू हो गयी है। एविएशन इंडस्ट्री कॉरपोरेशन ऑफ चाइना (एवीआईसी) ने यह जानकारी दी। यह परीक्षण विमान की सुरक्षा और विश्वसनीयता को सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो चीन की विमानन उद्योग में एक बड़ी उपलब्धि है। एवीआईसी ने कहा, यह परीक्षण एजी600 विमान के भविष्य के जीवन विस्तार और संशोधन के लिए एक महत्वपूर्ण पूर्ण-स्तरीय परीक्षण आधार प्रदान करेगा। एजी600 बड़े उभयचर विमान परिवार को देश की आपातकालीन बचाव क्षमताओं को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण उन्नत वैमानिकी उपकरण के रूप में विकसित किया गया है।

रिफाइनरी में भीषण आग लगने से छह लोग झुलसे

एजेंसी

तेहरान। ईरान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत खुजेस्तान में एक रिफाइनरी में भीषण आग लगने से कम से कम छह लोग झुलस गए जिनमें दो की हालत गंभीर है। यह जानकारीसमाचार एजेंसी ने दी है। ईरान की आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के अनुसार, घायलों में से दो लोग 80 प्रतिशत से अधिक झुलस गए हैं। एजेंसी ने काउंटी के गवर्नर सैय्यद मोहसिन सैय्यद मौसवी के हवाले से कहा कि शुश्तर काउंटी में पार्स पेट्रोलियम रिफाइनरी में गैसोलीन टैंक के साथ एक टैंकर की टक्कर होने से यह आग लगी। गवर्नर ने कहा कि घटना की सूचना प्राप्त होने के तुरंत बाद, दमकलों को घटनास्थल पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रांत के संकट प्रबंधन विभाग के महानिदेशक अली अब्दुल्लाही ने कहा कि फिलहाल इस हादसे में किसी की मौत की सूचना नहीं है। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि ईंधन भरने के दौरान सुरक्षा उपायों का पालन करने में लापरवाही होने के कारण आग लगी।

नाइजीरिया में ईंधन से भरे टैंकर में विस्फोट, 90 लोगों की मौत

एजेंसी

अबुजा (नाइजीरिया)। नाइजीरिया में ईंधन टैंकर में विस्फोट होने से कम से कम 90 लोगों की जान चली गई। यह वाकया मंगलवार रात उत्तर-पश्चिम नाइजीरिया के जिगावा राज्य में हुआ। जिगावा पुलिस के प्रवक्ता शिइसू एडम ने कहा कि यह दुर्घटना जिगावा राज्य के तौरा स्थानीय सरकारी क्षेत्र के माजिया टाउन में हुई। अधिकांश पीड़ित दुर्घटनास्थल को घेरने के बाद हुए विस्फोट में मारे गए। एडम ने कहा कि विस्फोट में 50 अन्य लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि रात करीब 11:30 बजे माजिया टाउन में खदीजा विश्वविद्यालय के पास टैंकर चालक ने नियंत्रण खो दिया और उसमें विस्फोट हो गया। इसके बाद उसमें आग लग गई। उन्होंने कहा कि नाइजीरिया में आमतौर पर नागरिक ईंधन टैंकर हादसे के वक्त दुर्घटनास्थल को घेर लेते हैं। उनका मकसद ईंधन निकालना होता है। इस दुर्घटना में भी ऐसा ही हुआ। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि चेतावनी के बावजूद लोग बाज नहीं आते और दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि नाइजीरिया के विभिन्न हिस्सों में टैंकर दुर्घटनाओं में सैकड़ों लोग जान गंवा चुके हैं।

माओवादी सहित 15 वामपंथी दलों ने की सरकार से यूएन में इजराइल के खिलाफ वोट देने की मांग

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में प्रतिपक्ष में रहे माओवादी पार्टी सहित 15 राजनीतिक दलों और नागरिक नेताओं ने फिलिस्तीन और लेबनान पर इज़राइल के हमलों की निंदा करते हुए सरकार से फिलिस्तीन और लेबनान के लोगों के पक्ष में वोट करने का भी अनुरोध किया है।

सीपीएन (मसाल) के महासचिव मोहन विक्रम सिंह, सीपीएन (माओवादी) के महासचिव देव गुरुंग, यूनाइटेड सोशलिस्ट के महासचिव घनश्याम भुसाल, नागरिक आंदोलन के संजीव उप्रेती, सामाजिक शोधकर्ता मीना पौडेल समेत 15 लोगों ने हस्ताक्षर कर संयुक्त बयान जारी किया है। जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि इजराइल का हमला 21वीं सदी का सबसे बड़ा जातीय नरसंहार है। बयान मे इजराइल के हमले को राज्य-नियोजित हिंसा की संज्ञा देते हुए इसकी कड़ी निंदा की गई है। इस बयान में इजराइल के हमले को रोकने की मांग भी की गई है। उन्होंने इस हिंसा के ख़िलाफ़ फ़िलिस्तीनी और लेबनानी लोगों के पक्ष में देश की राय व्यक्त करने के लिए भी सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। बयान में कहा गया है कि सरकार को संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के खिलाफ और लेबनान तथा फिलिस्तीन के पक्ष में मतदान करना चाहिए।

संयुक्त बयान में नेपाली नागरिकों से इज़राइल, गाजा और लेबनान न जाने को कहा गया है। सरकार से इजराइल और लेबनान में नेपालियों के जीवन की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की भी अपील की गई है। बयान में कहा गया है कि संघर्ष के कारण लाखों स्थानीय लोग फ़िलिस्तीनी भूमि से विस्थापित हो गए हैं। इन देशों में रहने वाले नेपाली समुदाय से संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में न जाने और जो लोग गए हैं उन्हें बचाने और वापस लाने का आह्वान सरकार से किया गया है।

उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इजराइल अब हिजबुल्लाह के हमले के बहाने लेबनान पर हमला करने के लिए आगे बढ़ा है और इसके बाद अब वह ईरान सहित पूरे पश्चिम एशिया को संघर्ष में धकेल देगा। उनका आरोप है कि इजराइल की यहूदी सरकार संयुक्त राज्य अमेरिका की शह और समर्थन पर फिलिस्तीनी भूमि को बलपूर्वक छीन रही है, उसे छोटा कर रही है और योजनाबद्ध तरीके से गंभीर उत्पीड़न करते हुए फिलिस्तीनी लोगों को उनकी ही भूमि से विस्थापित कर रही है।

जापान में सितंबर में 2,872,200 विदेशी पर्यटकों का आगमन

एजेंसी

टोक्यो। जापान में सितंबर में करीब 2,872,200 विदेशी पर्यटक आए, जो इस महीने में अब तक की सबसे अधिक संख्या है। 'जापान नेशनल टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन' ने एक रिपोर्ट में कहा कि पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में यह आंकड़ा 31.5 प्रतिशत और महामारी से पहले सितंबर 2019 की तुलना में 26.4 प्रतिशत की वृद्धि है। जापान के लिए उड़ानों में वृद्धि, साथ ही दक्षिण कोरिया और चीन जैसे पड़ोसी देशों में सार्वजनिक छुट्टियों के दौरान अधिक बाहर जाने वाले यात्रियों ने इस वृद्धि में योगदान दिया।रिपोर्ट के अनुसार, लगातार आठ महीनों से जापान में विदेशी पर्यटकों के आगमन का रिकॉर्ड बना हुआ है, क्योंकि देश ने आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करने और यहां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं। जनवरी से सितंबर तक, विदेशी पर्यटकों की कुल संख्या 26,880,200 तक पहुंच गई, जो पिछले साल के पूरे वर्ष के 25,066,350 से अधिक है। इस बीच, सितंबर में बाहर जाने वाले जापानी यात्रियों की संख्या साल दर साल 20.7 प्रतिशत बढ़कर 1,212,600 हो गई।

जयशंकर ने पाकिस्तान को दी आत्मनिरीक्षण की सीख

एजेंसी

इस्लामाबाद। भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एसीओ) को उसके घोषणापत्र में आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की चुनौतियों का दृढ़ता से मुकाबला करने की उसकी प्रतिबद्धता याद दिलायी और कहा कि विश्वास, मित्रता, सहयोग और अच्छे पड़ोसी की भावना में कमी हो तो आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। डॉ. जयशंकर ने आज यहां पाकिस्तान की अध्यक्षता में आयोजित एससीओ के शिखर सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रतिनिधि के रूप में संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण में जलवायु परिवर्तन, आपूर्ति श्रृंखलाओं में अनिश्चितता और वित्तीय अस्थिरता के कारण वैश्विक विकास पर पड़ रहे दुष्प्रभावों पर चिंता जताई और बढ़ती बहु-ध्रुवीयता, वैश्वीकरण और पुनर्संतुलन में क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को प्राथमिकता देने पर बल दिया। विदेश मंत्री ने सबसे पहले, इस वर्ष एससीओ शासनाध्यक्षों की परिषद की अध्यक्षता के लिए

पाकिस्तान को बधाई दी और कहा, हम विश्व मामलों में एक कठिन समय में मिल रहे हैं। दो बड़े संघर्ष चल रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक के अपने वैश्विक प्रभाव हैं। कोविड महामारी ने विकासशील दुनिया के कई लोगों को बुरी तरह तबाह कर दिया है। विभिन्न प्रकार के व्यवधान - चरम जलवायु घटनाओं से लेकर आपूर्ति श्रृंखला अनिश्चितताओं और वित्तीय अस्थिरता तक - वृद्धि और विकास को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा,÷ ऋण एक गंभीर चिंता का विषय है, भले ही दुनिया सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को प्राप्त करने में पीछे रह गई हो। प्रौद्योगिकी बड़ी संभावनाएं रखती है, साथ ही नयी चिंताओं को भी जन्म देती है। एससीओ के सदस्यों को इन चुनौतियों पर कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए, इसका उत्तर हमारे संगठन के चार्टर में निहित हैं। डॉ. जयशंकर ने कहा, मैं आपसे अनुच्छेद 01 पर विचार करने का आग्रह करता हूं जो एससीओ के लक्ष्यों और कार्यों को बताता है। आइए हम इसे हमारे सामूहिक विचार के लिए संक्षेप में प्रस्तुत करें। इसका उद्देश्य आपसी विश्वास, मित्रता और अच्छे पड़ोसी को मजबूत करना है। इसका उद्देश्य बहुआयामी सहयोग, विशेषकर क्षेत्रीय प्रकृति का सहयोग विकसित करना है। इसे संतुलित विकास, एकीकरण और संघर्ष की रोकथाम के मामले में एक सकारात्मक शक्ति बनना है। उन्होंने कहा, चार्टर समान रूप से स्पष्ट था कि प्रमुख चुनौतियां क्या थीं। और ये मुख्य रूप से तीन थे, जिनका मुकाबला करने के लिए एससीओ प्रतिबद्ध था- एक, आतंकवाद; दो, अलगाववाद; और तीन, उग्रवाद। यदि हम चार्टर की शुरुआत से लेकर आज की स्थिति तक तेजी से आगे बढ़ते हैं, तो ये लक्ष्य और ये कार्य और भी महत्वपूर्ण हैं। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम ईमानदारी से बातचीत करें। यदि विश्वास की कमी है या सहयोग अपर्याप्त है, यदि मित्रता कम हो गई है और अच्छे पड़ोसी की भावना कहीं गायब है, तो निश्चित रूप से आत्मनिरीक्षण करने के कारण हैं और समाधान करने के कारण हैं। समान रूप से, यह तभी होता है जब हम चार्टर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरी ईमानदारी से दोहराते हैं, तभी हम सहयोग और एकीकरण के लाभों को पूरी तरह से महसूस कर सकते हैं जिसकी इसमें परिकल्पना की गई है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ हमारे अपने फायदे का प्रयास नहीं है। हम सभी महसूस करते हैं कि दुनिया बहु-ध्रुवीयता की ओर बढ़ रही है। वैश्वीकरण और पुनर्संतुलन ऐसी वास्तविकताएँ हैं जिन्हें नकारा नहीं जा सकता। संचयी रूप से, उन्होंने व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी, ऊर्जा प्रवाह और सहयोग के अन्य रूपों के संदर्भ में कई नए अवसर पैदा किए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर हम इसे आगे बढ़ाएंगे तो हमारे क्षेत्र को अत्यधिक लाभ होगा।

पाकिस्तान का एससीओ के मंच से चीन के बीआरआई के विस्तार का आह्वान

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आज 23वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के मंच से चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के विस्तार का आह्वान किया। उन्होंने एससीओ की अध्यक्षता करते हुए सदस्य देशों के शासनाध्यक्षों की परिषद के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

पाकिस्तान के एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, शहबाज शरीफ ने कहा, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बेल्ट एंड रोड पहल जैसी प्रमुख परियोजना को राजनीतिक चश्मे से न देखा जाए। उन्होंने सदस्य देशों से क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने और घनिष्ठ सहयोग बनाने के लिए संगठन के ढांचे को मजबूत करने का आग्रह किया। सम्मेलन का आयोजन इस्लामाबाद के जिन्ना कन्वेंशन सेंटर में किया गया है। इसमें मेजबान पाकिस्तान, चीन, रूस और भारत सहित 11देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। एससीओ सदस्य देशों का

प्रतिनिधित्व चीन, रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के प्रधानमंत्रियों के साथ ईरान के उद्योग और व्यापार मंत्री और भारत के विदेश मंत्री कर रहे हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

यहूदी यात्रियों को रोकने पर लुफ्थांसा एयरलाइन पर लगा 40 लाख डॉलर का जुर्माना

एजेंसी

वाशिंगटन। जर्मनी की एयरलाइन लुफ्थांसा पर मई 2022 में फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट पर 128 यहूदी यात्रियों के साथ कथित भेदभाव करने के मामले में 40 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया गया है और कंपनी ने यह जुर्माना करने पर सहमति जता दी है। अमेरिकी परिवहन विभाग की ओर से मंगलवार को यह जानकारी दी गयी । अमेरिकी परिवहन विभाग (डीओटी) ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि लुफ्थांसा एयरलाइन के कर्मचारियों ने पारंपरिक रूढ़िवादी यहूदी पोशाक पहने 128 यात्रियों में से कुछ के द्वारा कथित दुर्व्यवहार किये जाने के कारण उन्हें कनेक्टिंग फ्लाइट में चढ़ने से रोक दिया था। परिवहन विभाग ने यह जुर्माना लगाया है। अमेरिकी परिवहन सचिव पीट बटिगिएग ने कहा, यात्रा करते समय किसी को भी भेदभाव का सामना नहीं करना चाहिए, और आज की कार्रवाई एयरलाइन उद्योग को एक स्पष्ट संदेश देती है कि हम यात्रियों के नागरिक अधिकारों का उल्लंघन होने पर जांच और कार्रवाई करने के लिए तैयार हैं। लंबी देरी पर नकेल कसने से लेकर यात्रियों को उचित रूप से रिफंड सुनिश्चित करने तक, हमारे विभाग ने एयरलाइनों को यात्रियों के साथ उनके व्यवहार के लिए जवाबदेह ठहराने के लिए हमारे प्रवर्तन प्रयासों को मजबूत किया है, और हम उद्योग को यात्रियों को उचित और सम्मानजनक सेवा प्रदान करने के लिए प्रेरित करना जारी रखेंगे।

विभाग को यहूदी यात्रियों के साथ 40 से अधिक भेदभाव की शिकायतें मिलीं, जिन्होंने मई 2022 में न्यूयार्क में जॉन एफ कैनेडी हवाई अड्डे से उड़ान भरने के लिए टिकट लिया था, जिसका जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में एक स्टॉप और बुडापेस्ट, हंगरी अंतिम गंतव्य था। शिकायतों की डीओटी की जांच ने निष्कर्ष निकाला कि लुफ्थांसा ने पहली उड़ान में इन 128 यहूदी यात्रियों में से कुछ के द्वारा किये गये कथित दुर्व्यवहार के आधार पर इन यहूदी यात्रियों को बुडापेस्ट की आगे की यात्रा पूरी करने से रोक दिया। पहली उड़ान के दौरान, कप्तान ने लुफ्थांसा सुरक्षा को सचेत किया कि कुछ यात्री चालक दल के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे थे और बुडापेस्ट के लिए दूसरी उड़ान से जुड़ रहे थे, हालांकि बाद में लुफ्थांसा किसी भी यात्री की पहचान करने में विफल रहा, जो चालक दल के निर्देशों का पालन नहीं कर रहा था। सुरक्षा अलर्ट के परिणामस्वरूप बुडापेस्ट जाने वाले 100 से अधिक यात्रियों के टिकटों पर रोक लगा दी गई, जिसके बाद यात्रियों को फ्रैंकफर्ट में अपनी अगली निर्धारित उड़ान पर चढ़ने से रोक दिया गया। जिन यात्रियों के टिकट पर रोक लगाई गई थी, वे सभी यहूदी थे। फ्लाइट में नियम न मानने वाले व्यक्तियों के नाम नहीं बताये गये, और लुफ्थांसा स्टाफ ने माना कि पूरे समूह को ले जाने से इनकार करने के परिणामस्वरूप उन यात्रियों को भी बाहर रखा गया, जिन्होंने एलएच 401 पर चालक दल के निर्देशों का पालन किया था। कंपनी ने निष्कर्ष निकाला कि प्रत्येक यात्री को व्यक्तिगत रूप से संबोधित करना व्यावहारिक नहीं था। डीओटी का विमानन उपभोक्ता संरक्षण कार्यालय सभी यात्रियों को भेदभाव से मुक्त उड़ान सुनिश्चित करने के लिए अपने अधिकार का सख्ती से उपयोग करना जारी रखेगा।

जम्मू-कश्मीर पर अपनी सोच बदले पाकिस्तान, तभी बातचीत संभव : गुलाम अली खटाना

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर से भाजपा के राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना ने पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के बयान पर पलटवार किया। गुलाम अली खटाना ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा कि पाकिस्तान का जो मसला है, वह यह है कि पाकिस्तान एक दुश्मनी का शिकार है और वहां बहुत गरीबी है। अपने मुल्क के अंदर के हालात को ठीक करने के लिए कई बार वे इस तरह की बातें बोलते हैं, लेकिन हम पाकिस्तान को बता देना चाहते हैं कि दोनों देश एक साथ आजाद हुए थे। उन्होंने आगे कहा, भारत ने इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाए और देश में विकास किया। आज पूरी दुनिया भारत का लोहा मानती है, लेकिन गोली, विनाश और बातचीत कभी भी एक साथ नहीं हो सकती। वहां आतंकवाद के और पाकिस्तान को जम्मू-कश्मीर पर अपनी सोच बदलनी पड़ेगी। भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय पार्टियों ने कांग्रेस का सफाया कर दिया है। कांग्रेस का हाल 'मान न मान, मैं तेरा मेहमान' वाला है। जम्मू-कश्मीर की आवाम ने कांग्रेस को उखाड़कर फेंक दिया है और बाकी जगह भी कांग्रेस पार्टी 'मैं' शब्द से बाहर नहीं निकल पाई है। उनकी सोच है कि हम हो और हमारे परिवार का कोई सदस्य ही कुछ न कुछ बने। हम, और भाजपा भी चाहती है कि राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत विपक्ष हो, मगर कांग्रेस की सोच अच्छी नहीं है। उन्होंने प्रियंका गांधी के केरल के वायनाड से चुनाव लड़ने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ÷देश में लोकतंत्र है और कोई भी कहीं से भी चुनाव लड़ सकता है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा मुख्यालय में सीईसी की बैठक

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक जारी है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और महाराष्ट्र के कई नेता उपस्थित हैं। सीईसी की बैठक में उन सीटों पर

विचार-विमर्श किया जा रहा है, जिन पर भाजपा 288 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारेगी। ऐसा माना जा रहा है कि पार्टी लगभग 150 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है, बाकी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के लिए छोड़ देगी।

उप्र-हरियाणा बढ़ा रहे दिल्ली में वायु प्रदूषण: जस्मीन शाह

नई दिल्ली। सर्दियों के मौसम में दिल्ली में बढ़ने वाले वायु प्रदूषण के पीछे असली कारण पड़ोसी राज्य हरियाणा और उत्तर प्रदेश हैं। यह खुलासा केंद्र सरकार की एजेंसी इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट के जारी आंकड़ों से हुआ है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता जस्मीन शाह ने कहा कि पूरे भारत में केवल दिल्ली सरकार की दिल्ली-पंजाब की सरकारें ही प्रदूषण कम करके जनता को राहत दिला रही हैं, बाकी सभी सरकारें सो रही हैं। खासकर दिल्ली के पड़ोसी राज्य हरियाणा और उप्र की भाजपा सरकारें प्रदूषण को कम करने के लिए कोई कदम नहीं उठा रही हैं। जस्मीन शाह ने आंकड़ों के हवाले से कहा कि पिछले साल के मुकाबले एक से 14 अक्टूबर तक पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 27 फीसद की कमी आई है, जबकि हरियाणा में 23 और उप्र में 71 फीसद की वृद्धि हुई है। भाजपा हरियाणा और उप्र में प्रदूषण कम करने को लेकर गंभीर नहीं है। इसलिए उसने धूल प्रदूषण को कम करने के लिए भी दिल्ली की तरह कोई विंटर एक्शन प्लान नहीं बनाया है। जस्मीन शाह ने कहा कि केंद्र सरकार के इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएआरआई) के 1 से 14 अक्टूबर तक के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में पंजाब में 1105 पराली जलाने की घटनाएं सामने आईं। लेकिन 2024 में ये घटनाएं घटकर 811 हो गई हैं। यानी पंजाब में पराली जलाए जाने की घटनाओं में करीब 27 फीसद की गिरावट आई है।

दिल्ली-बेंगलुरु अकासा की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी, दिल्ली पुलिस ने दर्ज की FIR

नई दिल्ली। दिल्ली से बेंगलुरु जाने वाले अकासा एयर के विमान QPv335 को दोपहर एक बम की धमकी के बाद राष्ट्रीय राजधानी लौट जाना पड़ा. इस घटना ने एयरलाइन संचालन में सुरक्षा संबंधी चिंताओं को एक बार फिर से जगाया है. विमान, जिसमें 180 से अधिक यात्री और चालक दल के सदस्य शामिल थे, दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया. दिल्ली पुलिस ने जानकारी दी कि बम की धमकी के बाद हवाई अड्डे पर आपातकाल घोषित कर दिया गया था. विमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाएं अपनाई गईं. पुलिस उपायुक्त (आईजीआई हवाई अड्डा) उषा रंगनानी के अनुसार, विमान को एक आइसोलेशन बे में रखा गया, जहां यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई।

केंद्र ने 100 दिन के भीतर 15 लाख करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी दी : डॉ. जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। इस बार केंद्र सरकार ने कार्यभार संभालने के बाद 100 दिन के भीतर 15 लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसके साथ ही 12 औद्योगिक नोड विकसित किए जाएंगे, जिनमें 40 लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा।

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज में युवा प्रतिभाओं को प्रमाणपत्र वितरित करने और सम्मान देने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक अद्भुत यात्रा रही है, क्योंकि भारत ने बीते 10 साल में कमजोर पांच से शीर्ष पांच में जगह बनाई और यह एक लंबा सफर तय किया है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने पहली बार मोदी सरकार बनने के कुछ ही महीने बाद स्व-प्रमाणन की पहल को याद किया। उन्होंने कहा कि अब युवाओं को दस्तावेजों के प्रमाणीकरण के लिए किसी राजपत्रित अधिकारी के पास नहीं भटकना पड़ता। इससे इस सरकार का युवाओं पर कितना भरोसा है यह पता चलता है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आरोप लगते थे कि लिखित परीक्षा में अच्छे अंक पाने के बावजूद सरकारी

सेवा के इच्छुक उम्मीदवारों को साक्षात्कार में कम अंक मिल रहे थे। सरकार ने इसका समाधान निकाला और भारत सरकार की ग्रुप-सी और उससे नीचे की सेवाओं में साक्षात्कार का प्रावधान समाप्त कर दिया गया है। स्टार्टअप के बारे में उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने देश में इस अवधारणा को बढ़ावा और गति दी। साल 2014 से पहले केवल 350-375 स्टार्टअप थे, जिनकी संख्या अब लगभग 3.75 लाख तक पहुंच चुकी है। स्टार्टअप के मामले में हम अब दुनिया में तीसरे स्थान पर हैं।उन्होंने कहा कि अगर भारत 2047 तक विकसित बनना चाहता है, तो उसे वैश्विक मानक स्थापित करने होंगे और देश ने इस दिशा में तेजी से काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने छात्रों को 2047 के भारत का पथ प्रदर्शक बताया और उनसे 'विकसित भारत 2047' का नेतृत्व करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में हुए सुधारों ने भारतीय युवाओं को आत्मविश्वास से भर दिया है और विश्व स्तर पर उनका सम्मान बढ़ाया है।

पहले आतंकियों को भेजना बंद करे पाकिस्तान, फिर होगी वार्ता : करण सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भारत के साथ द्विपक्षीय वार्ता की वकालत की है। बिलावल भुट्टो के बयान पर अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता करण सिंह ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वार्ता तभी होगी जब वे आतंकवादियों को भेजना बंद करेंगे।

कांग्रेस नेता करण सिंह ने कहा, यह एक समझदारी भरा कदम है। मैं इसका स्वागत करता हूं। भुट्टो को लगता है कि आगे बढ़ने का रास्ता भारत के साथ अच्छे संबंधों को बढ़ावा देना है। हालांकि, वार्ता तभी होगी जब वे आतंकवादियों को भेजना बंद करेंगे।उन्होंने कहा, आप पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध और लगातार आतंकवाद जैसे दोनों मामलों को एक साथ नहीं रख सकते। वे हमारे पड़ोसी हैं और हम शांतिपूर्ण संबंध चाहते हैं, लेकिन आतंकवाद मुख्य समस्या है। यदि वे आतंकवाद को रोकते हैं, तो बातचीत आगे बढ़ सकती है।बिलावल भुट्टो ने मंगलवार को भारत और पाकिस्तान के बीच विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद के मुद्दे पर एक आम बिंदु तक पहुंचने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बातचीत

जरूरी है। करण सिंह ने जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला सरकार को कांग्रेस द्वारा बाहर से समर्थन दिए जाने के फैसले पर खुशी जाहिर की।उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से हुए हैं, जो एक सकारात्मक परिणाम है। कांग्रेस ने केवल छह सीटें जीतीं, जो उम्मीद से कम थी। इसलिए उन्होंने अपनी मांगों के बारे में सोचा होगा। कांग्रेस के बिना भी उमर अब्दुल्ला के पास बहुमत स्पष्ट है। उन्होंने कहा, एक मजबूत सरकार की जरूरत है और इसे लोगों की बेहतरी के लिए काम करना चाहिए। अब हम राज्य का दर्जा बहाल होने का इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने वायनाड सीट से प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने पर कहा, मैं बचपन से प्रियंका और राहुल को जानता हूं। प्रियंका एक अच्छी वक्ता हैं और अपने किरदार में काफी सक्रिय हैं। मुझे खुशी है कि वह चुनाव लड़ रही हैं। मेरी शुभकामनाएं और आशीर्वाद उनके साथ हैं।

दिल्ली में पहले अंतरराष्ट्रीय भारतीय नृत्य महोत्सव का आगाज

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूसा में पहले अंतरराष्ट्रीय भारतीय नृत्य महोत्सव का उद्घाटन किया। संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित छह दिवसीय इस महोत्सव में अमेरिका, इंडोनेशिया, नेपाल, बांग्लादेश, सिंगापुर और श्रीलंका समेत कई अन्य देशों से कलाकार, विद्वान और नृत्य आलोचक शामिल हो रहे हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक वीडियो संदेश में कहा कि यह हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण और यादगार अवसर है। विभिन्न देशों के कलाकारों की भागीदारी सांस्कृतिक आदान-प्रदान में मदद करती है। संगीत और नृत्य ऐसी भाषाएं हैं जो सीमाओं से परे हैं और सार्वभौमिक रूप से समझी जाती हैं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन कलाओं को समर्पित सबसे पुराने ग्रंथ भारत में भरत मुनि द्वारा लिखे गए थे। इस विरासत को आगे बढ़ाना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे उत्सवों में युवाओं को शामिल करने से उन्हें अपनी जड़ों से जुड़े रहने में मदद मिलती है और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका मजबूत

होती है। इस अवसर पर अपने संबोधन में गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत विविध और अनोखी कलाओं से समृद्ध देश है, जो अपनी नृत्य कला के माध्यम से विश्व को संस्कृतियों के मेल और इससे साझी प्रगति का संदेश देता रहा है। शेखावत ने भारतीय नृत्य परंपरा के इस वैश्विक महोत्सव में सम्मिलत होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह उनके लिए गरिमा और गौरव का पल है। उन्होंने कहा कि हमेशा बहने वाली गंगा की तरह, ये परंपराएं पीढ़ियों के समर्पण से पनपती हैं, जो हमें विविधता के बीच एक गहरी एकता से जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि वे राजस्थान के रेगिस्तान से आते हैं, जहां कला अभाव में भी पनपी है। लोग संगीत और नृत्य जीवन में आनंद और अर्थ लाते हैं, ठीक वैसे ही जैसे मीराबाई के भक्ति गीत करते थे। आज की अशांत दुनिया में, जहां भू-राजनीतिक अस्थिरता और नैतिक पतन व्याप्त है, भारत अपने प्राचीन ज्ञान, कला और मूल्यों के माध्यम से एक सांस्कृतिक दिशा प्रदान करता है। यह महोत्सव विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जैसे समुद्र मंथन से अमृत निकला था, जो भारत और विश्व को भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और दिशा प्रदान करता है। उल्लेखनीय है कि महोत्सव के दौरान शहर के कमानी ऑडिटोरियम में शाम के समय नृत्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें देश और विदेश के प्रख्यात नृत्य कलाकरों के समूह अपनी प्रस्तुति देंगे। आगंतुक कमानी ऑडिटोरियम में शाम साढे छह बजे से साढ़े आठ बजे तक नृत्य का निशुल्क आनंद ले सकते हैं। वहीं, फिरोजशाह रोड स्थित रविंद भवन के ललित कला अकादमी में सुबह दस बजे से शाम छह बजे तक फ़ोटोग्राफ़िक प्रदर्शनी का निशुल्क भ्रमण कर सकते हैं। अंतरराष्?ट्रीय भारतीय नृत्य महोत्सव इस महीने की 21 तारीख तक चलेगा।

कोलंबिया के उपमंत्री रौद्रीगेज ने कीर्तिवर्धन सिंह से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलंबिया के विदेश मामलों के उपमंत्री एचआर रौद्रीगेज ने पर्यावरण भवन में केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। इस बार कोलंबिया के कैली में संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। कीर्तिवर्धन सिंह ने सम्मेलन के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। कीर्तिवर्धन ने चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से उन्हें अवगत कराया। यह अभियान पर्यावरण के प्रति अपना दायित्व निभाने के साथ-साथ माताओं के प्रति श्रद्धा और समर्पण भाव दर्शाने की एक अनूठी पहल है। इसकी कोलंबिया के विदेश मामलों के उपमंत्री ने सराहना की। इस दौरान रौद्रीगेज मंत्रालय की गैलरी में नेचर एवं कल्चर की थीम पर उकेरित मधुबनी पेंटिंग की विशेषता से भी अगवत हुए।

सफदरजंग अस्पताल में शुरू हुआ क्रेच सेंटर

एजेंसी

नई दिल्ली। नई क्रेच सुविधा का उद्घाटन किया गया। इसका उद्देश्य अस्पताल के कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण बाल देखभाल सेवाएं प्रदान करना है। क्रेच का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा कि यह क्रेच समर्पित स्वास्थ्य कर्मियों का समर्थन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उनके बच्चों के लिए एक सुरक्षित और पोषण वातावरण प्रदान करके, हम अपने कर्मचारियों को रोगी देखभाल में उनकी महत्वपूर्ण भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बना रहे हैं। यह सुविधा केवल एक सुविधा नहीं है; यह हमारे स्वास्थ्य देखभाल समुदाय की भलाई और रोगियों को प्रदान की जाने वाली देखभाल की गुणवत्ता में एक निवेश है। इस मौके पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित अतिरिक्त सचिव रोली सिंह, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वंदना तलवार, वीएमएमसी की प्रिंसिपल डॉ. गीतिका खन्ना और क्रेच की प्रभारी वरिष्ठ सीएमओ डॉ. वंदना चक्रवर्ती भी मौजूद थीं।

भारत में बनाई गई डेंगू की वैक्सीन, फाइनल ट्रायल पर चल रहा काम : डॉ. राजीव बहल

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के डायरेक्टर जनरल डॉ. राजीव बहल ने डेंगू के लिए बनाई गई वैक्सीन के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि डेंगू की वैक्सीन भारत में बनी है, जबकि इसकी टेक्नोलॉजी यूएस की एनआईएच ने बनाई थी। वह इस वैक्सीन को नहीं बना पाए थे। लेकिन, भारत की कंपनी ने इस वैक्सीन को पूरी तरह से निर्मित किया है। डॉ. राजीव बहल ने बातचीत में दो साल के बीच इसका रिजल्ट आ जाएगा। नतीजे पॉजिटिव आने पर हम वैक्सीन का इस्तेमाल पूरी तरह से कर पाएंगे। यह एक ऐसी वैक्सीन होगी, जो डेंगू के लिए हमने अपने देश में बनाई है। उन्होंने आगे बताया, इसी तरह से एक और वैक्सीन पर काम चल रहा है, जो जूनोटिक बीमारी के लिए है। इस वैक्सीन को भी भारत में निर्मित किया गया है, जिसे आईसीएमआर के सहयोग से मिलकर बनाया गया है। इस वैक्सीन का छोटे जानवरों में किए गए टेस्ट पॉजिटिव आए हैं। अब उसका बड़े बहल ने बताया कि ऐसे ही डायग्नोस्टिक टेस्ट है, जैसे-एमपोक्स उसके तीन टेस्ट भारत में बने, जो आईसीएमआर द्वारा निर्मित है। उसका भी अप्रूवल हमें मिल चुका है। हम भारत में एमपोक्स का टेस्ट कर सकते हैं।

NAME CHANGE

I, Shalini Singh Soni Ex-Wife of Vishal Soni R/o House No-D-202,Monsoon Breeze,Sector-78,Gurgaon,Haryana-122004,Have Changed My Minor Son Name Vikramaditya Soni To Vikramaditya Singh Soni For All Future Purpose

NAME CHANGE

I USHA RANI W/O SANDEEP SHARAM R/0 H.NO -1208,VTC SANGHI 83 ROHTAK HARYANA -124303, HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME DEVANSH TO DEVANSH SHARMA

NAME CHANGE

I, KULDEEP S/O CHANDER PRAKASH residing at H NO-5813, BLOCK NO-4, GALI NO-8, DEV NAGAR, KAROL BAGH, DELHI-110005 have changed my name to KULDEEP KUMAR all future purposes.

NAME CHANGE

I, VITEN DEVI mother of NO-2998656L Rank-CHM, Name-NARENDRA SINGH Presently residing at VILL-FARIDPUR, PO-PREMPUR, KANNAUJ, UTTAR PRADESH-209721 have changed my name from VITEN DEVI to SAVITRI DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 17/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SAVITA is legally wedded spouse of No. 2799650M Rank HAV, Name TARE BHALCHNDRA KHUSHALRAO RO VILLAGE -MANDWA, POST-ZOTINGA, TEH- LONAR, DIST BHULDHANA PIN-443202, STATE-MAHARASHTRA, have changed my name from SAVITA to SAVITA BHALCHNDRA TARE for all future purposes. Vide affidavit No IN-DL71706805494508W dated 16.10.2024 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, PRIYANKA is legally wedded spouse of No. 2800065F Rank- HAV, Name-ASHTEKAR, SHIVAJI LAXMAN R/O VILL-KANGRALI B.K POST-KANGRALIB.K. TEH-BELAGAVI, DIST-BELAGAVI, PIN 590010 STATE-KARNATAKA, have changed my name from PRIYANKA to PRIYANKA SHIVAJI ASHTEKAR for all future purposes. Vide affidavit No IN-DL71707249182957W dated 16.10.2024 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that Mr. Chanderpal Singh is the GPA Holder of land area measuring 84 sq. yds., out of Killa no.135, situated in the village Naharpur, Halll colony Hans enclave Tehsil & Distt. Gurgaon. He is in possession through GPA, ATS dated 14.12.2011 executed by Mr. Narayan Sharma in favour of Mr. Chanderpal Singh in respect of Said Property. The above-said owner has misplaced the (1) Original GPA, ATS, Will and Receipt dated 27.04.1989 executed by Mr. Hoshiyar Singh in favour of Mr. Narayan Sharma in respect of Said Property. Application No.- 132270802401141, also registered at P.S. Palam Vihar, Gurgaon on dated 10.10.2024. Anyone who finds the above-mentioned documents, kindly handover the same to the Manager of DMI Housing Finance Pvt. Ltd, Gurgaon. Mr. Chanderpal Singh intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of aforementioned Property to Mr. Krishan Kumar. Subsequently, Mr. Krishan Kumar is in the process of mortgaging the said property with DMI Housing Finance Pvt. Ltd. Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting.

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants)at
Office No. 11, 1st Floor, Building No. A - 44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

NAME CHANGE

I, MEHFOOZ S/O MANZOOR QURESHI residing at D-51, GALI NO.17, D-BLOCK, CHAUHAN BANGAR, NEW SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my name to MOHD MEHFOOZ QURESHI all future purposes.

NAME CHANGE

I Divyangna Arora D/o Banwari Burman R/o 70-C/2, Gali No. 03, Near Lal Bakery, Old Tejab Mill, Bhola Nath Nagar, Shahdara, Delhi - 110032 have changed my name to Divyangna Burman for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्री गुरमीत सिंह फ्रीहोल्ड आवासीय पहली मंजिल खरीद रहे हैं, बिना छत/छत के अधिकार के (उक्त मंजिल), संपत्ति संख्या 28/2-ए/2, नई संख्या 202 पर निर्मित, क्षेत्रफल 58.52 वर्ग मीटर, खसरा संख्या 718 में से, स्थित है गांव चंद्रावली उर्फ शाहदरा के क्षेत्र में, गली नंबर 4, ज्वाला नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली की आबादी में। श्री दीपक गुप्ता से, स्वर्गीय श्री महेंद्र कुमार गुप्ता के कानूनी उत्तराधिकारी की मृत्यु हो गई थी और उन्हें उक्त संपत्ति खरीदी गई थी, दिनांक 10/08/2015 के त्याग विलेख के तहत पुस्तक संख्या I, खंड संख्या 559, पृष्ठ 133-139 में दस्तावेज़ संख्या 6218 के रूप में, 24/09/2015 को पंजीकृत (एसआरओ-IV बी) हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, जिसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा रोहिणी दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जाना है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I, No. 14664931Y Rank-NK Name-K MATHAN KUMAR S/o P KAMARAJ Presently residing at VPO-KAMAYAGOUNDANPATTI, DIST-THENI, TAMIL NADU-625521 have changed my wife's name from M SUJITHA to SUJITHA for all future purposes vide Affidavit No. IN-DL72731405007703W dated 17/10/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्रीमती भगवती देवी पत्नी स्वर्गीय श्री जगदीश सिंह रावत फ्रीहोल्ड आवासीय प्रथम तल फ्लैट की मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 89.4627 वर्ग है। ग्राम बरौला, तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्ध नगर, उ.प्र. के क्षेत्र में, हिंडन विहार स्थित खसरा संख्या 1154 से बाहर। बिक्री विलेख दिनांक 07.04.2012 के आधार पर दस्तावेज़ संख्या 2689, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 4131, पृष्ठ 54-93 पर, दिनांक 07.04.2012 को, एसआर-द्वितीय, नोएडा। नीचे दिए गए दस्तावेजों की श्रृंखला में उपलब्ध नहीं हैं यानी मूल बिक्री विलेख दिनांक 06.01.2010, श्री हनुमान सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री शिव प्रसाद सिंह और श्री योगेश गैंद पुत्र श्री शिव राज गैंद द्वारा श्री राज कुमार एस के पक्ष में निष्पादित /ओ श्री गजे डॉक्टर संख्या 67 के रूप में, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 2636, पृष्ठ 203-246 पर, दिनांक 06.01.2010 को, एसआर- II, नोएडा अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति के पास कोई अधिकार नहीं है उक्त संपत्ति पर, और संपत्ति श्री आकाश कुमार के नाम से बिकने जा रही है और इसे उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा शादीपुर दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

Delhi Branch

BOMBAY MERCANTILE COOPERATIVE BANK LTD. (SCHEDULED BANK)

36, NETAJI SUBHASH MARG, DARYA GANJ, NEW DELHI-110002 PH:23273786, 23266869, 47199100, FAX: 2325979

PUBLIC NOTICE FOR SALE

The undersigned being the Authorised Officer of Bombay Mercantile Co-operative Bank Ltd., Under Securitisation & Reconstruction of Financial Assets & Enforcement of Security Interest Act, 2002 respect of immoveable properties which will be sold by public auction on **"AS IS WHERE IS AND WHAT IS"** basis invites sealed Bids/Tenders from interested parties for purchasing the following secured assets under provisions of Securitisation & Reconstruction of Financial Assets & Enforcement of Security Interest Act, 2002 and rules made there under.

DETAILS OF PROPERTIES

Name of the Borrower : **Smt. Ekta Rani**

1. Secured Debt to be : Rs.30,52,756.00 due as on 06.12.2022 and further interest recovered thereon till realization

Description of the Property	Area	Reserve Price
Property Upper Ground Floor Flat, Having Super Covered Area 100.33 Sq. mtr i.e. 120 Sq. Yds i.e. 1080 Sq. Ft Out of Stilt Plus Three Storied Residential Building, Built up on Property No. D-415, Building Known as "Park View Apartment", situated at Indraprastha Colony, Ghaziabad, Distt.-Ghaziabad Uttar Pradesh	100.33 Sq.mtrs.	Rs.33,48,000/-

2. The sealed Bids/ Tenders shall be accepted with **EARNEST MONEY** 10% of Reserve Price with application each proposed property by way of Demand Draft / Payorder in favour of the **Authorised Officer, Bombay Mercantile Cooperative Bank Ltd.,** payable at Delhi. The bids/ tenders without Earnest Money shall not be entertained.
3. The inspection of the property/plot will be made available on 04.11.2024 from 11. a.m. to 4.00 p.m.
4. The submission of Bids/Tenders/Offers shall be received by Authorized Officer/ Branch Manager in a sealed envelope/cover alongwith Demand Draft/ Payorder for the Earnest Money favouring **"Authorised Officer, Bombay Mercantile Cooperative Bank Ltd."** Payable at Delhi on or before 19.11.2024 at the bank premises at 36, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi.
5. The Tenders received from bidders will be opened at 11.00 a.m. on 20.11.2024 at the bank premises 36, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi 110 002. Thereafter an auction shall be held and Bidders shall be allowed to improve their offer.
6. The bidders shall have to bear Stamp Duty, Transfer Charges, Electricity dues, Water dues, Cess, Society dues, all other Government dues and taxes if any & all other incidental cost, charges including all taxes and taxes and rates and outgoings relating to the property.
7. The successful bidders shall be required to pay immediately an amount equal to 25% of the bid amount (including Earnest Money Deposit already paid) of the Secured Assets in respect of immoveable property he has submitted in his bid. The balance amount shall be deposited within 15 days from the date of letter of acceptance of the tender. On default in the payment of such deposit the previous deposit would stand forfeited and Authorised Officer may put up again the Secured Assets for sale/resale at its discretion.
8. The Authorised Officer is not bound to accept the highest offer or any or all offer and reserve the right to accept or reject any or all the tender's without assigning any reason whatsoever thereof or postpone the date & Time of opening the tenders of sale confirmation. In case all the tenders are rejected, Authorised Officer can negotiate with any of the tenderers or other parties for sale of the secured assets in private treaty.
9. The interested parties may contact for further details to the undersigned or Branch Manager at Bombay Mercantile Cooperative Bank Ltd., 36, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi 110 002 Telephone No. **011- 23259794 and 23273786**

Place : Delhi
Date : 18.10.2024

(Aziz Ur Rehman Khan)
AUTHORIZED OFFICER/BRANCH MANAGER

NAME CHANGE

I, ANAM HASAN W/O ZUHAIB HASAN residing at H NO-D-192, ABUL FAZAL ENCLAVE, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to ANAM all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री विजय गोयल एवं श्री वंश गोयल प्लॉट नं. 1 ए, 1 बी, 1 सी, 1 डी, खसरा नंबर 13, कुल क्षेत्रफल 5507.33 वर्ग गज, जो की दहपा परगना डासना तहसील धौलाना जिला में स्थित के स्वामी हैं। उन्होंने उक्त संपत्ति 4 विक्रय विलेख के माध्यम से खरीदी हैं जो की विक्रय विलेख दिनांक 07.02.2024 जिसका क्रमांक 2145 हैं जिसका क्षेत्र प्लॉट नं.1 डी, खसरा नं. 13 क्षेत्रफल 1394.33 वर्ग गज और विक्रय विलेख दिनांक 07.02.2024 जिसका क्रमांक 2146 हैं जिसका क्षेत्र प्लॉट नं. 1 ए, खसरा नं. 13 क्षेत्रफल 1394.33 वर्ग गज दोनों विक्रय विलेख में जो की श्री वीरेंद्र द्वारा श्री वंश गोयल के पक्ष में निष्पादित किया गया। विक्रय विलेख दिनांक 07.02.2024 जिसका क्रमांक 2148 हैं जिसका क्षेत्र प्लॉट नं.1 सी, खसरा नं. 13 क्षेत्रफल 1394.33 वर्ग गज और विक्रय विलेख दिनांक 07.02.2024 जिसका क्रमांक 2149 जिसका क्षेत्र प्लॉट नं.1 बी, खसरा नं. 13 क्षेत्रफल 1394.33 वर्ग गज दोनों विक्रय विलेख जो की श्री वीरेंद्र द्वारा श्री विजय गोयल के पक्ष में निष्पादित किया गया। श्री विजय गोयल 354.3655 वर्ग गज, गांव पिलखुवा देहात (अचपालगढ़ी), परगना डासना, तहसील धौलाना, जिला में स्थित संपत्ति क्षेत्र के मालिक हैं। उन्होंने उपरोक्त भूमि 2 विक्रय विलेख के माध्यम से खरीदी हैं जो की विक्रय विलेख दिनांक 20.10.2015 जिसका क्रमांक 9302 जिसका क्षेत्र 177.185 वर्ग गज की श्री गजेन्द्र सिंह द्वारा निष्पादित किया गया है और विक्रय विलेख दिनांक 29.03.2016 जिसका क्रमांक 2499 जिसका क्षेत्र 177.185 वर्ग गज की श्रीमती अलका द्वारा निष्पादित किया गया है। श्री विजय गोयल और श्री वंश गोयल उक्त संपत्ति को हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड के पास गिरवी रखने की प्रक्रिया में हैं। इस लेनदेन के संबंध में कोई भी आपत्ति या चिंता इस सार्वजनिक सूचना की तारीख से 07 दिनों की अवधि के भीतर उठाई जानी चाहिए। इस 07 दिन की अवधि के पूरा होने के बाद प्रस्तुत की गई कोई भी आपत्ति उक्त संपत्ति या हमारे ग्राहक के हितों के संबंध में बाध्यकारी नहीं मानी जाएगी। यदि कोई आपत्ति उठाना चाहता है, तो कृपया निर्धारित 07 दिनों की अवधि के भीतर।

लॉ वेरिटासः उत्तर (अधिवक्ता और कानूनी सलाहकार) से
कार्यालय संख्या 11, पहली मंजिल, भवन संख्या ए-44/ए, सेक्टर- में संपर्क करके ऐसा करें। 16, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301;
लैंडलाइन- +910120-3101683,
ई-मेल: accounts@lvnorth.in

एमएसपी पर हो रही है बाजरे की खरीद से किसान खुश

एजेंसी

जींद। उचाना मंडी में बाजरा की सरकारी खरीद पर बाजरा के आते ही खरीद होने से किसानों के चेहरे खिले नजर आ रहे हैं। हैफेड द्वारा बाजरा की सरकारी खरीद की जा रही है। अब तक 2273 क्विंटल बाजरा की खरीद की जा चुकी है। 13 प्रतिशत तक नमी वाला बाजरा खरीदा जा रहा है। इस साल सरकार ने बाजरा का रेट 2625 रुपये तय किया है। बीते साल 2500 रुपये प्रति क्विंटल था। मार्केट कमेटी ऑक्शन रिकोर्डर संजय सैन ने बताया कि मंडी में जो भी बाजरा की ढेरी आती है, उस पर जा कर उसकी नमी की जांच कर उसको खरीदा जा रहा है। सरकारी मापदंड पर खरीद उतारने वाली बाजरा की ढेरी को एमएसपी भाव पर खरीदा जा रहा है। आढ़ती रामदत्त डाहोलाए रामनिवास ने कहा कि बाजरा का सरकारी भाव किसानों को मिल रहा है। बाजरा मंडी में आते ही बिकने से किसान खुश है। किसान प्रताप, राजा, सुनील ने कहा कि मंडी में आते ही बाजरा सरकारी भाव पर बिक रहा है। वहीं इन दिनों पीआर धान की आवक मंडी में हो रही है। हाइवे स्थित अतिरिक्त मंडी में पीआर धान की खरीद खाद्य आपूर्ति विभाग कर रहा है। मार्केट कमेटी में दर्ज आंकड़ों के अनुसार इस बार बीते साल की अपेक्षा पीआर धान की आवक मंडी में कम हुई है। अब तक 28581 क्विंटल पीआर धान की खरीद की गई है। बीते साल इन दिनों तक 120094 क्विंटल खरीद की गई थी। इस साल बीते साल की अपेक्षा 91513 क्विंटल पीआर धान कम आई है।

निगम ने मुनादी कराकर अतिक्रमण ना करने की दी हिदायत

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ के दिशा-निर्देश में नगर निगम गुरुग्राम द्वारा शहर के सबसे प्राचीन व व्यस्त सदर बाजार को अतिक्रमण मुक्त स्वच्छ बाजार बनाने की दिशा में जमीनी स्तर पर लगातार कार्य किया जा रहा है। इसके तहत एक ओर जहां लगातार बाजार में मुनादी की जा रही है। अतिक्रमण हटाने के लिए लगातार ड्राइव भी चलाई जा रही हैं। जोन-2 क्षेत्र के अतिरिक्त आयुक्त एवं चीफ टाऊन प्लानर सतीश पराशर ने बताया कि अतिक्रमण के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाते हुए निगम टीम अतिक्रमण करने वालों को मुनादी के माध्यम से हिदायतें दे रही है। मुनादी के माध्यम से बाजार के सभी दुकानदारों व व्यापारियों से कहा जा रहा है कि वे अपनी दुकानों के सामने सडक़ पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण ना करें। यदि अतिक्रमण पाया जाता है, तो निगम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए सामान को जब्त कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सदर बाजार में प्रतिदिन खरीदारों की भीड़ रहती है। विशेषकर त्यौहारी सीजन में यह भीड़ कई गुणा बढ़ जाती है। नगर निगम गुरुग्राम बाजार में आने वाले ग्राहकों को एक अच्छा, स्वच्छ, अतिक्रमण मुक्त व सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सदर बाजार के मौजिज व्यापारी भी बाजार को अतिक्रमण मुक्त बनाना चाहते हैं, ताकि बाजार में अधिक से अधिक खरीदार पहुंचे। व्यापारियों को इसका लाभ मिले।

श्री श्याम सेवा ट्रस्ट ने करवाई जरुरतमंद कन्या की शादी

सिरसा। श्री श्याम बगीची धाम में श्री श्याम सेवा ट्रस्ट धार्मिक आयोजन के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी बढ़ चढ़ कर भाग ले रहा है। इसी कड़ी में एक जरुरतमंद कन्या की शादी का आयोजन किया गया। जिसमें श्याम बगीची के सेवादारों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। ट्रस्ट द्वारा यह पांचवी कन्या की शादी करवाई गई। श्री श्याम बगीची धाम के मुख्य सेवादार पवन गर्ग ने बताया कि श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से संजय कॉलोनी निवासी एक जरुरतमंद कन्या की शादी श्री श्याम बगीची में संपन्न करवाई गई। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट के द्वारा जरुरतमंद कन्या की यह पांचवी शादी करवाई गई है। लडक़ी के पिता नहीं है जिसकी रस्म सभी श्याम बगीची के सेवादारों ने निभाई। उन्होंने बताया कि कन्या की शादी हिंदू रीति रिवाज के अनुसार पूरे विधि-विधान से मंदिर के पुजारी राकेश शास्त्री द्वारा संपन्न करवाई गई। श्री श्याम बगीची के सेवादारों ने कन्या को आशीर्वाद दिया। उसके बाद सभी को जलपान व भोजन करवाया गया। ट्रस्ट के सदस्यों व बगीची के सेवादारों ने श्याम लाडली को स्त्रीधन देकर विदा किया गया। पवन गर्ग ने बताया कि बगीची परिसर में 18 अक्तूबर को भी एक जरुरतमंद कन्या की शादी करवाई जाएगी।

डबवाली पुलिस के महिला सहित 3 सहायक सब इंस्पेक्टर बने सब इंस्पेक्टर

डबवाली। सहायक सब इंस्पेक्टर से सब इंस्पेक्टर पर पदोन्नति होने पर डबवाली पुलिस अधीक्षक दीप्ति गर्ग, आईपीएस ने थाना शहर डबवाली में तैनात महिला सब इंस्पेक्टर सुशीला, स्पेशल स्टाफ डबवाली के सब इंस्पेक्टर सुबे सिंह व प्रभारी ANC सब इंस्पेक्टर सुरेश कुमार के कंधों पर स्टार लगाकर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। डबवाली के 1 महिला व 2 पुरुषों की पदोन्नति होने पर पुलिस अधीक्षक दीप्ति गर्ग, आईपीएस ने सहायक सब इंस्पेक्टर से सब इंस्पेक्टर पर पदोन्नति होने पर उज्जवल भविष्य शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर सुरक्षा प्रभारी उपनिरीक्षक सुभाष चंद्र, हेड क्लर्क प्रगट सिंह,सेना लिपिक मुख्य सिपाही रमेश कुमार मौजूद रहे। आपको बता दें कि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हिसार के आदेश के तहत 1 महिला व 2 पुरुष सहायक सब इंस्पेक्टर के पद से सब इंस्पेक्टर के पद पर पदोन्नति के आदेश जारी हुए थे।

मोदी ने दिया किसानों और कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा : धनखड़

गेहूं का 2425 और सरसों का भाव 5950 रुपये प्रति क्विंटल

एजेंसी

झज्जर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने केंद्र सरकार द्वारा अपने कार्यरत व सेवानिवृत्त कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी करने और किसानों को भी दिवाली का तोहफा देने की प्रशंसा की है।

उन्होंने कहा कि रबी की फसलों की एसएसपी में बड़ी बढ़ोतरी की है , वहीं सेवारत और सेवानिवृत कर्मचारियों के डीए में तीन प्रतिशत का इजाफा किया है।

धनखड़ ने किसानों को बड़ी राहत देने के लिए पीएम मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान का धन्यवाद किया है।उन्होंने कहा कि रबी के सीजन की बिजाई शुरू होने से पहले ही भाव तय होने से किसान

अपना निर्णय ले सकते हैं कि कौनसी फसल की बिजाई सही रहेगी और ज्यादा लाभ देगी।सरसों के लिए 300 रुपये और गेहूं के भाव 150 प्रति क्विंटल बढ़ाएं गए हैं। सरसों का एमएसपी 5,950 रुपये और गेहूं का 2425 रुपए क्विंटल हो गया है।मसूर दाल के लिए 275 , चना, कुसुम और जौ के लिए क्रमशः 210 रुपये प्रति क्विंटल, 140 रुपये प्रति क्विंटल और 130 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। उन्होंने बताया कि विपणन सत्र 2025-26 के लिए अनिवार्य रबी फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 की घोषणा के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर तय करने की घोषणा की गई है।भाजपा नेता धनखड़ ने प्रदेश के कार्यवाह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को भाजपा विधायक दल का नेता बनाए जाने पर समस्त भाजपा परिवार एवं देवतुल्य जनता की तरफ से उनको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

धनखड़ ने बधाई देते हुए कहा कि नायब सिंह सैनी जी हर हरियाणावासी की उम्मीदों और आकांक्षाओं पर खरा उतरेंगे और उनके कुशल नेतृत्व में प्रदेश प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगा।

जींद की मंडियों से 56 हजार मीट्रिक टन धान की खरीद

एजेंसी

जींद। जिला जींद की मंडियों व खरीद केंद्रों में खरीद एजेंसियों द्वारा 56 हजार 850 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। इसमें से फूड एंड सप्लाई ने 49 हजार 994 एमटी, हैफेड ने 5945 और एचडब्ल्यूसी ने 911 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। एजेंसियों द्वारा अबतक 5247 किसानों की धान की फसल को खरीदा गया है जानकारी देते हुए उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि जिले में खरीद केंद्रों पर धान की खरीद का कार्य शुरु कर दिया गया है। खरीद केंद्रों पर किसान अपनी फसलों को लेकर पहुंच रहे हैं। जिला जींद की सभी मंडियों व खरीद केंद्रों से सभी एजेंसियों के खरीद कार्य व उठान कार्य से संबंधित रिपोर्ट डीएफएससी द्वारा एकत्रित की जा रही है। जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक की रिपोर्ट के आधार पर जिला जींद की अलेवा, छातर, धमतान, धनौरी, गढी, जींद, जुलाना, खरल, काब्रछा, मंगलपुर, नगूरां, नरवाना, पिल्लूखेड़ा, सफीदों, दनौदा, उचाना मंडी में धान की फसल को एजेंसियों द्वारा खरीदा गया है। उन्होंने कहा कि कहीं पर भी किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं है। अगर कोई दिक्कत आती है, तो उसे तुरंत दुरुस्त किया जा रहा है। सभी मंडियों में बारदाना पर्याप्त मात्रा में पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 15 अक्टूबर 2024 तक जिला जींद की मंडियों व खरीद केन्द्रों से 56 हजार 850 मीट्रिक टन धान आवक हो चुकी है। इस आवक में से फूड सप्लाई विभाग ने 12 हजार 252 मीट्रिक टन, हैफेड ने 1217 मीट्रिक टन और एचडब्ल्यूसी ने 18 मीट्रिक टन धान उठान कार्य सहित कुल 13487 एमटी धान उठान कार्य पूरा कर लिया है। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों व एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि सभी अपनी-अपनी मंडियों में मौके पर जाकर प्रशासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं का मूल्यांकन करें।

सीजेएम ने आयोजित की जेल में लोक अदालत

एजेंसी

जींद। जिला कारागार में जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। प्राधिकरण सचिव मोनिका ने बताया कि जेल लोक अदालत महीने में दो बार लगाई जाती है। जिसमें छोटे-मोटे आपराधिक मामले लिये जाते हैं।

जेल लोक अदालत में ऐसे आठ मामले निपटान हेतु रखे गए जिसमें से तीन मामलों का मौके पर निपटारा किया गया। सीजेएम मोनिका ने स्थानीय जेल का औचक निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कैदियों से मुलाकात के दौरान जिन कैदियों की 15 दिनों के दौरान सजा हुई है उनकों अपील के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा हाई कोर्ट लीगल सर्विसेज अर्थोटी द्वारा मुफ्त वकील प्रदान किया जाता है कि जानकारी दी तथा कैदियों. हवालातियों को उनके केसों में आ रही मुश्किलों को सुना व समस्याओं के समाधान संबंधित जानकारी दी। सीजेएम ने जेल में बंद कैदियों से

अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को अपने केस की पैरवी करने के लिए वकील की जरूरत है तो वह मुफ्त कानूनी सेवाएं ले सकता है। इस सम्बन्ध में लिखित दरखास्त जेल प्रशासन के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जींद के कार्यालय में भेजनी होती है। महिला जेल बंदियों को समय. समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने की भी सलाह दी। उनके रहन- सहन, स्वास्थ्य जांच, कानूनी जागरूकता के विषय से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

त्यौहारी सीजन में जाम न लगने दें, दुकानदारों को पुलिस का संदेश

एजेंसी

सोनीपत। दुर्गा मंदिर कच्चे क्वार्टर क्षेत्र में एसीपी राहुल देव ने सभी थाना प्रभारियों के साथ दौरा किया और त्यौहारी सीजन के मद्देनजर दुकानदारों से जाम की स्थिति न बनने देने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि अतिक्रमण और भीड़भाड़ से लोगों को परेशानी होती है, इसलिए दुकानदार अपनी दुकानों के बाहर सामान फैलाकर सड़क पर रुकावट न पैदा करें।

इस मौके पर जिला व्यापार मंडल सोनीपत के अध्यक्ष संजय सिंगला भी मौजूद रहे। उन्होंने दुकानदारों से अनुरोध किया कि त्यौहारों का सीजन शुरू हो गया है, ऐसे में अपनी दुकानों के सामने कम से कम सामान रखें और सड़कों पर जाम न लगने दें। सिंगला ने कहा, जहां जाम होता है, वहां ग्राहक रुकने से कतराते हैं और पुलिस को जाम हटाने में समय लगता है, जिससे व्यापार प्रभावित होता है। उन्होंने कहा

कि दुकानदारों को अपनी दुकानों के सामने पर्याप्त स्थान छोड़ना चाहिए ताकि ग्राहक आसानी से अपने वाहनों को खड़ा कर सकें और बाजार में आराम से खरीदारी कर सकें। इससे न केवल ग्राहकों को सुविधा होगी, बल्कि दुकानदारों कात्योहारी सीजन भी अच्छा जाएगा। पुलिस और व्यापार मंडल दोनों ने मिलकर दुकानदारों से अपील की है कि वह ट्रैफिक व्यवस्था का ध्यान रखें ताकि सभी लोगों को त्यौहार के दौरान सहजता से खरीदारी का अच्छा अनुभव हो सके।

पार्टी जो जिम्मेदारी देगी वह होगी मंजूरी, अनिल विज बोले- गेट पर चपरासी लगाए तो भी मैं खुश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री पद पर अपना दावा करने वाले पूर्व मंत्री अनिल विज बैकफुट पर आ गए हैं। विज ने कहा कि पार्टी जो भी जिम्मदारी देगी, वह उन्हें मंजूर होगी। पार्टी अगर उन्हें गेट पर चपरासी भी लगाएगी तो भी वह खुश हैं। भाजपा ने उन्हें बहुत सम्मान दिया है। अपने पूर्व में दिए बयान पर विज ने कहा कि कुछ लोगों ने उनके बारे में यह बात फैलाई थी कि वह मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते हैं। जिसके जवाब में उन्होंने कहा था कि वह सात बार के विधायक हैं, पार्टी अगर उन्हें मुख्यमंत्री बनाती है तो कोई एतराज नहीं है। विज ने कहा है कि वह पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता हैं। पार्टी अगर उन्हें गेट पर चपरासी भी लगाएगी तो भी वह खुश हैं। भाजपा ने उन्हें बहुत सम्मान दिया है। विधायक दल की बैठक के बाद राज्यपाल से मुलाकात करने पहुंचे भाजपा शिष्टमंडल के साथ अनिल विज भी थे। मीडिया से बातचीत में विज ने कहा कि उन्हें पार्टी की तरफ से यह निर्देश जारी हुआ था कि वह नायब सैनी के नाम का अनुमोदन करेंगे। विधायक चाहते थे कि नायब सैनी मुख्यमंत्री बनें। उन्होंने हाईकमान के आदेशों का पालन करते हुए नायब सैनी के नाम का अनुमोदन किया। विज ने कहा कि वह जो भी हैं भाजपा की बदौलत हैं। पार्टी से उपर उनके लिए कुछ नहीं है। वह हमेशा ही पार्टी के प्रति निष्ठावान रहे हैं। पार्टी अगर चाहे तो उन्हें गेट पर चपरासी भी लगा सकती है। वह उस डयूटी को भी पूरी मेहनत व ईमानदारी के साथ निभाएंगे।

झज्जर जिला की मंडियों में अब तक 21 हजार मीट्रिक टन बाजरा की खरीद

एजेंसी

झज्जर। बहादुरगढ़ व आसौदा मंडियों को छोड़ जिला की लगभग सभी मंडियों में बाजरा की बंपर आवक हो रही है। सरकारी एजेंसियों द्वारा 21 हजार टन से अधिक बाजरा खरीदा जा चुका है। डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने जिला झज्जर के किसानों का आह्वान किया है कि वे अपनी बाजरा व धान फसलों को अच्छी तरह सुखाकर एवं साफ करके मंडियों में बिक्री के लिए लाएं। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंध करें तथा फसल अवशेषों को न जलाएं। डीसी शक्ति सिंह ने कहा कि फसल अवशेषों को जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। किसान फसलों का उचित प्रबंधन कर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। डीसी ने कहा है कि फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें। फसल अवशेषों को कृषि यंत्रों की सहायता से भूमि में मिलाकर भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाये या स्ट्रॉ बेलर मशीन से पराली की गांठ बनाकर सरकार द्वारा दिए जा रहे लाभ का फायदा उठाएं। फसल अवशेषों को जलाने से कई तरह से हानि होती है।

इससे भूमि की उपजाऊ शक्ति को भारी नुकसान होता है तथा पर्यावरण प्रदूषित होने से सांस लेने में कठिनाई होती है। डीसी ने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन योजना सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के तहत किसानों को कृषि यंत्र जैसे सुपर सीडर, जीरो टिलेज मशीन, स्ट्रॉ चॉपर, हैप्पी सीडर, रिवर्सिबल प्लो आदि अनुदान पर प्रदान किए जाते हैं, जिनकी मदद से किसान पराली को मिट्टी में मिलाकर भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ा सकते हैं या पराली की गांठ बनाकर अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं। डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने बताया कि हरियाणा वेयर हाउस कार्पोरेशन की ओर से झज्जर और हैफेड द्वारा बादली, बहादुरगढ़, बेरी, ढाकला, माजरा डी, मातनहेल, पाटोदा अनाज मंडियों में समर्थन मूल्य 2625 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बाजरा की खरीद जारी है। उपायुक्त ने बताया कि जिला में अब तक 7 हजार 230 किसानों से 21070 मीट्रिक टन बाजरा की खरीद भी की जा चुकी है। मंडियों में किसानों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। जहां राजस्व विभाग के पटवारी, कृषि विभाग का कर्मचारी, मार्केटिंग बोर्ड का कर्मचारी तथा उनके सहयोगी बैठकर किसानों की शिकायतों का निवारण कर रहे हैं। हरियाणा वेयरहाउस कारपोरेशन की ओर से झज्जर मंडी में 7877, हैफेड द्वारा बादली मंडी में 276, बहादुरगढ़ में 105, बेरी मंडी में 805 मीट्रिक टन, ढाकला मंडी में 3163, मातनहेल में 8845 मीट्रिक टन बाजरा खरीदा जा चुका है, जबकि 25 हजार 598 मीट्रिक टन बाजरा की आवक हो चुकी है।

हरियाणा के तीन निर्दलीय विधायकों ने भाजपा को दिया समर्थन

अमित शाह की मौजूदगी में राज्यपाल को सौंपा समर्थन पत्र

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के तीन निर्दलीय विधायकों ने औपचारिक रूप से भाजपा को समर्थन दे दिया। निर्दलीय विधायकों ने गृहमंत्री अमित शाह तथा भाजपा विधायक दल के नेता नायब सैनी की मौजूदगी में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को समर्थन पत्र सौंपा। तीनों विधायक भाजपा को समर्थन देने का पहले ही ऐलान कर चुके हैं। अब आधिकारिक रूप से विधानसभा में भाजपा समर्थित विधायकों की संख्या 51 हो गई है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में हिसार से सावित्री जिंदल, बहादुरगढ़ से राजेश जून और गन्नौर से देवेंद्र कादियान निर्दलीय चुनाव जीते हैं। चुनाव परिणाम आने के बाद तीनों विधायकों ने दिल्ली पहुंचकर भाजपा को समर्थन देने का ऐलान किया था। अब चंडीगढ़ में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को समर्थन पत्र सौंप दिया है। इस मौके पर विधायक सावित्री

जिंदल ने कहा कि उन्होंने हिसार के विकास के लिए भाजपा को समर्थन दिया है। सावित्री जिंदल ने कहा कि मैं हिसार से निर्दलीय विधायक के तौर पर चुनी गई हूं और मैं हरियाणा सरकार का समर्थन कर रही हूं, क्योंकि मैं हरियाणा और हिसार का विकास चाहती हूं। नायब सैनी को बधाई देती हूं। मुझे पता है कि नायब सैनी हरियाणा का विकास करेंगे। निर्दलीय विधायक राजेश जून ने कहा कि भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर उन्हें समर्थन दिया है। जून ने कहा कि भाजपा की नीतियां आम जनमानस तक पहुंचती हैं, इससे प्रभावित होते हुए और अपने विकास के लिए मैं अपना समर्थन भाजपा सरकार को देता हूं। एक अन्य निर्दलीय देवेंद्र कादियान ने कहा कि मैं काफी लंबे समय से भाजपा में हूं। टिकट कटने से पहले भी मैं भाजपा में ही था। हमेशा से ही मेरी विचारधारा पार्टी के साथ ही रही है।

विधायक सवित्री जिंदल के प्रतिनिधिमंडल ने मंडल आयुक्त से की मुलाकात

एजेंसी

हसार। विधायक सावित्री जिंदल के एक प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. शमीम शर्मा के नेतृत्व में नगर निगम की कमिश्नर डॉ. वैशाली शर्मा से मुलाकात की। इस बैठक में उन्होंने शहर की विभिन्न समस्याओं, खासकर शौचालयों की देखभाल, बंद पड़ी लाईटें और जल निकासी की समस्याओं पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने हुई इस मुलाकात के दौरान कमिश्नर से आग्रह किया कि ओपी जिंदल मार्ग और हिसार शहर में स्वच्छता, लाइटें और जल निकासी की समस्याओं को तत्काल प्रभाव से हल किया जाए। उन्होंने कहा कि शौचालयों में पानी की कमी और बदहाली के कारण नागरिकों, विशेषतः महिलाओं को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

प्रतिनिधिमंडल ने शहर के विकास के लिए उचित कदम उठाने का आग्रह किया ताकि नागरिकों को उत्तम सेवाएं मिल सकें। उन्होंने उम्मीद जताई कि नगर निगम इन समस्याओं का समाधान जल्द ही करेगा। निगम की आयुक्त वैशाली शर्मा ने पूर्ण आश्वासन दिया कि जल्द ही शहर की स्थिति में बदलाव अनुभव होगा। इस अवसर पर अनिल टीनू जैन पूर्व पार्षद, सुशील शर्मा पूर्व पार्षद प्रतिनिधि, राजकुमार पूर्व पार्षद प्रतिनिधि, राकेश अग्रवाल, रवि मेहता, प्रवीण जैन, विक्रांत धमीजा, दिनेश जैन, अंजनि कंसल, स्नेहलता निंबल, रीना सातरोडिया, सुनील बिश्नोई, राकेश आर्य, संदीप स्वामी, संतोष सातरोड़ मौजूद रहे।

नियम तोड़े तो बल्क वेस्ट जनरेटर्स पर होगी सख्त कार्रवाई

मानेसर नगर निगम की ओर से बीडब्ल्यूजी संस्थानों के लिए आयोजित की गई कार्यशाला

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम मानेसर की ओर से बल्क वेस्ट जनरेटर्स (बीडब्ल्यूजी) के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान बीडब्ल्यूजी संस्थानों के प्रतिनिधियों को ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी गई। साथ ही कूड़ा का नियमानुसार निपटान न करने पर सख्ती कार्रवाई करने की बात कही।

आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त जितेंद्र कुमार ने की। नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन विशेषज्ञ जेनिथ चौधरी ने सभी बीडब्ल्यूजी संस्थानों के प्रतिनिधियों को ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 के बारे में विस्तार से बताया। अतिरिक्त आयुक्त ने बीडब्ल्यूजी

संस्थानों के प्रतिनिधियों से कहा कि सभी को अपने कूड़े का निपटान अपने स्तर पर करना चाहिए। नगर निगम ने बीडब्ल्यूजी के कार्य के लिए एजेंसी इंपेनल की हुई है। ऐसे संस्थान जो रोजाना 50 किलोग्राम से ज्यादा कूड़ा निकालते हैं, इन एजेंसियों का सहयोग ले सकते है। जेनिथ चौधरी ने बताया कि गीले और सूखे कूड़े को घर पर ही अलग-अलग करने को अपनी आदत में शुमार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रकार के कूड़े जैसे हार्टिकल्चर वेस्ट, रसोई का कूड़ा, बायोमेडिकल वेस्ट, विषैले रसायन और कांच, प्लास्टिक आदि के निपटान के लिए अलग अलग तरीके होते हैं। इसलिए सभी प्रकार के कूड़े को एक साथ मिलाकर नहीं डालना चाहिए। रसोई और हार्टिकल्चर वेस्ट को हम खाद बनाकर पुन- उपयोग में ला सकते हैं। बायोमेडिकल वेस्ट का इस प्रकार से निष्पादन करना चाहिए कि यह किसी अन्य को हानि न पहुंचा पाए।

अब ग्लोबल इंडिया में बदल रहा है ग्रामीण इंडिया: डा. चंद्रशेखर सेम्मासानी

एजेंसी

गुरुग्राम। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डा. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि ग्रामीण इंडिया अब धीरे-धीरे ग्लोबल इंडिया में तब्दील हो रहा है। गुरुग्राम की धरती पर आयोजित सरस मेले में भाग ले रही महिलाओं में गरीबी से बाहर आने की इच्छा शक्ति और उनकी सृजनात्मक ताकत स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही है। यह बात उन्होंने यहां सेक्टर-29 स्थित लेजरवैली मैदान में सरस मेले के शुभारंभ अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक उन्नति में स्वयं सहायता समूह का सफलतापूर्वक संचालन कर रही लखपति दीदियों का अथक योगदान होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखपति दीदी की जो नई योजना देश को दी है, वह महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया ठोस कदम है। यह मेला प्रधानमंत्री के सपने को साकार करता हुआ प्रतीत हो रहा है, जो उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए देखा है। डा. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि हमारे देश की महिलाएं आत्मनिर्भर होंगी तो हमारे गांव भी आर्थिक व सामाजिक दृष्टिकोण से उन्नत होंगे। उन्होंने कहा कि इस मेले में स्वयं सहायता समूह के उत्पादों को एमेजोन, फ्लिपकार्ट जैसे डिजीटल प्लेटफार्म प्रदान करने, मार्केटिंग, डिजाइनिंग, पैकेजिंग, क्वालिटी इंप्रूव करने के लिए विशेषज्ञ बुलाए गए हैं। जिसके लिए नॉलेज व लर्निंग के दो स्पेशल एन्क्लेव बनाए गए हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव शैलेश कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में आज 90 लाख स्वयं सहायता समूह हैं। इनसे दस करोड़ से अधिक महिलाएं जुड़ी हुई हैं। सरस मेले में भारत की कला और संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। उन्होंने आयोजन में सहयोग देने के लिए गुरुग्राम जिला प्रशासन, उपायुक्त निशांत कुमार यादव व पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्रालय के अपर सचिव चरणजीत सिंह, संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा, स्मृति शरण, सिक्किम से आई लखपति दीदी सीता प्रधान व कश्मीर की अफसाना आयत ने भी अपने विचार रखे। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डा. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने सरस मेले की स्टालों का अवलोकन किया। उन्होंने यहां खरीदारी की और फूड कोर्ट में विभिन्न राज्यों के व्यंजनों का स्वाद चखा।

पीयूष गोयल ने निर्माताओं से निर्यात के लिए गुणवत्ता पर ध्यान देने का किया आग्रह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उद्योग जगत से कहा कि वह वैश्विक बाजारों का दोहन करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद को बनाने पर ध्यान केंद्रित करें, क्योंकि निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता सरकारी सब्सिडी या समर्थन से पूरी नहीं आएगी। वाणिज्य मंत्री ने यहां आयोजित प्रथम भारतीय गुणवत्ता प्रबंधन फाउंडेशन (आईएफक्यूएम) के समापन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने उद्योग जगत के दिग्गज रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि रतन टाटा ने बहुत कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़कर नेतृत्व किया, और वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय समूह बनाया। उन्होंने समूह की उपलब्धियों के साथ भारत को गौरवान्वित किया।गोयल ने उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्माण की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि इस दृष्टिकोण के बिना भारत को वास्तव में प्रतिस्पर्धी बनाना बहुत मुश्किल होगा। उन्होंने उद्योग जगत को संबोधित करते हुए भारत में गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए मोदी सरकार के प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग जगत को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के विनिर्माण के लिए प्रेरित करने का प्रयास कर रही है लेकिन उद्योग जगत को यह स्वीकार कराना एक 'कठिन' काम है कि उन्हें गुणवत्ता वाला सामान बनाना चाहिए।

कमजोरी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों और मुनाफा वसूली के दबाव के कारण घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार में कुछ देर के लिए तेजी भी आई लेकिन बाद में बिकवाली का दबाव बढ़ जाने की वजह से शेयर बाजार के दोनों सूचकांक लाल निशान में गिर गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत और निफ्टी 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, आईटी और सर्विस सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके साथ ही फार्मास्यूटिकल, एफएमसीजी, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, मेटल, पीएसई और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ऑयल एंड गैस, रियल्टी और टेलीकॉम सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 80 हजार करोड़ रुपये की कमी हो गई।

येस बैंक ने नीरव दलाल को नियुक्त किया भारत में वित्तीय बाजार का प्रभारी

मुंबई। येस बैंक ने नीरव दलाल को वित्तीय बाजार का कंट्री हेड नियुक्त करने की घोषणा की। बैंक की एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री दलाल बैंक के वित्तीय बाजार व्यवसाय का नेतृत्व करेंगे जिसमें सरकारी प्रतिभूतियों के कारोबार के क्षेत्र में मालिकाना और ग्राहकों से जुड़े परिचालन - दोनों तरह के काम शामिल होंगे। वह बैंक के थोक बैंकिंग कारोबार के प्रभारी श्री मनीष जैन से जुड़े होंगे।बयान में कहा गया है कि श्री दलाल बैंकिंग क्षेत्र के अनुभवी-पेशेवर हैं। उन्हें वित्तीय बाजारों और ट्रेजरी कारोबार का 27 वर्षों से अधिक का अनुभव है। वह ईवाई में भी काम कर चुके हैं। इससे पहले भी वह येस बैंक में लम्बे समय तक थे।श्री दलाल की नियुक्ति पर श्री जैन ने कहा,हमें श्री नीरव दलाल का येस बैंक परिवार में पुनः स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। वित्तीय बाजारों के बारे में उनका व्यापक अनुभव और गहरी समझ हमारी एक अमूल्य निधि होगी, क्योंकि हम अपने ट्रेजरी परिचालन को मजबूत करने में लगे हैं।

अगले 12 महीनों में निफ्टी के 27,867 के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद: पीएल कैपिटल

मुंबई। वित्तीय सेवा संगठन पीएल कैपिटल-प्रभुदास लीलाधर ने आज कहा कि अगले बारह महीने में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के संवेदी सूचकांक निफ्टी के 27867 अंक पर पहुंचने की उम्मीद है। पीएल कैपिटल-प्रभुदास लीलाधर की 'इंडिया स्ट्रैटेजी रिपोर्ट - भूराजनीतिक अनिश्चितता के बीच त्यौहारी आशावाद' शीर्षक से जारी रिपोर्ट के मुताबिक निफ्टी फिलहाल एक साल फॉरवर्ड प्रति शेयर आय (ईपीएस) 19.4 गुना पर कारोबार कर रहा है, जो इसके 15 साल के औसत मूल्य आय अनुपात (पीई) 19.1 गुना पर 1.6 प्रतिशत प्रीमियम का प्रतिनिधित्व करता है। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2026 ईपीएस अनुमान 1459 का उपयोग करते हुए, (जिसकी वजह से 12 महीने का लक्ष्य 27,867 (पहले 26,820) हो गया है) बेस केस में पीएल कैपिटल ने अपने 15 साल के औसत पीई 19.1 गुना पर निफ्टी का मूल्यांकन किया है। तेजी की स्थिति में पीएल कैपिटल 15 साल के औसत पीई पर पांच प्रतिशत प्रीमियम देखता है, जिससे निफ्टी का वैल्यू 20 गुना हो जाता है और लक्ष्य 29,260 (पहले 28,564) के स्तर पर चला जाता है। मंदी वाली स्थिति में निफ्टी 25,080 (पहले 24,407) के लक्ष्य के साथ अपने दीर्घकालिक औसत से 10 प्रतिशत डिस्काउंट पर कारोबार कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कैपिटल गुड्स, बुनियादी ढांचा, बंदरगाह, ईएमएस, अस्पताल, पर्यटन, नई ऊर्जा, ई-कॉमर्स और टेलीकॉम उभरते हुए क्षेत्र हैं जिन पर नजर रखनी चाहिए, बशर्ते वे सही मूल्यांकन पर उपलब्ध हों।

दिवाली की तैयारियों में जुटे व्यापारी, ऑनलाइन खरीद के विरोध में कैट चलाएगा अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। दीपावली देश का सबसे बड़ा त्योहार है। व्यापारी वर्ग के लिए इसका बहुत बड़ा महत्व है। राजधानी दिल्ली सहित देशभर के बाजारों में दीपावली एवं उससे जुड़े त्योहारों को लेकर व्यापक तैयारियों शुरू हो चुकी हैं, ताकि व्यापारी ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर सकें और उनके व्यापार में अपेक्षित वृद्धि भी हो। दूसरी ओर ऑनलाइन के बजाय बाजारों से खरीदारी करने के लिए भी ग्राहकों के लिए अनेक कदम उठाए जा रहे हैं।

इस वर्ष त्योहारी सीजन में व्यापारियों को 4.25 लाख करोड़ रुपये के कारोबार होने की उम्मीद है।

चांदनी चौक से सांसद तथा कन्फेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने जारी बयान में बताया कि दिल्ली और देशभर के बाजारों में दिवाली और अन्य त्योहारों की श्रृंखला को देखते हुए बड़े जोर-शोर से तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स की चुनौतियों से मजबूती से निपटने के लिए देशभर में व्यापारी अनेक प्रकार के व्यापारिक कदम उठाने की तैयारियां भी कर चुके हैं।

खंडेलवाल ने बताया कि इस संबंध में कैट एक विशेष राष्ट्रीय अभियान शुरू कर रहा है, जिसके जरिए ग्राहकों से अपील की जाएगी कि वो ऑनलाइन खरीदारी के बजाय बाजारों में आकर ख़रीदी करें। उन्होंने कहा कि इस अपील के लिए बड़े पैमाने पर होर्डिंग देशभर के बाजारों में लगाये जाएंगे। वहीं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए भी करोड़ों लोगों को यह संदेश पहुचाया जाएगा।

बाजारों की सजावट का रखा जा रहा खास ख्याल

कैट महामंत्री खंडेलवाल ने बताया कि दिल्ली सहित देश के सभी महानगरों, टियर 2 तथा टियर 3 शहरों सहित क़स्बों एवं गांवों के बाजारों में दुकानों को दिवाली की थीम के अनुसार सजाया जाएगा। इसके साथ ही रंग-बिरंगी लाइट्स, रंगोली और अन्य सजावट का खास ख्याल रखा जा रहा है, ताकि ग्राहकों को त्योहार का माहौल मिले और अधिक से अधिक लोग बाज़ारों की तरफ़ आकर्षित हो सकें।

मांग में वृद्धि के मद्देनजर स्टॉक बढ़ाने पर जोर

खंडेलवाल ने बताया कि त्योहार के दौरान मांग में भारी वृद्धि को ध्यान में रखते हुए व्यापारियों ने पहले से ही विभिन्न वस्तुओं के अपने स्टॉक को बढ़ाना शुरू कर दिया है। इसमें खासकर गिफ्ट आइटम्स, कपड़े, ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, फर्निशिंग, सजावट सामग्री, पूजा सामग्री, रंगोली, देवी-देवताओं की फोटो एवं मूर्तियां, रेडिमेड गारमेंट्स, खिलौने, खाद्य वस्तुएं, कॉस्मेटिक्स, बिजली का सामान, कंज्यूमर डयूरेबल्स आदि मुख्य शामिल हैं।

छूट और प्रमोशनल ऑफर देने पर भी विचार

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने बताया कि ग्राहक को आकर्षित करने के लिए विभिन्न प्रकार की छूट और प्रमोशनल ऑफर देने पर भी विचार हो रहा है। दुकानदार कस्टमर को लुभाने के लिए 'बाय वन-गेट वन' या दिवाली डिस्काउंट्स जैसी योजनाएं चला सकते हैं।

चूंकि दिवाली के समय बाजारों में भारी भीड़ होती है। इसलिए पुलिस और स्थानीय प्रशासन द्वारा सुरक्षा और ट्रैफिक नियंत्रण के लिए विशेष इंतजाम करने का आग्रह किया जा रहा हैं। दूसरी ओर ट्रेड एसोसिएशन भी अपने स्तर पर अतिरिक्त प्राइवेट सुरक्षा गार्ड रखने की योजना बना रहे हैं।

सईसीएल 4 अमृत फार्मेसी खोलने वाली पहली कोयला कंपनी बनी

एजेंसी

नई दिल्ली। कोल इंडिया की छत्तीसगढ़ स्थित सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) चार अमृत फार्मेसी खोलने वाली पहली कोयला कंपनी बन गई है। देश की 216वीं अमृत फार्मेसी का उद्घाटन एसईसीएल के अध्यक्ष-सह- प्रबंध निदेशक (सीएमडी) डॉ. प्रेम सागर मिश्रा ने किया। कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कोल इंडिया की छत्तीसगढ़ स्थित सहायक कंपनी एसईसीएल ने देश की 216वीं अमृत फार्मेसी (उपचार के लिए सस्ती दवाइयाँ और विश्वसनीय प्रत्यारोपण) का उद्घाटन किया।

डॉ. प्रेम सागर मिश्रा ने समावेशी विकास के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अपनी चौथी अमृत फार्मेसी के साथ हमें न केवल अपने कर्मचारियों के लिए बल्कि बड़े समुदाय के लिए, विशेष रूप से कोयला बेल्ट के आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच बढ़ाने पर गर्व है। उन्?होंने कहा कि यह पहल समावेशिता को बढ़ावा देने के साथ भी जुड़ी हुई है जो इस वर्ष के विशेष अभियान 4.0 के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में से एक है। ये फार्मेसी बिलासपुर में एसईसीएल की इंदिरा विहार कॉलोनी स्थित स्वास्थ्य केंद्र में खोली गई है। यह नई सुविधाओं से लैस है, जो एसईसीएल को चार अमृत फार्मेसियों का संचालन करने वाली पहली कोयला कंपनी बनाती है। इसके अलावा ये फार्मेसी कोरबा जिले के गेवरा, शहडोल जिले के सोहागपुर (एमपी) और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के चिरमिरी के परिचालन क्षेत्रों में केंद्रीय अस्पतालों में स्थित है। इसमें कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों जैसी सामान्य और गंभीर स्थितियों के लिए दवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला एक ही छत के नीचे उपलब्ध है।

नीति आयोग का दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मेथनॉल सेमिनार और एक्सपो आज से

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मेथनॉल सेमिनार और एक्सपो का शुभारंभ 18 अक्टूबर से होगा। इस आयोजन का मकसद टिकाऊ ऊर्जा भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना है। नीति आयोग ने एक बयान में बताया कि नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में दो दिवसीय द्वितीय अंतरराष्ट्रीय मेथनॉल सेमिनार और एक्सपो 18-19 अक्टूबर को होगा। नीति आयोग का मेथनॉल अर्थव्यवस्था कार्यक्रम में यह दूसरा प्रमुख सेमिनार है। भारत में मेथनॉल अर्थव्यवस्था की शुरुआत सितंबर 2016 में हुई थी, नीति आयोग ने मेथनॉल इंस्टीट्यूट, यूएसए के सहयोग से पहला सेमिनार आयोजित किया था। आयोग 8 वर्षों के बाद फिर दुनिया में मेथनॉल उत्पादन, अनुप्रयोग और संबद्ध तकनीकी विकास से संबंधित परियोजनाओं, उत्पादों और अनुसंधान एवं विकास पहलों की प्रगति को उजागर करने के

लिए इस संगोष्ठी और एक्सपो का आयोजन कर रहा है। एक्सपो में उत्पादों और प्रौद्योगिकियों की पूरी श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी। इसके अलावा मेथनॉल के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी कि किस तरह से परिवहन, शिपिंग, बिजली उत्पादन और अन्य उद्योगों में क्रांति लाने के लिए तैयार है। बयान के मुताबिक एक्सपो में उत्पादों और प्रौद्योगिकियों की पूरी श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी। इनमें मुख्य रूप से किर्लोस्कर, अशोक लीलैंड, वोल्वो पेंटा, एफसीटेकएनर्जी, वेसमैन थर्मल प्रोसेस, मेटफ्यूल, थर्मैक्स, बीएचईएल, एनटीपीसी जैसे प्रमुख भारतीय उद्योगों और एनएमआरएल जैसी रक्षा प्रयोगशालाओं को शामिल किया गया है, जिन्होंने 100 फीसदी मेथनॉल बसें, ट्रक, एलसीवी, जेनसेट, ईंधन सेल और सुधार आधारित ऊर्जा अनुप्रयोग, बॉयलर, गैस टर्बाइन और अन्य अत्याधुनिक अनुप्रयोग विकसित किए हैं।

देश का निर्यात सितंबर में मामूली बढ़त के साथ 34.58 अरब डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के वस्तु निर्यात में दो माह की गिरावट के बाद सितंबर में मामूली बढ़त दर्ज की गई है। सितंबर में निर्यात 0.5 फीसदी उछलकर 34.58 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। व्यापार घाटा कम होकर 20.78 अरब डॉलर रह गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि देश का वस्तु निर्यात सितंबर में मामूली बढ़कर 34.58 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 34.41 अरब डॉलर रहा था। मंत्रालय के मुताबिक सितंबर में आयात 1.6 फीसदी बढ़कर 55.36 अरब डॉलर हो गया, जो सितंबर, 2023 में 54.49 अरब डॉलर था। सितंबर में व्यापार घाटा (आयात तथा निर्यात के बीच का अंतर) 20.78 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के मुताबिक सितंबर के लिए भारत का कुल निर्यात (वस्तुएं और सेवाएं संयुक्त) 65.19 अरब डॉलर होने का अनुमान है, जो सितंबर 2023 की तुलना में 3.76 फीसदी की सकारात्मक वृद्धि को दर्शाता है। सितंबर माह के लिए कुल आयात (वस्तुएं और सेवाएं संयुक्त) 71.68 अरब डॉलर होन का अनुमान है, जो सितंबर 2023 की तुलना में 3.79 फीसदी की सकारात्मक वृद्धि है। देश के वस्तु निर्यात में अगस्त माह में सालाना आधार पर 9.3 फीसदी की गिरावट आई थी। हालांकि, चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में निर्यात एक फीसदी बढ़कर 213.22 अरब डॉलर रहा है, जबकि आयात 6.16 फीसदी बढ़कर 350.66 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।

गैर बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात मूल्य की बाध्यता हटाने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन (आईआरईएफ) ने केंद्र सरकार से गैर बासमती चावल के निर्यात से न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) की बाध्यता को हटाने की मांग की है। फिलहाल गैर बासमती चावल के लिए मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस 490 डॉलर प्रति टन है। चावल के निर्यातकों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल की कीमत भारत सरकार की तय न्यूनतम कीमत से भी कम हो गई हैं, जिसके कारण भारतीय कारोबारियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आईआरईएफ का कहना है कि फिलहाल देश में ओपन मार्केट सेल स्कीम (ओएमएसएस) के तहत 235 लाख टन चावल का स्टॉक मौजूद है। इस सीजन में 275 लाख टन अतिरिक्त चावल बाजार में आ

जाएगा। इस तरह देश में चावल का विशाल भंडार इकट्ठा हो जाएगा। ऐसे में अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल का निर्यात नहीं किया गया तो इससे किसानों और कारोबारियों को नुकसान होने के साथ ही देश की आवश्यकता से अधिक बचे हुए चावल के भंडारण और रखरखाव पर भी सरकार को अतिरिक्त खर्च करना पड़ेगा। इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल के दाम में लगातार गिरावट आई है। ऐसी स्थिति में भारतीय कारोबारी तभी निर्यात के मोर्चे पर सफलता हासिल कर सकते हैं, जब वे प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य पर चावल को निर्यात के लिए पेश करें। ऐसा तभी हो सकता है, जब सरकार न्यूनतम निर्यात मूल्य की बाध्यता को समाप्त कर दे, क्योंकि इस बाध्यता की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में अब भारतीय चावल की मांग कम होती जा रही है। चावल की खरीद करने वाले ज्यादातर देश भारत का गैर बासमती चावल खरीदने की जगह कम कीमत में मिल रहे दूसरे देशों के चावल खरीद रहे हैं। अगर ये स्थिति जारी रही तो भारतीय कारोबारियों का स्टॉक फंस सकता है, जिससे चावल निर्यात से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स को नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए पर अगले दौर की बातचीत नवंबर में संभव

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए अगले दौर की बातचीत नवंबर में होने की उम्मीद है। दोनों देश में आम चुनाव के मद्देनजर 14वें दौर की वार्ता रुक गई थी। आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि ब्रिटेन में 30 अक्टूबर को बजट पेश होने के बाद उम्मीद ब्रिटेन अगले दौर की बातचीत के लिए आगे आएगा। भारत-ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते में 26 अध्याय शामिल है, जिनमें माल, सेवाएं, निवेश और बौद्धिक संपदा अधिकार प्रमुख हैं। दोनों देश के बीच प्रस्तावित एफटीए के लिए वार्ता की शुरुआत जनवरी, 2022 में हुई थी।

उल्लेखनीय है कि भारत और ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2022-23 में 20.36 अरब यूएस डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 21.34 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने दी मंजूरी

नयी दिल्ली। किसानों की आय में सुधार को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने विपणन सीजन 2025-26 के लिए रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है. प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने इस निर्णय को मंजूरी दी. एमएसपी बढ़ोतरी को मंजूरी मिलने से किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य भी मिलेगा और किसान रबी सीजन में महत्वपूर्ण फसलों की खेती करने को लेकर प्रोत्साहित होंगे. कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गेहूं, चना और सरसों समेत रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दी।

हुंडई के आईपीओ का फीका प्रदर्शन, 2 दिन में मिला 42 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर इंडिया के आईपीओ का फीका प्रदर्शन आज दूसरे दिन भी जारी रहा। शाम 5 बजे तक हुंडई के 27,870.16 करोड़ रुपये के आईपीओ को सिर्फ 42 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन ही मिल सका था। 15 अक्टूबर को ये आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था और कल यानी 17 अक्टूबर तक इसमें आवेदन किया जा सकता है।इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार आज शाम 5 बजे तक क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.58 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन को 0.38 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। हालांकि कर्मचारियों के लिए रिजर्व हिस्से में

स्थिति तुलनात्मक तौर पर बेहतर है। इस पोर्शन को 1.23 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। आईपीओ के तहत कंपनी ने ईश्यू का प्राइस बेड 1,865 से 1,960 रुपए तय किया है। 18 अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा इसके बाद 22 अक्टूबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर हुंडई मोटर इंडिया के शेयर लिस्ट होंगे।

हुंडई मोटर इंडिया आईपीओ खुलने के पहले एंकर इन्वेस्टर से 8315 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। इस आईपीओ के लिए सिटी ग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, एचएसबीसी सिक्योरिटीज एंड कैपिटल मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड और जेपी मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं, जबकि केफीन टेक्नोलॉजी इस लिमिटेड इश्यू का रजिस्टर है।

ग्रे मार्केट में भी हुंडई मोटर के आईपीओ को ठंडा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिलहाल हुंडई मोटर इंडिया के शेयर अपर प्राइस बैंड से 3.2 प्रतिशत ऊपर 63 रुपये के प्रीमियम के साथ 2,023 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। इस हिसाब से हुंडई के शेयरों की स्टॉक मार्केट में 2,020 से 2025 रुपये के स्तर के आसपास लिस्टिंग होने की उम्मीद की जा रही है।

सोने के भाव में रिकॉर्ड तेजी, कॉमेक्स पर 2,696 डॉलर के स्तर पर पहुंचा सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना पिछले तीन दिन से लगातार गिरावट का शिकार हो रहा है लेकिन मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज के कमोडिटी एक्सचेंज कॉमेक्स पर सोना रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा हुआ है। एमसीएक्स पर गोल्ड फ्यूचर 76,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह कॉमेक्स पर सोने की कीमत 2,696 डॉलर प्रति ऑन्स के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गई है। इसी तरह अमेरिका में स्पॉट गोल्ड (हाजिर सोना) की कीमत भी 2,679 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर पर पहुंच गई है। जानकारों का कहना है कि सोने की कीमत में आई इस तेजी के लिए मिडिल ईस्ट में जारी तनाव एक बड़ी वजह है। इसी तरह अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में आई कमजोरी से भी सोने की कीमत को सपोर्ट मिला है। अमेरिकी फेडरल

रिजर्व के नीतिगत ब्याज दरों में कटौती किए जाने की वजह से बॉन्ड यील्ड में कमजोरी बनी हुई है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में आगे भी कटौती करने का संकेत दिया है। इससे बॉन्ड यील्ड में कमजोरी और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। इस वजह से भी इंटरनेशनल गोल्ड मार्केट में तेजी का रुख बना हुआ है। इसके अलावा कई देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा की जा रही सोने की खरीदारी की वजह से भी सोने के भाव में तेजी आई हुई है। कमोडिटी मार्केट एक्सपर्ट राजीव स्वर्णकार का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार के साथ ही घरेलू सर्राफा बाजार में भी सोने की मांग में लगातार तेजी बनी हुई है।फेस्टिवल सीजन में सोने की मांग में 13 से 18 प्रतिशत तक का उछाल आ गया है। दिवाली तक सोने की मांग में ये तेजी जारी रहने का अनुमान जताया जा रहा है। दिवाली के बाद देश में वेडिंग सीजन शुरू हो जाएगा। उस दौरान भी सोने की मांग में लगातार तेजी बनी रहेगी। वैश्विक और घरेलू स्तर पर सोने की मांग में तेजी जारी रहने की संभावनाओं के कारण निवेशकों को उम्मीद है कि इस चमकीली धातु की कीमत अभी और बढ़ सकती है।

बीकाजी फूड्स ने हेजलनट फैक्टरी में 131 करोड़ रुपये में 53 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

एजेंसी

नई दिल्ली। एथनिक स्नैक्स निर्माता बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बीकाजी फूड्स रिटेल लिमिटेड (बीएफआरएल) के जरिए लखनऊ स्थित कैफे और कारीगर मिठाई श्रृंखला हेजलनट फैक्टरी फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में 131 करोड़ रुपये में 53.02 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है। बीकाजी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि बीएफआरएल के जरिए कंपनी कैफे और कारीगर मिठाई श्रृंखला हेजलनट फैक्टरी फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में 131 करोड़ रुपये में 53.02 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है। इस अधिग्रहण के जरिए बीकाजी का लक्ष्य अद्वितीय ग्राहक स्वाद और वरीयताओं को पूरा करने के लिए एक ब्रांड हाउस स्थापित करना है। इसके अलावा बीकाजी को क्विक सर्विस रेस्तरां (क्यूएसआर) डोमेन में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करना है। बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल के मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) दीपक अग्रवाल ने जारी एक बयान में कहा कि यह अधिग्रहण बीकाजी की पारंपरिक एथनिक स्नैक्स से आगे बढ़कर रिटेल क्यूएसआर, प्रीमियम आर्टिसनल स्वीट्स और बेकरी सेगमेंट में प्रवेश करने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक कदम न केवल उच्च-विकास वाले क्यूएसआर क्षेत्र में हमारे प्रवेश को चिह्नित करता है, बल्कि हाउस ऑफ ब्रांड्स बनाने के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप भी है। उन्होंने कहा कि बीकाजी भुजिया,

नमकीन, पैकेज्ड मिठाइयां, पापड़ और जमे हुए खाद्य पदार्थों सहित एक व्यापक पोर्टफोलियो के साथ बीकाजी दुनियाभर के स्नैक प्रेमियों को भारत का प्रामाणिक स्वाद लाने के लिए समर्पित है। हेजलनट फैक्टरी एक स्थापित कैफे सह आर्टिसनल स्वीट्स ब्रांड है। इसकी लखनऊ में छह और कानपुर और दिल्ली में 1-1 स्टोर में खुदरा उपस्थिति है। यह ब्रांड स्पेशलिटी कॉफ़ी, आर्टिसनल स्वीट्स, बेकरी और पेस्ट्री के साथ-साथ कैफे मेन्यू की एक श्रृंखला भी प्रदान करता है। द हेजलनट फैक्टरी के अधिग्रहण से क्रॉस-सेलिंग के अवसर, लचीले मेनू पेशकश, एक विविध ग्राहक आधार, एक विविध ब्रांड पोर्टफोलियो, साझा सुविधाएं और संसाधन और बढ़ी हुई बाजार उपस्थिति प्रदान करके बीकाजी के ब्रांड हाउस को बढ़ावा मिलेगा।

उल्लेखनीय है? कि बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल भारत की तीसरी सबसे बड़ी एथनिक स्नैक्स कंपनी है, जो पारंपरिक भारतीय स्नैक्स और मिठाइयों की अपनी विविध रेंज के लिए जानी जाती है। शिव रतन अग्रवाल द्वारा 1993 में स्थापित यह कंपनी 25 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों में मौजूदगी के साथ एक घरेलू नाम बन गई है। इसके अलावा बीकाजी उत्तरी अमेरिका, यूरोप, मध्य पूर्व, अफ्रीका और एशिया प्रशांत सहित 25 देशों को अपना प्रोडक्ट्स निर्यात भी करती है।

सदियों पुरानी है यह सब्जी, आज भी खाएंगे तो मिलेंगे 5 जबर्दस्त फायदे, हड्डियों को चट्टान और बॉडी को देगा नया शेप

यह सब्जी बेहद पुरानी है लेकिन इसमें आज भी जबर्दस्त क्षमता है. इस सब्जी का सेवन करने से हड्डियां फौलाद बन सकती है और पाचन दुरुस्त हो सकता है.

आज जो हम चीजें खाते हैं इंसान की उत्पत्ति के साथ नहीं आई. हमारे पास जो फूड वर्तमान में उपलब्ध है उनमें से अधिकांश की उत्पत्ति 5 से 10 हजार साल पहले हुई है लेकिन कुछ फूड ऐसे हैं जिनकी उत्पत्ति लाखों साल पहले हो गई थी. ब्रॉड बींस इन्हीं में से एक है. यह बहुत प्राचीन सब्जी है. सदियों से ब्रॉड बींस के पौधे उगते आ रहे हैं. इसे बाकला सेम, बकला की दाल, फावा सेम, फावा बींस आदि के नामों से भी जाना जाता है. यह एक प्रकार से सेम है लेकिन थोड़ा अलग फलीदार सब्जी है. इसका स्वाद थोड़ा मीठा और मटमैला होता है. इसमें कई तरह के विटामिन, मिनिरल्स, फाइबर और प्रोटीन पाए जाते हैं. भारत में लोग इसकी दाल बनाकर खाते हैं.

बकला बींस में मौजूद पोषक तत्व

हेल्थलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक बकला बींस में प्लांट प्रोटीन सबसे अधिक होता है. इसके अलावा फॉलेट, कई तरह के विटामिन, मिनिरल्स, हेल्दी फैट, फाइबर, मैग्नीशियम, कॉपर, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन, पोटैशियम, जिंक सहित कई तरह के तत्व होते हैं.

बकला बींस के 5 जबर्दस्त फायदे

1. इम्यूनिटी बूस्ट करने में माहिर-बकला बींस में इतने तरह के कंपाउड होते हैं जो शरीर में एंटीऑक्सीडेंट एक्टिविटी को बढ़ा देते हैं. एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में बीमारियों को रोकने के लिए बहुत जरूरी है. यह शरीर से फ्री रेडिकल्स को हटाते हैं और सेल को डैमेज होने से रोकते हैं. स्टडी के मुताबिक इसमें ग्लूटाथियोन एंटीऑक्सीडेंट होता है जो कोशिकाओं को जल्दी बूढ़ी नहीं होने देता. इसके सेवन से इंफेक्शन वाली बीमारियों का जोखिम कम हो जाता है.

2. हड्डियों में चट्टानी शक्ति-फावा बींस में मैग्नीशियम और कॉपर की प्रचूरता रहीत है जिसके कारण यह हड्डियों को चट्टानी शक्ति देता है. यह बोन लॉस को होने से रोकता है. सबसे बड़ी बात यह है कि उम्र बढ़ने के साथ इंसानों में हड्डियों की बीमारी ऑस्टियोपोरोसिस होने लगती है. फावा बींस के सेवन अगर रेगुलर करेंगे तो इस परेशानी से बच सकते हैं.

3. खून की कमी नहीं होने देता-फावा बींस का सेवन करने से शरीर में खून की कमी नहीं होगी. इससे एनीमिया की बीमारी नहीं होगी. बकला बींस में आयरन की मात्रा ज्यादा होती है जिसके कारण यह हीमोग्लोबिन के बनाने में मदद करता है. इससे आरबीसी भी बढ़ता है और शरीर में ऑक्सीजन की कमी नहीं होती.एनीमिया की कमी से शरीर में हमेशा थकान और कमजोरी होने लगती है. अगर इसे एक सप्ताह तक रोजाना खाए तो तुरंत फर्क महसूस होगा.

4. बीपी कोलेस्ट्रॉल कम करता-फावा बींस में सॉल्यूबल फाइबर होता है जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करता है. सॉल्यूबल फाइबर आंत को बहुत राहत मिलती है. फावा बींस में पोटैशियम और मैग्नीशियम पाया जाता है जो हार्ट हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद है. कई अध्ययनों में पाया गया है कि यह ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल रखता है.

5. वजन कम करने में कारगर-जो लोग वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए बाकला सेम बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है. एक कप फावा बींस में 13 ग्राम प्रोटीन और 9 ग्राम फाइबर होता है. इससे सिर्फ 187 कैलोरी बनती है. यानी इसका मतलब यह हुआ कि इस सेम को खाने के बाद आपको आवश्यक प्रोटीन और एनर्जी भी मिल जाएगी लेकिन वजन नहीं बढ़ेगी.

हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस को महाराष्ट्र में अधिक सावधान रहना होगा

अपनी अनुकूलता और समझौते की वजह से 2024 के लोकसभा चुनावों में इंडिया ब्लॉक ने अच्छा प्रदर्शन किया। गठबंधन का मुख्य उद्देश्य भाजपा से आमने-सामने की लड़ाई करना था और भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित नहीं करना था। गठबंधन ने चिड़चिड़े मुद्दों को पीछे छोड़ दिया और इसके कारण चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब रहा।कांग्रेस पार्टी को अपने इंडिया गठबंधन सहयोगियों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उसने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनाव को ठीक से नहीं लड़ा, जिससे भाजपा को दस साल की सत्ता विरोधी लहर के बावजूद तीसरी बार जीत हासिल करने का मौका मिल गया। अधिकांश एग्जिट पोल ने कांग्रेस की स्पष्ट जीत की भविष्यवाणी की थी, लेकिन भाजपा ने 90 में से 48 सीटें हासिल कीं, एक ऐसी जीत जिसने खुद भाजपा को भी चौंका दिया।यदि कांग्रेस हरियाणा में जीत जाती तो कांग्रेस के पुनरुत्थान की कहानी को बढ़ावा मिलता। हालांकि, कांग्रेस ने हाल ही में आंतरिक संघर्षों के कारण यह पांचवां विधानसभा चुनाव गंवा दिया। इसके पहले वह पंजाब, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हार चुकी थी। अब यह अनिश्चित है कि इंडिया गठबंधन में उसकी साझेदार राजनीतिक पार्टियां भाजपा के खिलाफ लड़ाई में उसके साथ एकजुट होंगे या नहीं।

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस के लिए आप के साथ गठबंधन जीत के लिए फायदेमंद होता है या नहीं, इस पर बहस हो रही है। दूसरे, हार का असर महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले आगामी चुनावों पर पड़ेगा। हरियाणा के नतीजों का तत्काल असर दिल्ली, महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनावों में सीटों के बंटवारे पर पड़ने की संभावना है। तीसरे, यह अनिश्चित है कि कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन होगा या नहीं। आप पहले ही कह चुकी है कि वह अकेले चुनाव लड़ेगी।अपनी अनुकूलता और समझौते की वजह से 2024 के लोकसभा चुनावों में इंडिया ब्लॉक ने अच्छा प्रदर्शन किया। गठबंधन का मुख्य उद्देश्य भाजपा से आमने-सामने की लड़ाई करना था और भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित नहीं करना था। गठबंधन ने चिड़चिड़े मुद्दों को पीछे छोड़ दिया और इसके कारण चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब रहा। उन्होंने भाजपा को हराने के एकमात्र उद्देश्य से काम किया और कुछ हद तक इसमें सफल भी रहे। भाजपा का बहुमत कम हो गया और जेडी(यू) और टीडीपी की मदद से सरकार बनानी पड़ी।हरियाणा की हार ने गठबंधन के भीतर की स्थिति को बदल दिया है, जिसके बाद इंडिया ब्लॉक की अन्य राजनीतिक पार्टियों को कांग्रेस पर बढ़त मिल गयी है। साझेदार शायद थोड़ी अधिक संयमित और समझ-बूझ से निर्णय करते हुए अब कांग्रेस के साथ काम करेंगे।अभी तक किसी राजनीतिक पार्टी ने यह नहीं कहा है कि इंडिया ब्लॉक खत्म हो गया है। इसके विपरीत, हार के एक दिन बाद समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के बयान से संकेत मिलता है कि कांग्रेस के साथ सपा का गठबंधन जारी रहेगा। अखिलेश ने कहा, %मैं कहना चाहता हूं कि इंडिया ब्लॉक बना रहेगा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस-सपा का गठबंधन बरकरार रहेगा।%आम आदमी पार्टी ने कहा है कि वह दिल्ली विधानसभा चुनाव में अकेले चुनाव लड़ेगी, जबकि उसने तीन महीने पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था। कांग्रेस तथा आप को कोई सीट नहीं मिली थी।

अन्य सहयोगियों ने कांग्रेस की अति आत्मविश्वास और सीट बंटवारे के प्रति उसके कठोर रवैये की आलोचना की।

लोकसभा चुनाव में अपनी संख्या दोगुनी करने वाली कांग्रेस हरियाणा में मिली करारी हार के बाद कमजोर पड़ गयी है। अधिकांश एग्जिट पोल ने हरियाणा में कांग्रेस की आश्चर्यजनक जीत का संकेत दिया क्योंकि भाजपा को 10 साल की सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ा और असंतुष्ट लोगों के एक वर्ग से निपटना पड़ा। हालांकि, भाजपा ने सबको चौंका दिया और हरियाणा में अपनी सबसे प्रभावशाली जीत दर्ज की। इस ग्रामीण राज्य में किसी भी पार्टी को कभी भी तीसरे कार्यकाल के लिए जीत हासिल नहीं हुई थी।महाराष्ट्र में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बीच सीटों के बंटवारे पर चर्चा चल रही है। कांग्रेस को सीट बंटवारे के फॉर्मूले और चुनाव से पहले ही ठाकरे को सीएम के चेहरे के रूप में पेश करने की शिवसेना की मांग पर अधिक संवेदनशील होने की जरूरत है।

आप ने हरियाणा चुनाव में कोई सीट नहीं जीती, लेकिन उसे लगभग 1.78 प्रतिशत वोट मिले। अगर कांग्रेस ने आप के साथ गठबंधन किया होता तो निस्संदेह यह इंडिया ब्लॉक की झोली में जुड़ जाता। शिवसेना नेता संजय राऊत के अनुसार, कांग्रेस ने छोटी पार्टियों और उनके सहयोग के प्रस्तावों को नजरअंदाज कर दिया।तृणमूल कांग्रेस, आप, शिवसेना (उद्धव), नेशनल कॉन्फ्रेंस, आरजेडी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और अन्य पर्टियों के नेताओं ने हरियाणा चुनाव में गड़बड़ी के लिए कांग्रेस की आलोचना की। शिवसेना के मुखपत्र सामना में बुधवार को संपादकीय में कहा गया, %किसी ने नहीं सोचा था कि हरियाणा में भाजपा की सरकार फिर बनेगी। ऐसा लगता है कि कांग्रेस के अति आत्मविश्वास और स्थानीय कांग्रेस नेताओं के अहंकार के कारण पार्टी की हार हुई।लोकसभा चुनाव के दौरान सीट बंटवारे के लिए अपनाये गये फॉर्मूले को दोहराना महत्वपूर्ण है, कम से कम महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव में तो यही होगा। कमजोर कांग्रेस अपने अधिकांश सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे में बढ़त नहीं बना पायेगी।गठबंधन में मौजूदा मूड का असर कांग्रेस के अपने सहयोगियों के साथ संबंधों पर पड़ना चाहिए। विपक्ष शायद और झटके न झेल पाये।कांग्रेस को भाजपा के साथ सीधी लड़ाई में लोक सभा की 286 सीटों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

2024 के चुनावों ने साबित कर दिया कि भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का स्ट्राइक रेट 2019 के 8 प्रतिशत से बढ़कर 29प्रतिशत हो गया है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने भाजपा के साथ 286 सीटों पर चुनाव लड़ा, जो 2014 में 370 से कम है।कांग्रेस 2004 और 2009 में अपने सहयोगियों के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंधों के कारण सत्ता में आई थी। इंडिया गठबंधन को बनाये रखने की जिम्मेदारी मोटे तौर पर कांग्रेस पर है। उसे यह समझना चाहिए कि हर साथी, चाहे वह छोटा हो या बड़ा जरूरी है। कांग्रेस ने आत्ममंथन किया है। पंचमढ़ी और शिमला इसके अच्छे उदाहरण हैं। अब एक और ऐसे सत्र का समय आ गया है।

संपादकीय

अमीर-गरीब देशों के फर्क का राज़

विश्व का सबसे सम्मानित कहा जाने वाला नोबेल पुरस्कार अर्थशास्त्र के क्षेत्र में तीन शोधकर्ताओं डारोन एसिमोग्लू, साइमन जॉनसन और जेम्स ए. रॉबिन्सन को दिया गया है। उन्होंने इस बात का पता किया है कि आखिर वे कौन से तथ्य हैं जिनके चलते विभिन्न देशों के बीच अमीरी-गरीबी का फर्क पैदा होता है। उन्होंने इसे दूर करने के कुछ उपाय बताये हैं जिन पर अमल कर वैश्विक गैरबराबरी को काफी हद तक दूर किया जा सकता है। देखना यह होगा कि जिन देशों के पास दुनियावी बदलाव करने की ताकत है, वे इस पर कितना अमल करते हैं। जाहिर है कि ऐसा कर वे स्वयं अपने रुतबे तथा दबदबे को खत्म करेंगे। इस रिसर्च को तो उन राष्ट्राध्यक्षों को ध्यान से पढ़ने, समझने और उसे क्रियान्वित करने की ज़रूरत है जो अपने देश के नागरिकों को खुशहाल बनाना चाहते हैं। यहां सवाल विश्व के सम्पन्न देशों की सूची में आना मात्र नहीं है वरन अपने नागरिकों के रहन-सहन के स्तर को ऊंचा करना और उन्हें एक गरिमामय जीवन प्रदान करना भी है। एसिमोग्लू, जॉनसन और रॉबिन्सन ने अपने सामूहिक अध्ययन एवं विशद विश्लेषण से स्पष्ट किया है कि कुछ देश क्यों अमीर हो गये और अनेक किसलिये गरीब हैं। इसके लिये उन्होंने कुछ इलाकों के उदाहरण भी प्रस्तुत किये हैं जिनके कुछ क्षेत्र एक देश में हैं तो कुछ दूसरे देश में।

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेस ने सोमवार को इन अर्थशास्त्रियों को संयुक्त रूप से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने का ऐलान करते हुए उनके काम की महत्ता को रेखांकित किया। 5 क्षेत्रों में दिये जाने वाला नोबेल आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले को %स्वेरिग्स रिक्सबैंक पुरस्कार% कहलाता है। समिति ने कहा कि पुरस्कार के लिये चयनित अर्थशास्त्रियों ने पहली बार सामाजिक संस्थाओं के महत्व को प्रतिपादित करते हुए देशों की समृद्धि में उनके योगदान की वैज्ञानिक तरीके से मीमांसा की है। अपने शोध से उन्होंने यह भी बतलाया कि कैसे लोकतंत्र एवं समावेशी सामाजिक संस्थानों के जरिये राष्ट्र का विकास सम्भव है। एसिमोग्लू, जॉनसन तथा रॉबिन्सन के इस शोध ने बताया है कि खराब कानून व्यवस्था तथा नागरिकों का शोषण करने वाली संस्थाएं या देश सकारात्मक बदलाव नहीं ला सकते। पुरस्कार समिति का यह कहना कि, %देशों के बीच आय के अंतर को खत्म करना वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौती है%, ऐसी वैश्विक अर्थव्यवस्था के दुष्प्रभावों की ओर छिपा संकेत है जिसके माध्यम से कई देशों की राजनैतिक एवं आर्थिक संस्थाओं को बर्बाद कर उन्हें पिछड़ा बना दिया गया है।

उपरोक्त अर्थशास्त्रियों ने यूरोपीय उपनिवेशों द्वारा प्रवर्तित विभिन्न राजनीतिक व आर्थिक प्रणालियों का विशेलेषण कर संस्थाओं एवं सम्पन्नता के अंतर्संबंधों का पता किया है। उन्होंने इसके उपाय भी बताये हैं कि कैसे इन संस्थाओं को सक्षम कर विकास में उनका सहयोग लिया जा सकता है। इसके कारण यह शोध विश्व भर के उन देशों के लिये मददगार हो सकता हैं जो गरीबी से छुटकारा पाना चाहते हैं। उनकी शोध बतलाती है कि कैसे दुनिया के सर्वाधिक सम्पन्न 20 प्रतिशत देश अब विश्व के सबसे गरीब 20 फीसदी देशों से 30 गुना अमीर हैं। कई विपन्न देश समृद्ध तो हुए हैं लेकिन वे अमीर देशों की तुलना में अब भी कई गुना कम सम्पन्न हो सके हैं। इसका कारण उन्होंने भौगोलिक या सांस्कृतिक फर्क नहीं, सामाजिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली में अंतर को जिम्मेदार बतलाया है। अपनी बात को विस्तार देते हुए तीनों ने बताया है कि उनके मॉडल के तीन हिस्से हैं। पहला तो यह देखना होगा कि संसाधनों का आवंटन कैसे हुआ है; तथा निर्णय लेने की शक्ति किस समूह के पास है। दूसरा यह कि कभी-कभार जनता को सत्तारुढ़ अभिजात वर्ग को संगठित कर सत्ता का इस्तेमाल करने का जब अवसर मिलता है तो समाज में निर्णय लेने की शक्ति कहीं अधिक हो जाती है। तीसरी है प्रतिबद्धता। सत्तारुढ़ अभिजात वर्ग के लिये एकमात्र विकल्प जनता को निर्णय लेने की शक्ति सौंपना है।

उपरोक्त निष्कर्षों को यदि गौर से देखा जाये तो बात अंततः स्वच्छ लोकतांत्रिक प्रणाली एवं ईमानदार संवैधानिक संस्थाओं की आवश्यकता पर जाकर ठहरेगी। किसी भी देश में चाहे जिस विचारधारा की सरकार हो उसके सही या गलत होने का पैमाना यही होगा कि वह इन संस्थाओं को कितनी स्वंतत्रतापूर्वक काम करने देती है। सरकारों का केवल लोकतांत्रिक प्रणाली के जरिये चुना जाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक तरीके से शासन करना भी उतना ही जरूरी है। साथ ही आवश्यक है लोकतांत्रिक संस्थाओं को सम्प्रभुता प्रदान करना। भारत समेत अनेक देशों के ही उदाहरण देखें तो शासकों की प्रवृत्ति शक्तियों के केन्द्रीकरण में है। हमारे ही देश में संस्थाएं कमजोर होती गयी हैं और राज्य शक्तिशाली। बड़ी दिक्कत यह है कि लोगों की समझ को इस प्रकार से भोंथरा कर दिया गया है .

आपदा या कमाई का अवसर

सरकार ने फिर से कबाड़ घोषित वाहनों, अर्थात दस साल पुराने डीजल वाहन और पंद्रह साल पुराने पेट्रोल वाहनों की धर-पकड़ तेज करने का फिसला किया है

सरकार ने फिर से कबाड़ घोषित वाहनों, अर्थात दस साल पुराने डीजल वाहन और पंद्रह साल पुराने पेट्रोल वाहनों की धर-पकड़ तेज करने का फिसला किया है। दिल्ली में 60 लाख ऐसे वाहन है और उनका पंजीकरण रद्द कर दिया गया है। सार्वजनिक जगहों पर उनकी पार्किंग भी गैरकानूनी है, उनको चलाना तो अपराध है ही। और दिल्ली सरकार की मुखिया आतिशी सिंह को यहां के लेफ्टि. गवर्नर वी.के. सक्सेना के आदेश को आगे बढ़ाने में कोई आपत्ति नहीं हुई।

अगर दिल्ली की तीनों सरकारें अर्थात केंद्र सरकार, राज्य सरकार और लाट साहब वाली तीसरी सरकार किसी सवाल पर एक ही दिशा में काम करने पर जुटे तो इसे ट्रिपल इंजन सरकार कहा जाए या नहीं, इस बात पर विवाद हो सकता है लेकिन अगर वे तीनों किसी बड़ी समस्या को निपटाने के सवाल पर सक्रिय हो तो सामान्य ढंग से खुश होना बनाता है। दिल्ली में प्रदूषण वाले मौसम की शुरुआत से पहले उसकी रोकथाम के नाम पर ऐसा ही हो रहा है। ऐसा हर साल होता है और स्वास्थ्य के नुकसान के साथ ही काफी सारे धन की बर्बादी को जान समझ लेने के बाद भी कहा जा सकता है कि कुछ मामलों में हल्का फर्क आया है। पराली अर्थात धान की खेत में छोड़ी डंडियों या पुआल को वहीं जला देने से फैलने वाले धुएं की मात्रा और सघनता में कमी आई है और कई कदम भी उठाने का प्रयास हुआ है। ऐसा सारे कदमों के लिए नहीं कह सकते पर बेतहाशा बढ़ती गाड़ियों से निकलने वाले धुएं को भी नुकसानदेह गिनना ऐसा ही कदम है जो कैंसर से लेकर न जाने कितनी बीमारियों का कारण माना जाता है।

इसके साथ ही यह भी हुआ है कि आपदा में अवसर ढूंढने वाले भी आ गए हैं। मुश्किल यह है कि ऐसा सिर्फ कमाई के काम में लगे चंद लोग नहीं हैं, खुद सरकार उनकी सेवा में लगी दिखती है। और वह गलती करने वालों को पकड़ने या सजा देने की जगह अपने नागरिकों को सजा देने, वसूली करने और उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ की छूट दे रही है। जो लोग प्रदूषण रोकने के मानकों पर खरा उतरने वाले वाहन नहीं बना रहे हैं सरकार उनके वाहनों की बिक्री बढ़वाने का जिम्मा लेकर काम करती लग रही है और यह करते हुए उसका खजाना भी भर रहा है। जिन नागरिकों की जेब कट रही है या जिनको प्रदूषण की मार झेलनी होती है उनको ही दोबारा वहां खरीदने का बोझ उठाना पड़ रहा है क्योंकि सरकार ने सार्वजनिक परिवहन को नाश होने दिया है। अकेले दिल्ली में पंजीकृत वाहनों की संख्या में 2021-22 में सीधे 35.4 फीसदी कमी हो गई है। 2020-21 में दिल्ली में 1.2 करोड़ पंजीकृत वाहन थे जो 2021-22 में 79.2 लाख रह गए। दिल्ली सरकार ने 48,77,646 वाहनों का पंजीयन समाप्त किया था और बड़े पैमाने पर पुराने वाहनों की धर-पकड़ से यह %सफलता% मिली थी पर ये सारे वाहन किसी न किसी के उपयोग में थे, जीवन चला रहे थे, उनकी शान थे। यह और बात है कि हमको-आपको चूं की आवाज भी सुनाई नहीं दी।

अब फिर सरकार ने फिर से कबाड़ घोषित वाहनों, अर्थात दस साल पुराने डीजल वाहन और पंद्रह साल पुराने पेट्रोल वाहनों की धर-पकड़ तेज करने का फिसला किया है। दिल्ली में 60 लाख ऐसे वाहन है और उनका पंजीकरण रद्द कर दिया गया है। सार्वजनिक जगहों पर उनकी पार्किंग भी गैरकानूनी है, उनको चलाना तो अपराध है ही। और दिल्ली सरकार की मुखिया आतिशी सिंह को यहां के लेफ्टि. गवर्नर वी.के. सक्सेना के आदेश को आगे बढ़ाने में कोई आपत्ति नहीं हुई। सक्सेना साहब इस काम को मिशन भाव से कर रहे हैं। कमीशन फार एयर क्वालिटी मैनेजमेंट नामक संस्था भी सर्दियों के पहले बढ़ते प्रदूषण के नाम पर अपनी रिपोर्ट और सुझाव के साथ हाजिर है। किसी को यह बताने की जरूरत नहीं है कि उनका बैर प्रदूषण से है या पुरानी गाड़ियों से या फिर सबका उद्देश्य नई गाड़ियां बिकवाना है। न तो प्रदूषण चेक करके देखने की जरूरत मानी गई ना ऐसे वाहनों को देहात या कम प्रदूषण वाले इलाकों में भेजने का या सस्ते निर्यात का विकल्प सोचा गया। सीधे दामिल फांसी। जिन गाड़ियों का पंजीकरण निरस्त हुआ है उनमें बहुत ऐसी भी है जिनको ज्यादा अवधि का लाइसेंस इन्हीं सरकारों ने दिया और जिनसे ज्यादा अवधि का रोड टैक्स वसूला जा चुका है। सुनते हैं कि इस आदेश के खिलाफ कुछ लोग अदालत गए थे पर उनके मुकदमे का क्या हुआ? यह खबर कहीं से नहीं आई है।दूसरी ओर, हर कहीं पुराने वाहनों की धर-पकड़ हो रही है। सिपाहियों को सिर्फ निर्देश नहीं है, संभवतः कुछ बोनस भी दिया जा रहा है। कमीशन फार एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने सुप्रीम कोर्ट में शिकायत की है कि दिल्ली में 5928675 ऐसी गाड़ियां हैं लेकिन सिर्फ कुछ हजार गाड़ियां ही पकड़ी गई हैं। लाट साहब सक्सेना जी अलग लगे पड़े हैं। सो देखते जाइए कि इस बार के धुंध और प्रदूषण के मौसम में कितनी गाड़ियां कुर्बान होती हैं। जाहिर तौर पर इन सबके पीछे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 2020-21 के बजट में निजी वाहनों और व्यावसायिक वाहनों को जोड़कर करीब अस्सी लाख गाडियों को %स्क्रैप% करने की बात कही है। तब भी कहीं से कोई आवाज नहीं आई थी। इसके बाद नई नीति के कुछ संकेत परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने दिए थे। यह फैसला सिर्फ नई गाडियों के लिए नहीं था बल्कि उन गाडियों पर भी लागू हुआ जिनका पन्द्रह और बीस साल का रोड टैक्स पहले वसूला जा चुका था। कहना न होगा कि मामला दिल्ली भर का नहीं है। अगर अकेले दिल्ली में एक साल मे 48 लाख से ज्यादा गाड़ियां कबाड़ बन गईं और अब 60 लाख गाड़ियों का पंजीकरण खत्म हुआ है तो देश भर की संख्या से निर्मला जी और गडकरी साहब बहुत खुश होंगे ही।माना जाता है कि जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण घोषणा कर रही थीं तब उन्होंने जानबूझ कर गलत आंकड़ा दिया। उन्होंने जो संख्या बताई वह असल संख्या के लगभग चालीस फीसदी भी नहीं मानी जाती। जानकार मानते हैं कि देश में इस नीति के दायरे में आने वाले वाहनों की संख्या चार से साढ़े चार करोड़ के बीच होगी जिनमें से आधे से कम वाहन ही उम्र की सीमा के अन्दर हैं।जाहिर है काफी सारे वाहन जिला पंजीयन कार्यालय की पहुंच और जानकारी से भी बाहर होंगे। कार को कबाड़ मानकर तोड़ना, गलाना और उसके मुट्ठी भर धातुओं का दोबारा इस्तेमाल करने से बेहतर तो यही है कि किसी तरह उसमें इस्तेमाल हुई चीजों का तब तक अधिकतम इस्तेमाल किया जाए जब तक वे सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से (अर्थात ज्यादा प्रदूषण फैलाकर) हमारे लिए खतरा न बन जाएं. यह कल्पना भी आसान नहीं है कि भारत जैसे गरीब मुल्क में बनी गाड़ियों में से दो करोड़ से ज्यादा को हमारी ही सरकार कबाड़ बनाने जा रही है। एक तो भारत जैसे देश में इतनी गाड़ियों के बनने चलने और सार्वजनिक परिवहन की इस दुर्गति पर भी सवाल उठने चाहिए। इतनी गाडियों से रोड टैक्स वसूलने के बाद भी टोल टैक्स वसूली वाली सड़कों पर सवाल उठने चाहिए। लेकिन इनमें से कोई सवाल इतना बड़ा नहीं है कि एक साथ दो-ढाई करोड़ ऐसी गाड़ियों को कबाड़ घोषित करके गिनती की कम्पनियों को मालामाल करने के फैसले पर सवाल उठाने की बात भुला दी जाए।

देशभर के स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों में क्या बदलाव किया जाए, इसके निर्धारण का अधिकार अब विद्यार्थियों को भी होगा. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपनी कोर्सेज कमेटियों में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शामिल करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है.

छात्र भी तय करेंगे क्या हो उनका कोर्स

देशभर के स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों में क्या बदलाव किया जाए, इसके निर्धारण का अधिकार अब विद्यार्थियों को भी होगा. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपनी कोर्सेज कमेटियों में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शामिल करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है. 12वीं की परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों में से कुछ चुनिंदा छात्रों को कोर्स कमेटियों में शामिल किया जाएगा. बता दें कि बोर्ड की अलग-अलग कोर्सेज की कमेटियां हैं, जिनमें वोकेशनल कोर्स कमेटियां शामिल हैं. इन कोर्स कमेटियों में परीक्षा परिणाम व बोर्ड से संबद्ध स्कूलों की सिफारिश के बाद विद्यार्थी कोर्स कमेटी का हिस्सा बन सकेंगे. बोर्ड की प्रत्येक कोर्स कमेटी में एक विद्यार्थी का चयन होगा, जिसमें विद्यार्थी कोर्स में बदलाव को लेकर अपने सुझाव दे सकेंगे.

बोर्ड के चेयरमैन विनीत जोशी का कहना है कि हम पाठ्यक्रम अधिक समावेशी और अनुप्रयोग आधारित बनाना चाहते हैं, इसीलिए कमेटी द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम में छात्रों का हस्तक्षेप महत्वपूर्ण होगा, हम उनकी राय को भी सुनेंगें. विद्यार्थियों की राय कोर्स को बेहतर बनाने में हमारी मदद करेगी. बता दें कि सीबीएसई के पास व्यावसायिक विषयों सहित इसके सभी पाठ्यक्रमों के लिए कोर्स कमेटियां हैं. प्रत्येक तीन साल के बाद हर कमेटी का पुनर्गठन किया जाता है. यह कमेटी विषयों से संबंधित विचारों पर वाद-विवाद और चर्चा करती है और विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इनकी समीक्षा करती है.

इतिहास में पहली बार, सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्कूलों से विद्यार्थियों को बैठकों में हिस्सा लेने और अपने विचार व्यक्त करने का मौका मिलेगा. वे विद्यार्थी जो मार्च 2014 में कक्षा 12 की परीक्षा पास कर चुके हैं, उन्हें उनके प्रदर्शन तथा स्कूलों के साथ परामर्श के आधार पर सीबीएसई द्वारा नामांकित किया जा रहा है. बोर्ड को विास है कि छात्र उम्मीदवार इसके पाठ्यक्रमों के विकास में सक्रिय योगदान देंगे.

सीबीएसई का यह भी मानना है कि पाठ्यक्रम के निर्धारण में विद्यार्थियों का सहयोग बहुत लाभकारी साबित होगा, क्योंकि ये छात्र विषय की भावी संभावनाओं के साथ-साथ इसकी सीमाओं को भी बेहतर समझते हैं. कोर्स कमेटी में विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) के विशेषज्ञ, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के शिक्षक एवं विषय विशेषज्ञ, निजी एवं सार्वजनिक स्कूल और मौजूदा शिक्षक शामिल हैं.

क्रिएटिव हैं तो आजमाएं फैशन डिजाइनिंग

यहां हमेशा नया करने का मौका भी है और इसके माध्यम से खुद को स्थापित करने का अवसर भी. फैशन डिजाइनिंग में रुचि रखने वालों को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) के कोर्स नई राह दिखाते हैं. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) डिजाइन शिक्षा, व्यावहारिक शोध, प्रशिक्षण, डिजाइन परामर्शी सेवाएं के अलावा कई क्षेत्रों में अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है.

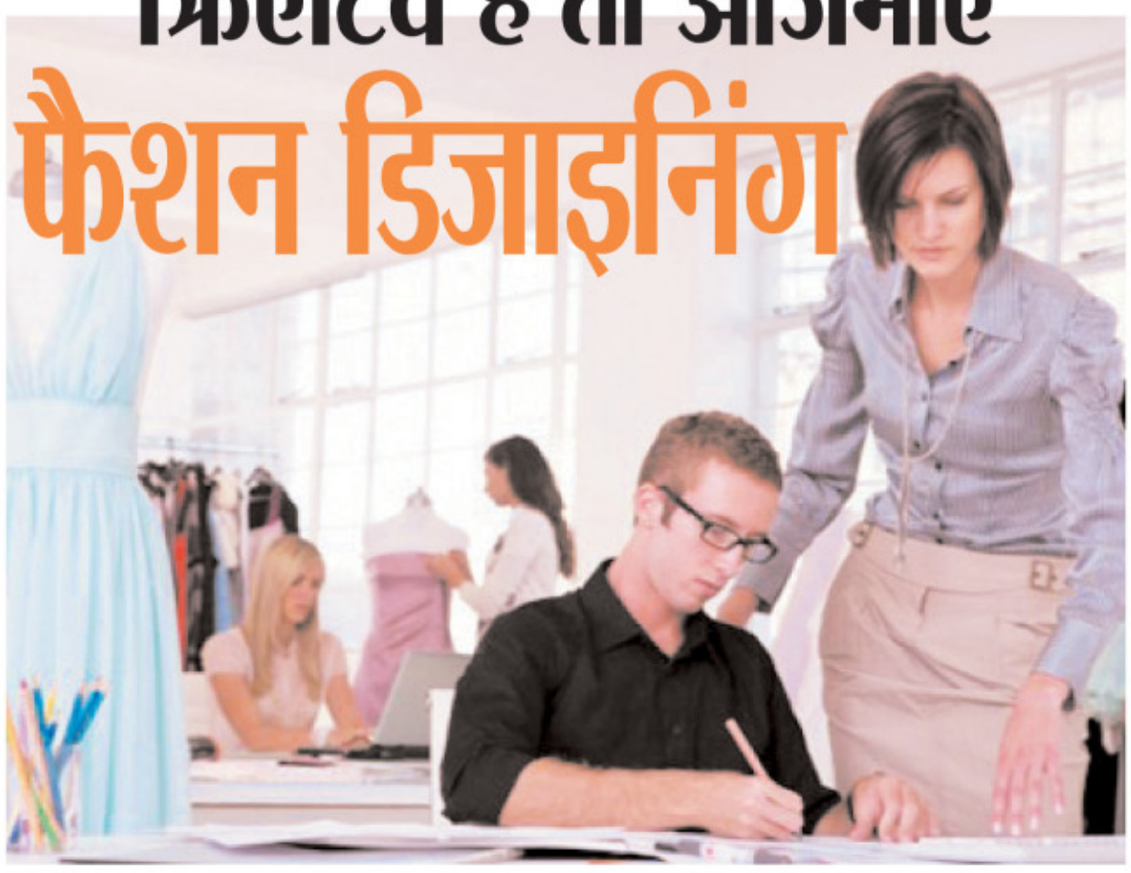

आये दिन बाजार में फैशन के नये डिजाइन, नए तरीके का कलर कंबिनेशन देखने को मिलता है. इस कारण फैशन डिजाइन का क्रेज दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है. हमेशा कुछ न कुछ नया करने की ख्वाहिश रखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह करियर का बेहतर आप्शन है. यहां हमेशा नया करने का मौका भी है और इसके माध्यम से खुद को स्थापित करने का अवसर भी. फैशन डिजाइनिंग में रुचि रखने वालों को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) के कोर्स नई राह दिखाते हैं. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) डिजाइन शिक्षा, व्यावहारिक शोध, प्रशिक्षण, डिजाइन परामर्शी सेवाएं के अलावा कई क्षेत्रों में अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है.

पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा

वर्ष 1961 में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन इस स्वायत्त संस्थान की स्थापना की गई. एनआईडी में ग्रेजुएशन डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन (जीडीपीडी) और पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन (पीजीडीपीडी) पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष 2014-15 के लिए आवेदन मांगे हैं. ग्रेजुएट कोर्स के लिए बारहवीं पास और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स के लिए बैचलर की डिग्री जरूरी है. अनुभवी अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाती है. अभ्यर्थी के पास विजुअॅल परसेप्शन एबिलिटी, ड्राइंग स्किल, लॉजिकल रीजनिंग, क्रिएटीविटी और कम्युनिकेशन स्किल्स का होना जरूरी है. चयन एनआईडी द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए इच्छुक छात्रों को संस्थान द्वारा आयो जित डिजाइन एप्टीटयूड टेस्ट (डीएटी) की परीक्षा पास करनी होगी. यह परीक्षा दो चरणों में होगी. पहले चरण में लिखित परीक्षा है. इसमें 100 अंक के प्रश्न पत्र होंगे.

परीक्षा

लिखित परीक्षा में एनिमेशन, एब्सट्रैक्ट सिम्बोलिज्म, कम्पोजिशन, मेमोरी ड्रॉइंग, थीमेटिक कलर अरेंजमेंट, विजुअल डिजाइन के अलावा विजुअल परसेप्शन एबिलिटी, ड्राइंग स्किल, लॉजिकल रीजनिंग, क्रिएटिव एंड कम्युनिकेशन स्किल, फंडामेंटल डिजाइन के अलावा डिजाइन से संबंधित प्रॉब्लम सॉ ल्विंग कैपेसिटी आदि से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं. इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य उम्मीदवारों की योग्यता, नवीनता और धारणाओं का मूल्यांकन करना है. लिखित परीक्षा के आधार पर परीक्षार्थियों को शॉर्ट लिस्टेड किया जाएगा. इसके आधार पर योग्य अभ्यर्थी को स्टूडियो टेस्ट और साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा. स्टूडियो टेस्ट के माध्यम से अभ्यर्थी की क्रिएटिविटी और फैशन के प्रति लगाव, डिजाइनिंग के प्रति सोच, नए आइडिया, कल्पनाशक्ति और कुछ अलग हटकर सोचने की क्षमता को परखा जाता है. परीक्षा से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए एनआईडी कैम्पस से संपर्क कर सकते हैं या फिर वेबसाइट पर लॉग ऑन कर सकते हैं. तैयारी इसकी तैयारी अन्य परीक्षाओं से काफी अलग है. इसमें विद्यार्थियों को रट्टा लगाने से सफलता नहीं मिल सकती है.

डिजाइनिंग के प्रति रुझान

इसमें कामयाब होने के लिए मौलिकता की सख्त दरकार होती है. अभ्यर्थियों का डिजाइनिंग के प्रति रुझान, उसके प्रति उनकी समझ, विचारों व समस्या को सुलझाने की क्षमता को परखी जाती है. ऐसे में बेहतर करने के लिए जरूरी है कि आप जो भी बनाएं, उसे इलेस्ट्रेशन एवं शब्दों के माध्यम से समझाने की भी क्षमता रखें. डीएटी और स्टूडियो टेस्ट के जरिये अभ्यर्थी की ऑब्जर्वेशन पावर, डिजाइन करने की काबिलियत और कुछ नया तैयार करने की क्षमताओं को परखा जाता है. ऐसे में आप जो भी डिजाइन और चित्र बनाएं, उसके रंगों के कंबिनेशन पर विशेष ध्यान रखने की जरूरत है. स्टूडियो टेस्ट में अभ्यर्थी को एक सवाल और उससे संबंधित कुछ सामान उपलब्ध कराया जाता है, जिसके जरिये अभ्यर्थी को उस सवाल के आधार पर सामान तैयार करना होता है. टेस्ट के तुरंत बाद एक्सपर्ट पैनल उसे देखता है और मार्किंग करता है.

जेनेटिक विशेषज्ञ की बढ़ रही है मांग

जिस तरह क्लोन बनाने को लेकर काम हो रहा है, नई दवाइयां तैयार की जा रही हैं, ऐसे में जेनेटिक से जुड़े विशेषज्ञों की मांग बढ़ती जा रही है इससे संबंधित बीटेक/बीएससी डिग्री अभी देश के किसी भी संस्थान में नहीं शुरू है लेकिन पांच वर्षीय डयूएल डिग्री एमटेक करायी जा रही है. जेनेटिक इंजीनियरिंग से लैस कई उत्पाद आज बाजार में उपलब्ध हैं.

पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर के काफी कम संस्थान हैं जहां जेनेटिक की पढ़ाई होती है लेकिन अधिकतर संस्थानों में जेनेटिक इंजीनियरिंग की पढ़ाई ग्रेजुएशन स्तर पर होती है और बीटेक संचालित किया जाता है. इसके तहत जेनेटिक मेकअप के अलावा विशिष्ट जींस का अध्ययन किया जाता है.

जेनेटिक इंजीनियरिंग यह विज्ञान की अत्याधुनिक ब्रांच है, जिसमें सजीव प्राणियों के डीएनए कोड में मौजूद जेनेटिक को अत्याधुनिक तकनीक के जरिए परिवर्तित किया जाता है. जेनेटिक तकनीक द्वारा ही रोग प्रतिरोधक फसलें और सूखे में पैदा हो सकने वाली फसलों का उत्पादन किया जाता है. बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र में जेनेटिक इंजीनियरिंग का इस्तेमाल बृहद पैमाने पर होता है. छात्र ने 12वीं लेवल पर फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथमेटिक्स और बायोलॉजी का अध्ययन किया है, उनके लिए जेनेटिक इंजीनियरिंग का क्षेत्र बेहतरीन विकल्प है.

लेकिन इस फील्ड में आगे तभी बढ़ा जा सकता है जब आप विषय को अच्छी तरह समझ सकें. तभी रोजगार भी मिल सकता है. पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर के काफी कम संस्थान हैं जहां जेनेटिक की पढ़ाई होती है लेकिन अधिकतर संस्थानों में जेनेटिक इंजीनियरिंग की पढ़ाई ग्रेजुएशन स्तर पर होती है और बीटेक संचालित किया जाता है. इसके तहत जेनेटिक मेकअप के अलावा विशिष्ट जींस का अध्ययन किया जाता है. जो छात्र जेनेटिक्स या जेनेटिक इंजीनियरिंग का अध्ययन करना चाहते हैं उन्हें गहरे तौर पर 12वीं स्तर पर फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथमेटिक्स और बायोलॉजी का अध्ययन करना चाहिए. जेनेटिक्स बायोटेक्नोलॉजी के व्यापक क्षेत्र का हिस्सा है. बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री पूरी तरह जेनेटिक्स पर आधारित है क्योंकि इसी के जरिए फार्मास्यूटिकल्स के प्रोडक्ट मसलन, इंसुलिन या दूसरी दवाइयां बनती हैं. मेडिकल फील्ड में जेनेटिक्स का फोकस बीमारियों, बीमारियों के मॉल्यूक्युलर आधार और इससे बचाव पर होता है. औद्योगिक उत्पादन में बायोटेक्नोलॉजी अहम भूमिका निभाता है खासकर बायोकेमिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में. इसके दायरे में बायोलॉजी की तमाम शाखाएं मसलन माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री, जेनेटिक्स और मॉलिकुलर बायोलॉजी के अलावा केमिकल और सिस्टम इंजीनियरिंग आते हैं. अधिकतर विविद्यालय जेनेटिक्स में अलग कोर्स संचालित नहीं करते बल्कि बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोकेमेस्ट्री जैसे स्ट्रीम के तहत सब्सिडियरी विषय के तौर पर संचालित करते हैं. बीटेक लेवल पर जेनेटिक इंजीनियरिंग के कोर्स काफी कम ही जगह संचालित किए जाते हैं. यही कारण है कि अधिकतर छात्र बायोटेक्नोलॉजी या बॉयोकेमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक कोर्स में एडमिशन लेते हैं. दूसरा ऑप्शन यह है कि जेनेटिक्स, बॉयोलॉजिकल साइंस, लाइफ साइंसेज या बायोटेक्नोलॉजी में बीएससी की डिग्री हासिल करते हैं और तब जेनेटिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन.

करियर

यदि जेनेटिक से संबंधित डिग्री लेने के बाद आप वैज्ञानिक बनना चाहते हैं तो आपको डॉक्टोरल डिग्री लेनी होगी. रिसर्च और डेवलपमेंट ऑग्रेनाइजेशन, फार्मास्यूटिकल कंपनियों, बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्रीज के अलावा एकेडमिक इंस्टीटयूशन आदि में संभावनाएं हैं.

संस्थान

किसी भी आईआईटी में जेनेटिक इंजीनियरिंग में बीटेक का कोर्स नहीं हैं. इसके बदले बायोटेक्नोलॉजी और बायोकेमिकल इंजीनियरिंग प्रोग्राम ऑफर करते हैं. आईआईटी, चेन्नई में बायोटेक्नोलॉजी में बीटेक और पांच वर्षीय डयूएल डिग्री एमटेक प्रोग्राम है. आईआईटी खड़गपुर में बायोटेक्नोलॉजी और बायोकेमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक और पांच वर्षीय डयूएल एमटेक का कोर्स है.

आईआईटी गुवाहाटी में बायोटेक्नोलॉजी में बीटेक कोर्स है. आईआईटी दिल्ली में बायोके मिकल इंजीनियरिंग और बायोटेक्नोलॉजी में पांच वर्षीय डयूएल डिग्री एमटेक कोर्स संचालित किया जाता है. आईआई टी रुड़की में बॉयोटेक्नोलॉ जी में एमटेक कोर्स है. पुणो वि.विद्यालय में बायोटेक्नोलॉजी में एमएससी और एमटेक प्रोग्राम संचालित किये जाते हैं. यहां वि.विद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के आधार पर एडमिशन होते हैं.

अन्य संस्थान

दिल्ली विविद्यालय दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली
उस्मानिया वि. विद्यालय, हैदराबाद
पंजाब एग्रीकल्चरल वि. विद्यालय, लुधियाना
चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चरल वि.विद्यालय, हिसार
आंध्रा वि.विद्यालय, विशाखापत्तनम
मद्रास वि,विद्यालय, चेन्नई
बनारस हिंदू वि.विद्यालय, वाराणसी

शरीर के 7 चक्र क्या हैं और सेहत पर उनका क्या असर पड़ता है?

ऐसा माना जाता है कि अगर ये चक्र सुसुप्त यानी सो रहे हैं तो आपका जीवन भी नीरस है। इसलिए परम आनंद के साथ मोक्ष प्राप्ति के लिए इनको जागृत करना बहुत जरूरी है। जागृत होने के बाद ये चक्र शरीर के साथ मन और आत्मा को किस तरह प्रभावित करते हैं, इसके बारे में इस लेख में हम विस्तार से बात करते हैं।

क्या हैं चक्र

चक्र एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ पहिया होता है। ये शरीर के अंदर स्थित वे बिंदु हैं, जिनसे शरीर को ऊर्जा मिलती है, ये सात प्रकार के होते हैं। ये विभिन्न अंगों तथा मन एवं बुद्धि के कार्य को सूक्ष्म-ऊर्जा प्रदान करते हैं। ये व्यक्ति की सूक्ष्मदेह से संबंधित होते हैं। इनको कुंडलिनी चक्र भी कहा जाता है।

मूलाधार चक्र

यह गुदा और लिंग के बीच चार पंखुड़ियों वाला आधार चक्र है। प्राणायाम करके, अपना ध्यान मूलाधार चक्र पर केंद्रित करके मंत्र का उच्चारण करने से यह जागृत होता है। इसका मूल मंत्र 'लं' है। धीरे-धीरे जब यह चक्र जागृत होता है तो व्यक्ति में लालच खत्म हो जाता है और व्यक्ति को आत्मीय ज्ञान प्राप्त होने लगता है। यह लालच को समाप्त करता है।

स्वाधिष्ठान चक्र

मूलाधार चक्र के ऊपर और नाभि के नीचे स्थित होता है, स्वाधिष्ठान चक्र, इसका संबंध जल तत्व से होता है। इस चक्र के जागृत हो जाने पर शारीरिक समस्या और विकार, क्रूरता, आलस्य, अविश्वास आदि दुर्गुणों का नाश होता है। शरीर में कोई भी विकार जल तत्व के ठीक न होने से होता है। इसका मूल मंत्र 'वं' है।

मणिपूर चक्र

यह नाभि से ऊपर होता है। यौगिक क्रियाओं से कुंडलिनी जागरण करने वाले साधक जब ऊर्जा मणिपूर चक्र में जुटा लेते हैं, तो वो कर्मयोगी बन जाते हैं। यह प्रसुप्त पड़ा रहे तो लालच, ईर्ष्या, चुगली, लज्जा, भय से मन प्रभावित होता है। इसके जागृत होने से ये विकृतियां समाप्त हो जाती हैं।

अनाहत चक्र

यह चक्र व्यक्ति के सीने में रहता है। इसको जागृत करने हृदय पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'यं' का उच्चारण करना चाहिए। यह जागृत होते ही बहुत सिद्धियां प्राप्त होती है। यह सोता रहे तो कपट, तनाव, अहं यानी मोह और अहंकार से मनुष्य भरा रहता है।

विशुद्ध चक्र

यह चक्र गले में रहता है। इसे जागृत करने के लिए व्यक्ति को कंठ पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'हं' का उच्चारण करना चहिए। इसके जागृत होने से व्यक्ति अपनी वाणी को सिद्ध कर सकता है। इस चक्र के जागृत होने से संगीत विद्या सिद्ध होती है, मस्तिष्क अधिक क्रियाशील हो जाता है और सोचने समझने की शक्ति बेहतर हो जाती है।

सहस्रार चक्र

सहस्रार चक्र व्यक्ति के मष्तिष्क के मध्य भाग में होता है। बहुत कम लोग होते हैं जो इसको जागृत कर पाते हैं, चूंकि इसे जाग्रत करना बहुत मुश्किल काम है। इसको जाग्रत कर व्यक्ति परमानंद प्राप्त करता है और सुख-दुःख का उस पर असर नहीं होता है।

आज्ञा चक्र

आज्ञा चक्र भ्रू मध्य अर्थात दोनों आंखों के बीच में केंद्रित होता है। इस चक्र को जागृत करने के लिए व्यक्ति को मंत्र '' का जाप करना चाहिए। इसके जाग्रत होने से इंसान को आत्म ज्ञान प्राप्त होता है।

रेसिपी

ब्लैक करंट शीर

सामग्री

- बटर/मक्खन: 2 टेबलस्पून
- 1/4 कप सेवई: 2 टेबलस्पून
- चीनी: 1/2 कप ■ दूध: 3 कप
- किशमिश: 2 टेबलस्पून
- खजूर कटे हुए: 2 टेबलस्पून
- चिरौंजी: 1 टीस्पून ■ इलायची पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ गुलाब जल: 2 टेबलस्पून
- ब्लैककरंट छोटे टुकड़ों कटें (फालसेब) : 1/4 कप
- इलायची पाउडर: एक चुटकी

विधि

सबसे पहले नॉनस्टिक तवे में बटर डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसके बाद सेवई डालें और सुनहरा होने तक भून लें। सेवई के सुनहरी होने के बाद दूध डालकर एक से दो उबाल आने तक पकाएं। इसके बाद चीनी डाल दें, साथ ही साथ ड्राई फ्रूट्स और किशमिश डालकर अच्छे से मिला लें और 3 से 4 मिनट तक पकाएं। तय समय बाद खजूर, चिरौंजी, इलायची पाउडर और गुलाब जल डालकर 1 से 2 मिनट तक ढककर पकाएं। अगर शीर खुरमा ज्यादा गाढ़ा हो जाए तो थोड़ा गर्म पानी मिला लें। तय समय बाद आंच बंद कर लें। तैयार शीर खुरमा को कटोरी में डाल लें। इसमें चुटकीभर इलायची पाउडर और ब्लैककरेंट/फालसेब डालकर अच्छे से मिलाएं और सर्व करें।

दही पराठा

सामग्री

- आटा: 2 कप ■ दही: 1 कप
- पुदीना: एक मुट्ठी ■ हल्दी: 1/4 टीस्पून
- धनियापत्ती: 1/2 मुट्ठी ■ घी: 1/2 कटोरी
- 1 प्याज, बारीक कटा ■ अजवाइन: 1/4 टीस्पून ■ 3 हरी मिर्च बारीक काटी ■ 1/2 छोटी कटोरी दाल ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ पराठा सेंकने के लिए तेल ■ जरूरत के अनुसार पानी

विधि

सबसे पहले पुदीना-धनियापत्ती का धोकर बारीक काट लें। एक बर्तन में आटा लेकर प्याज, अजवाइन, हरी मिर्च, हल्दी, नमक और 3-4 चम्मच घी डालकर मिक्स करें। इसमें पुदीना-धनियापत्ती, दही और दाल डालकर आटा तैयार करें। तैयार आटे पर तेल लगाकर 10 मिनट रख दें। फिर से आटे को गूंद लें। एक प्लेट पर पलथन/सूखा आटा रख लें। आटे की बराबर लोइयां काट लें। एक लोई लेकर रोटी जैसे बेल लें। इस पर घी लगाएं और सूखा आटा लगाकर आधा मोड़ दें। इस हिस्से पर भी घी और सूखा आटा छिड़ककर मोड़ दें। इसे पराठे को बेलकर चौड़ा कर लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करें। इस पर पराठा डालकर दोनों तरफ सेंक लें। तैयार दही पराठा चटनी-अचार के साथ खिलाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 2620

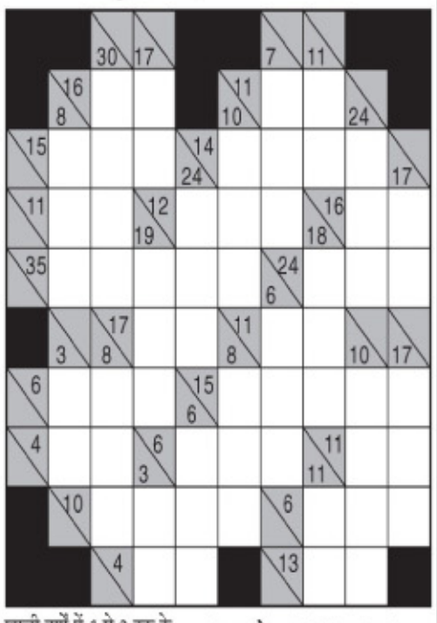

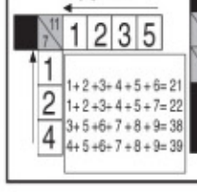

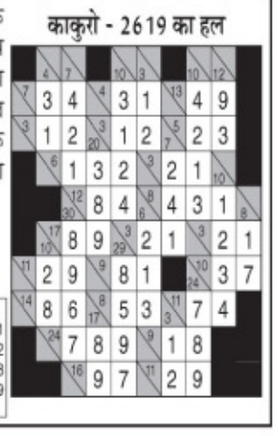

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1 2 3 5 / 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2619 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

▯ ▯ ▯

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

▯ ▯ ▯

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

फिल्म वर्ग पहेली - 2620

बायें से दायें:-

१. बॉबी, करिश्मा की 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कहदूँ तुम्हें' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर की हिट फिल्म-३
५. संजय कपूर, तब्बू की 'मैंने जी लिया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
८. ऋषि, माधुरी की 'मेरा पिया घर आया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
१२. 'पलके हो खुली या बंद' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोनाली की फिल्म-३
१३. संजयदत्त, अनिता राज की 'आते आते तेरी' गीत वाली फिल्म-२,१,२
१४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'ना वादा करते हैं' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'परदे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान की फिल्म-२
१७. राजकुमार, नाना पाटेकर, ममता कुलकर्णी, वर्षा की 'पीले पीले ओ मेरे राजा' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रूठे रूठे पिया' गीत वाली विजय आनंद, जया की फिल्म-२,३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तनहाइयां' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'शहरों की गलियों में' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-२,२
२६. गोविंदा, रवीना की 'सासूजी थारी लाडा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल विच तेरा ही' गीत वाली अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२
२८. मिथुन, अतुल, पूजा की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
२. राजकपूर, नूतन की 'रुक जा ओ जानेवाली' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ सनम जिसने तुझे' गीत वाली राजकपूर, सायरा की फिल्म-३
४. ऋषि, नीतूसिंह की 'किसी पे दिल अगर' गीत वाली फिल्म-५
६. सोमदत्त, विनोद खन्ना, लीना चंदावरकर की पहली फिल्म-२,१,२
९. गोविंदा, करिश्मा की 'याद सताए तेरी' गीत वाली फिल्म-२,२
११. फिल्म 'लक्ष्य' के गीत 'मैं ऐसा क्यों हूँ' का गायक-२
१३. सलमान, करिश्मा की 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१४. अक्षय, लारा की फिल्म-३
१५. सुनील, आशा पारेख की 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'मेरे दिल में आज' गीत वाली राजेश, शर्मिला, राखी की फिल्म-२
१८. कमल सदाना, आयशा, दिव्याकी 'दिल चीर के' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'ले के चली मुझे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
२०. जैकी, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'राधा ना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'कोशिश' में नायक कौन है-३
२३. फिल्म 'ज्वैल थीफ' में नायक कौन है-२
२५. टी. वी. धारावाहिक 'साँस' की नायिका कौन थी?-२
२६. दीनो मोरिया, बिपाशा की 'जो भी कसमें' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2619

सूडोकु -2620

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2619 का हल

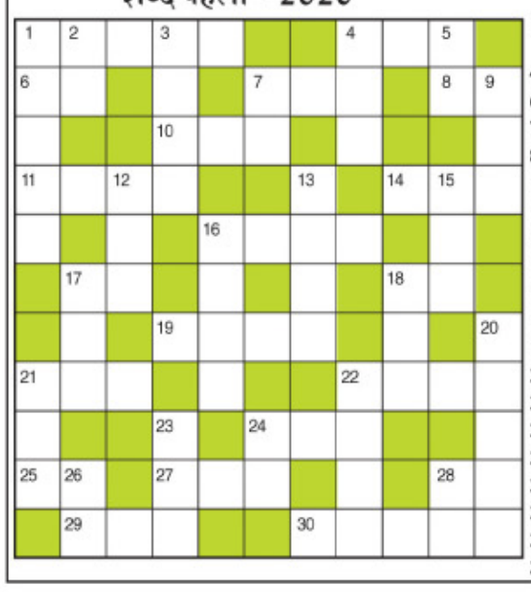

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 2620

बाएँ से दाएँ

1.पदमाकर,कमल सरोवर-5
4.इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6.देवस्थान,मंदिर-2
7.शिव आवास-3
8.उत्तम,सज्जन-2
10.पति,शोहर-3
11.दमकना-4
14.टीस,पीड़ा-3
16.झरने की आवाज-4
17.आशा,इच्छा-2
18.संध्या,शाम-2
19.निराकार,भगवान-4
21.बुझाना,शांति-3
22.अभिप्राय-4
24.आंचल-3
25.घोड़ागाड़ी-2
27.उष्ण-3
28.पिता के पिता-2
29.पंक्ति-3
30.तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे

1.कथा कहने वाला-5
2.चित,जी-2
3.कार्यशाला,यंत्रालय-4
4.माहिर,दक्ष-3
5.आकाश,गगन-2
7.कारावास-2
9.योग्य-3
12.अनुमान,अंदाज-3
13.झगड़ा,कहासुनी-4
15.मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16.पक्षियों का शोर-4
17.राहत, विश्राम -3
18.मुसीबत, आफत -3
20.होशियार, चेतावनी-5
21.नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23.मगरमच्छ-3
24.दर,मूल्य-2
26.भूमि,धरती-2
28.पिता के पिता-2

शब्द पहेली -2619 का हल

ऑपरेशन सीमा संकल्प के तहत विद्यार्थियों को करें नशा मुक्ति के लिये प्रेरित

एजेंसी

श्रीगंगानगर। स्कूल शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा द्वारा संचालित की जाने वाली विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों के क्रियान्वयन एवं पर्यवेक्षण हेतु गठित जिला निष्पादन समिति की बैठक जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने ऑपरेशन सीमा संकल्प के तहत विद्यार्थियों को नशा मुक्ति जागरूकता के लिए प्रेरित करने के लिये शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में नशा मुक्ति के लिए ऑपरेशन सीमा संकल्प चलाया जा रहा है। इसके तहत जिले के सभी शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करवाया जाए। साथ ही शिक्षण संस्थानों में प्रार्थना सभा के पश्चात नियमित रूप से नशा मुक्ति शपथ दिलाई जाए। नो बैग डे के अवसर पर बालसभा में नशे के विषय पर भाषण, निबंध, चित्रकला, विचार गोष्ठी, चर्चा-परिचर्चा, संगोष्ठी सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करते हुए विद्यार्थियों को नशा मुक्ति अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करने वाली भावनात्मक वीडियो के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने परिवार और अभिभावकों को नशा नहीं करने एवं नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करने सहित अन्य गतिविधियां की जाएं।

झारखंड में राजनीतिक दलों के साथ बैठक में चुनाव आयोग की हिदायत, नियम तोड़ा तो कड़ी कार्रवाई

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मान्यता प्राप्त पार्टियों के साथ बैठक में चुनाव आयोग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों और नियम-कानूनों की जानकारी दी। उन्होंने पार्टियों के प्रतिनिधियों से कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के साथ आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन हर हाल में सुनिश्चित कराया जाएगा। इनका उल्लंघन करने की सूरत में सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बैठक में बताया कि निर्वाचन आयोग की ओर से 'सुविधा' ऐप बनाया गया है, जिसका इस्तेमाल करते हुए प्रत्याशी नामांकन प्रक्रिया के तहत सभी प्रपत्र और आवेदन भर सकते हैं। इसके जरिए नामांकन के दिन के लिए आरओ ऑफिस में अपॉइंटमेंट भी ली जा सकती है। इसके साथ इस माध्यम से प्रत्याशियों का ब्योरा भरने एवं एफिडेविट बनाने में भी सहायता प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि सी-विजिल ऐप के माध्यम से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन मामलों पर त्वरित शिकायत भी दर्ज कराई जा सकती है। पार्टी प्रतिनिधियों को जानकारी दी गई कि निर्वाचन प्रक्रिया में सभी के लिए समान अवसर प्राप्त हो, इस उद्देश्य से प्रत्येक प्रत्याशी के लिए 40 लाख रुपए खर्च सीमा तय की गई है। प्रत्याशियों को खर्च के ब्योरा की पंजी जिला निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय में जमा करानी होगी।

किलों और महलों से परे, राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र में ग्रीन टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म जैसे कई नए द्वार खोले जा रहे हैं: भजन लाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने अपनी जर्मनी यात्रा के तीसरे दिन आज ट्रैवल-टेक कंपनी फ्लिक्स बस के म्यूनिख (जर्मनी) स्थित मुख्यालय का दौरा किया और इसके आला अधिकारियों से बातचीत की। फ्लिक्स बस कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ आंद्रे श्वाम्लेन, और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर मैक्स ज़्यूमर के साथ हुई इस बैठक में दोनों पक्षों के बीच राजस्थान में निवेश करने और राज्य के अंदर कंपनी के परिचालन के विस्तार हेतु एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। फ्लिक्स बस परिवहन क्षेत्र की एक बड़ी कंपनी है और राजस्थान में इसका पहले से कारोबार है। इस कंपनी के साथ हुए साझेदारी का उद्देश्य राज्य में ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी को बढ़ाना, परिवहन सेवाओं में सुधार करना और राज्य की आर्थिक विकास में योगदान देना है, ताकि रोजगार के नए अवसरों का निर्माण हो सके। इस बैठक में राज्य के परिवहन नेटवर्क को मजबूत करने में फ्लिक्स बस द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर भी जोर दिया गया, जिससे राजस्थान के निवासियों और राज्य में आने वाले पर्यटकों, दोनों को अच्छी परिवहन सेवा मिल सके।

केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश में 2,642 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजना को दी मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में अनुमानित 2,642 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ उत्तर प्रदेश में वाराणसी और चंदौली जिलों से होकर गुजरने वाली मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजना को मंजूरी दी गई। कैबिनेट बैठक में वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना के निर्माण को मंजूरी मिली है, जिसमें कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए गंगा नदी पर एक नया रेल-सड़क पुल शामिल है। इससे यात्रा में आसानी होगी। इसके साथ लॉजिस्टिक लागत भी कम होगी। इस परियोजना के चार वर्षों में पूरा होने की उम्मीद है। इससे करीब 10 लाख मानव दिवस का प्रत्यक्ष रोजगार पैदा होगा। वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन मार्ग यात्रियों और सामान परिवहन दोनों के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री मोदी बने भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य, पार्टी के सदस्यता अभियान का किया शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा के देशभर में चलाए जाने वाले सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के सदस्यता अभियान के संयोजक विनोद तावड़े की मौजूदगी में प्रधानमंत्री मोदी पार्टी के पहले सक्रिय सदस्य बने। इसी के साथ उन्होंने पार्टी के सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ भी कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि विकसित भारत बनाने के हमारे प्रयास को गति देते हुए भाजपा का प्रथम सक्रिय सदस्य बनने पर वे गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की उपस्थिति में सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ कर रहे हैं। यह एक ऐसा आंदोलन है जो जमीनी

स्तर पर हमारी पार्टी को और मजबूत करेगा तथा राष्ट्रीय प्रगति के लिए हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं का प्रभावी योगदान सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि सक्रिय सदस्य बनने के लिए एक कार्यकर्ता को एक बूथ या एक विधानसभा क्षेत्र में 50 सदस्यों को पंजीकृत करना होगा। ऐसे कार्यकर्ता मंडल समिति और उससे ऊपर के पदों के लिए चुनाव लड़ने के पात्र होंगे। साथ ही उन्हें आने वाले समय में पार्टी के लिए काम करने के कई अवसर मिलेंगे।

उल्लेखनीय है कि भाजपा ने इस सदस्यता अभियान को 'संगठन पर्व सदस्यता अभियान-2024' नाम दिया है। दो सितंबर से शुरू हुए सदस्यता अभियान के तय कार्यक्रम के अनुसार इसका पहला चरण 25 सितंबर को और दूसरा चरण 15 अक्टूबर को समाप्त हो चुका है। पार्टी ने मंगलवार को ही 9 करोड़ सदस्यों का आंकड़ा पार कर लिया है। राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के तीसरे चरण के तहत बुधवार से भाजपा का सक्रिय सदस्यता अभियान शुरू किया गया है।

बाबा सिद्दीकी हत्या : ऑस्ट्रियन ग्लॉक और तुर्की की जिगाना पिस्टल से हुई थी हत्या

नई दिल्ली। मुंबई में बीते दिनों एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। इस हत्याकांड में ऑस्ट्रियन ग्लॉक और तुर्की की जिगाना पिस्टल का इस्तेमाल किया गया। क्राइम ब्रांच की टीम ने तीन तरह के हथियारों की बरामदगी की पुष्टि की है, जिसमें एक लोकल पिस्टल भी है।

ऑस्ट्रियन ग्लॉक पिस्टल विश्व भर में लोकप्रिय है। लेकिन, भारत में यह आम नागरिकों के लिए बैन है। इस पिस्टल से एक बार में 36 गोलियां फायर की जा सकती हैं। यह सेना, पुलिस और विशेष बलों द्वारा 70 से अधिक देशों में इस्तेमाल की जाती है। इसकी 17 राउंड वाली मैगजीन का उपयोग भारत में किया जाता है। इसकी गोली की गति 1230 फीट प्रति सेकेंड और रेंज 50 मीटर है। ग्लॉक पिस्टल की कीमत लगभग 8 लाख रुपये होती है और यह अत्यंत भरोसेमंद मानी जाती है। ग्लॉक पिस्टल का आकर इतना छोटा होता है कि इसे अपने पर्स में भी रख सकते हैं। इसमें 9 एमएम की कोई भी गोली लग सकती है। इससे फर्क नहीं पड़ता है कि वह गोली किस बंदूक के लिए बनाई गई है। यही वजह है कि इसकी गोलियां ढूंढने में बहुत ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ती है। यह बहुत ही आसानी से मिल जाती है। ग्लॉक के अलावा क्राइम ब्रांच ने तुर्की की बनी पिस्टल के इस्तेमाल की पुष्टि की है। हालांकि, किसी विशेष मॉडल का नाम नहीं बताया गया है। माना जा रहा है कि यह जिगाना पिस्टल है, जो उत्तर भारत में गैंगस्टरों द्वारा अत्यधिक प्रयोग की जा रही है।

सीबीआई में बढ़ रही है महिला अधिकारियों की भागीदारी : प्रवीण सूद

एजेंसी

गाजियाबाद। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद ने कहा कि सीबीआई में महिला अधिकारियों की भागीदारी बढ़ रही है। यह शुभ संकेत है। सूद गाजियाबाद जिले में स्थिति सीबीआई अकादमी में दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। सूद ने अधिकारियों से कहा कि वे सीबीआई के संगठनात्मक लक्ष्य को ध्यान में रखें। यह उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।उन्होंने सलाह दी कि वे अनुभवों से सीखते रहें तथा चुनौतियों या असफलताओं से कभी निराश न हों, क्योंकि इससे उन्हें अपने ज्ञान एवं विशेषज्ञता को बढ़ाने का अवसर मिलेगा।

समारोह में सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों में संपत मीना, अपर निदेशक; मनोज शशिधर, अपर निदेशक; एन वेणुगोपाल, अपर निदेशक; एवाईवी कृष्णा, अपर निदेशक, डॉ. पद्मिनी सिंह, अभियोजन निदेशक सहित अन्य विभागों एवं स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने सीबीआई अकादमी में प्रशिक्षित युवा अधिकारियों व उनके परिवारों को बधाई दी। दीक्षांत समारोह में सीबीआई के 92 उप-

निरीक्षकों (28वें बैच) ने हिस्सा लिया। समारोह के दौरान प्रवीण सूद ने प्रशिक्षुओं को पदक एवं ट्रॉफी वितरित की। श्रीवत्सन वी को सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड एसआई प्रशिक्षु के लिए डीपी कोहली पुरस्कार एवं इनडोर अध्ययन के लिए डीसीबीआई ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। राज किरण को साइबर अपराध जांच के लिए ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। विमल सिंह अधिकारी को सर्वश्रेष्ठ आउटडोर के लिए जॉन लोबो ट्रॉफी के लिए चुना गया। मेघा पाराशर को समर्पण एवं अनुकरणीय आचरण हेतु सीबीआई अकादमी ट्रॉफी प्रदान किया गया।

डीएमएफ घोटाले में ईडी ने सहायक आयुक्त माया को गरिफ्तार कर सात दिन की रिमांड पर भेजा

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ डीएमएफ घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को माया वारियर को गिरफ्तार कर विशेष अदालत में पेश किया। कोरबा में माया आदिवासी विकास विभाग में असिस्टेंट कमिश्नर पद पर रह चुकी हैं। ईडी ने उन्हें रायपुर के विशेष न्यायालय में पेश किया और सात दिन यानि 23 अक्टूबर तक रिमांड पर लिया है।

डीएमएफ घोटाले में यह पहली गिरफ्तारी है, मगर कोरबा में अपने कार्यकाल के दौरान आईएएस रानू साहू के ऊपर भी डीएमएफ में गड़बड़ी का आरोप है और वे पहले से ही जेल में हैं। ईडी ने मंगलवार को माया वारियर को पूछताछ के लिए बुलाया था। पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। माया वारियर पर रानू साहू के कार्यकाल में डीएमएफ के फंड के अनाप-शनाप खर्च के आरोप लगते रहे हैं। इसको लेकर माया वारियर के निजी आवास में ईडी ने छापा मारा था और अब उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने 23 अक्टूबर तक माया को ईडी की रिमांड पर सौंपा है। इस दौरान पूछताछ में कई खुलासे हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि साल

2022 में ईडी ने डीएमएफ घोटाले को लेकर भिलाई स्थित जुनवानी के चौहान टाउन में दबिश दी थी। माया वारियार के घर पर टीम ने जांच की थी। इस समय माया वारियर कोरबा जिले में परियोजना प्रशासक, एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना एवं प्रभारी सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास के पद पर पदस्थ थी। वे पहले दुर्ग में आदिम जाति कल्याण विभाग में सहायक संचालक थीं। बताया जाता है कि कोरबा में कलेक्टर रानू साहू की पदस्थापना के दौरान माया वारियर का तबादला वहां हुआ और तब से वे इसी जिले में पदस्थ थीं। ईडी के वकील सौरभ कुमार पांडे ने बताया कि ईडी डीएमएफ फंड की जांच कर रही है। इस फंड में पैसों की गड़बड़ी की जांच की जा रही है। इस दौरान तत्कालीन कलेक्टर रानू साहू कोरबा और रायगढ़ की कलेक्टर थी। हमारे अनुसंधान में पाया गया है कि उन्होंने डीएमएफ फंड को कमीशन के रूप में लिया है। रानू साहू वर्तमान में एसीबी के न्यायिक रिमांड पर हैं, इसीलिए हमने प्रोडक्शन वारंट के लिए कोर्ट में आवेदन लगाया था।

नीतीश कुमार थक चुके हैं, उनसे बिहार चलने वाला नहीं है : तेजस्वी यादव

एजेंसी

बांका (बिहार)। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि वह थक चुके हैं और अब सरकार उनसे चलने वाली नहीं है। तेजस्वी यादव ने यहां कहा, मैं व्यक्तिगत तौर पर नीतीश कुमार का सम्मान करता हूं। लेकिन, वह थक चुके हैं, उनसे बिहार चलने वाला नहीं है। उनकी क्या स्थिति है वह हम जानते हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल के संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ता दिन रात मेहनत करते हैं। चूंकि, साल 2025 में विधानसभा चुनाव हैं। हम लोग बिहार के हर जिले में कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। पहली बार ऐसा कार्यक्रम हो रहा है, जहां हम पंचायतों के अध्यक्षों से सीधे तौर पर बात करेंगे। इस दौरान, उनसे चर्चा की जाएगी कि कैसे संगठन को मजबूती प्रदान की जाए। उन्होंने कहा, डबल इंजन की सरकार के पास 10

माह में एक भी उपलब्धि नहीं है। सत्ता में रहकर विपक्ष को गाली दी जा रही है। जो काम हमने 17 माह में करके दिखाया था। वह काम 19 साल के एनडीए के शासन में नहीं हुआ। बिहार की डबल इंजन की सरकार को बस सत्ता में रहना है। बिहार में बेरोजगारी, महंगाई, पलायन, गरीबी है। सरकार इस पर काम नहीं करती है और न ही बताती है कि इन पर क्या योजना है। बिहार में सबसे महंगी बिजली मिलती है। स्मार्ट मीटर इनका 'स्मार्ट चीटर' हो चुका है। जनता त्रस्त हो चुकी है।' तेजस्वी ने कहा, 'अगर हमारी सरकार बनती है तो लोगों को 200 यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी। कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने कहा, बिहार की कानून-व्यवस्था भगवान भरोसे हैं। ऐसा कोई दिन नहीं बीतता जब, हत्या, लूट, अपहरण रेप जैसे संगीन मामले सामने न आएं। लेकिन यहां कोई सुनवाई नहीं होती है। एफआईआर होती है तो कार्रवाई नहीं होती। दोषियों को सजा नहीं मिल रही है। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि बिहार में अफसरशाही चरम पर है। जनता जानती है कि यहां पर अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग कैसे किए जाते हैं। हमें नया बिहार, विकसित बिहार बनाना है। डबल इंजन की सरकार में बिहार को क्या मिला? केंद्र में बिहार के वोटरों के दम पर सरकार बनी है। लेकिन, इसके बदले में बिहार को क्या मिला। चुनाव से पहले कहते हैं कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देंगे, चुनाव के बाद अपनी बात से मुकर जाते हैं।

स्टालिन ने उमर अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री बनने पर दी बधाई

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम के स्टालिन ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी। श्री स्टालिन ने कहा कि राज्य के अधिकारों को सुरक्षित करने और जीत हासिल करने के लिए लोकतांत्रिक संघर्ष में तमिलनाडु और जम्मू-कश्मीर को एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा,÷ श्री उमर अब्दुल्ला को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने पर मेरी हार्दिक बधाई! उन्होंने कहा, मुझे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला से निमंत्रण मिला था, लेकिन तमिलनाडु में जारी भारी बारिश और राहत कार्यों की देखरेख की मेरी जिम्मेदारी के कारण, मैंने अपनी बहन, द्रमुक संसदीय दल की नेता कनिमोझी को अपनी और पार्टी की ओर से शुभकामनाएं देने के लिए

भेजा है। उन्होंने कहा, देश में उपमहाद्वीप के दक्षिणी छोर पर स्थित तमिलनाडु और उत्तरी छोर पर स्थित जम्मू-कश्मीर को राज्य के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए लोकतांत्रिक संघर्ष में एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। हम सब मिलकर जीत हासिल करेंगे।

पीड़ित प्रतिकर योजना के संबंध में बैठक आयोजित

जोधपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर जिला द्वारा बुधवार को राजस्थान पीड़ित प्रतिकर सहायता समिति के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश, जोधपुर जिला डॉ. मनीषा चौधरी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।

बैठक में जोधपुर जिला ग्रामीण के पुलिस थानों में बाल पीड़ितों से संबंधित दर्ज होने वाली प्रत्येक एफ.आई. आर में पीड़ित बालकों के पुनर्वास एवं बेहतर भविष्य के लिए पीडित प्रतिकर योजना के तहत उनके आवेदन तैयार कर इस प्राधिकरण में जमा करवाने के संबंध में निर्देश प्रदान किये गये। जिससे उन्हें नियमानुसार क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की जा सके। बैठक में कमेटी नोडल अधिकारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट-द्वितीय जोधपुर रविकुमार, अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक, जोधपुर ग्रामीण भोपालसिंह लखावत एवं सदस्य विक्रम चेतन सरगरा अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति उपस्थित रहे।

'पीके' ने तेजस्वी को दिया चैलेंज, सात दिन पैदल यात्रा करके दिखाएं

एजेंसी

पटना। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार में चार विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव से पहले विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को सात दिन पैदल चलने की चुनौती दी है। बिहार की तरारी, रामगढ़, बेलागंज और इमामगंज विधानसभा सीटों के लिए 13 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। 23 नवंबर को मतगणना होगी। चारों सीट पर मुकाबला एनडीए और 'इंडिया' ब्लॉक के बीच है। जन सुराज ने भी तरारी सीट से अपना उम्मीदवार उतारने की घोषणा की है। प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा, वह कब यात्रा पर निकले थे। बिहार को पिछले 25-30 वर्षों में बस लूटने का काम किया है। मैं चैलेंज देता हूं कि तेजस्वी यादव सात दिन पैदल यात्रा करके दिखाएं। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास के लिए बेहतर व्यक्ति को चुनाव लड़ना होगा। तभी बिहार में सुधार हो पाएगा। जनसुराज ने

संकल्प लिया है, उससे हम समझौता नहीं कर सकते हैं। न जाति, न पैसा और न ही परिवार। बिहार को सुधारने के लिए जो लोग काबिल हैं, उन्हें लेकर आएंगे, क्योंकि हमारा मकसद सिर्फ एक ही है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'बिहार में शराबबंदी नहीं है, सिर्फ शराब की दुकानें बंद हैं, होम डिलिवरी चालू है। बिहार की गरीब जनता का 20 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। गरीब जनता का पैसा लूटकर यहां के अधिकारी और शराब माफिया कमा रहे हैं। गांव-गांव शराब बिक रही है। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत हो रही है। हमने बिहार के जिलों में यात्रा की। लोगों ने हमें बताया है कि जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत हुई। इस बारे में पुलिस को जानकारी इसलिए नहीं दी जा रही है कि क्योंकि लोगों में डर है कि उन पर कार्रवाई होगी। शराबबंदी के खिलाफ हम लोग इसलिए हैं क्योंकि यह जमीन पर लागू नहीं है। इससे लोगों का भविष्य खराब हो रहा है, एक लाख से ज्यादा लोग जेल में बंद हैं।

तमिलनाडु के कई हिस्सों में भारी बारिश से प्रभावित जनजीवन और यातायात

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के कई हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश होने से सड़कों और आवासीय कॉलोनियों में पानी भर गया । चेन्नई और उसके आस-पास के इलाकों को खराब मौसम का सामना करना पड़ा । चेन्नई के कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया है जिसके चलते यातायात काफी प्रभावित हो रहा है । चार उत्तरी जिलों, जिनमें तिरुवल्लूर, चेन्नई, कांचीपुरम और चेंगलपेट में स्कूलों और कॉलेजों के लिए छुट्टी की घोषणा की है । राज्य में भारी बारिश होने के कारण यह निर्णय लिया गया है । मौसम विभाग ने राज्य में अगले दो दिनों में और बारिश होने के आसार जताए हैं । भारतीय मौसम विभाग(आईएमडी) ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि यह पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने

और 17 अक्टूबर की सुबह चेन्नई के पास पुडुचेरी और नेल्लोर के बीच उत्तर तमिलनाडु-दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों को एक दबाव क्षेत्र के रूप में पार करने की संभावना है। उन्होंने आगे कहा , राज्य के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है, साथ ही कुछ अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक वर्षा होने की संभावना है। 17 अक्टूबर तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों सहित दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में 60 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि गुरुवार के बाद तूफानी मौसम धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि चेन्नई शहर समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में सेवाएं बाधित हुई । दक्षिण रेलवे ने चेन्नई सेंट्रल-मैसूरी कावेरी एक्सप्रेस समेत चार एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द करने और कई अन्य के मार्ग परिवर्तित करने की घोषणा की। कई घरेलू उड़ानों को इसलिए रद्द करना पड़ा क्योंकि सड़क पर पानी भरे होने की वजह से यात्री एयरपोर्ट पहुंच ही नहीं सके।

प्रॉपर्टी मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम के जरिए निवेशकों की सहूलियतों में इजाफा करेगी योगी सरकार

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार निवेशकों की सहूलियतों में इजाफा करने की दिशा में व्यापक कदम उठा रही है। इस क्रम में निवेश मित्र एक बड़ा माध्यम बन रहा है, वहीं प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक प्राधिकरणों ने भी इस दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं।

इसमें उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा), यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा), नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) व ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण प्रमुख हैं।सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश के औद्योगिक प्राधिकरणों में प्रॉपर्टी मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम को लागू करने और उसके जरिए निवेशकों से चरणबद्ध संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की योजना पर कार्य हो रहा है। नोएडा द्वारा भी इस दिशा में प्रॉपर्टी मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (पीएमआईएस) को लागू करने, उसके फ्रेमवर्क को विकसित व सुदृढ़ करने और सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम के रूप में कार्यरत निवेश मित्र पोर्टल के साथ इंटीग्रेट करके लैंड बैंक समेत विभिन्न प्रकार की जानकारियों तक एक्सेस को बढ़ाया जाएगा।

सीएम योगी के विजन अनुसार तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार, प्रक्रिया पूरी होने पर हाउसिंग, रेजिडेंशियल, इंडस्ट्रियल, इंस्टीट्यूशनल, कॉमर्शियल व ग्रुप हाउसिंग स्कीमों के लिए आवेदन और संचालन गतिविधियों की सीधी मॉनिटरिंग हो सकेगी। वहीं, सीआईसी, बिल्डिंग मैप अप्रूवल, एक्सटेंशन लेटर तथा ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट समेत विभिन्न दस्तावाजों के जारी होने और उनकी निगरानी को ट्रैक करने का फ्रेमवर्क भी प्रक्रिया के जरिए तैयार हो जाएगा। एक ओर, निवेश मित्र से इंटीग्रेट होने के साथ ही नोएडा प्राधिकरण के लैंड बैंक समेत विभिन्न जानकारियां निवेश मित्र से एक्सेस हो सकेंगी। वहीं, इससे नोएडा प्राधिकरण में भी चरणबद्ध तरीके से परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति के बारे में हर अपडेट निवेशकों को पता लग सकेगी। पीएमआईएस के जरिए निवेशकों के हर अप्रूवल व क्लेरी की जानकारी उनके द्वारा रजिस्टर्ड एसएमएस, ई-मेल और व्हाट्सएप पर उपलब्ध कराई जाएगी। यह न केवल कार्यप्रणाली में पारदर्शिता को बढ़ावा देने वाला कदम होगा, बल्कि इससे निवेशकों को भी सरकारी कार्यप्रणाली सीधा संवाद करती प्रतीत होगी।

उमर का ग्रीन कॉरिडोर न बनाने के डीजीपी को निर्देश

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया कि उनके सड़क मार्ग से यात्रा के दौरान ग्रीन कॉरिडोर न बनाएं अथवा यातायात न रोकें जिससे लोगों को असुविधा न हो। मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के तुरंत बाद श्री अब्दुल्ला ने एक्स पर पोस्ट किया, मैंने जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक से बात की है कि जब मैं सड़क मार्ग से कहीं जाऊं तो कोई ग्रीन कॉरिडोर या यातायात न

रोका जाये। मैंने उन्हें जनता की असुविधा को कम करने और सायरन का कम से कम उपयोग करने का निर्देश दिया है। मैं अपने कैबिनेट सहयोगियों से भी यही उदाहरण अपनाने को कह रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, हर चीज में हमारा आचरण लोगों के अनुकूल होना चाहिए। हम यहां लोगों की सेवा करने के लिए हैं, उन्हें असुविधा पहुंचाने के लिए नहीं।

घर की सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से कुछ इस तरह करें डेकोरेट हरा-भरा लगेगा घर

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर में प्लांट्स को जगह देने लगा है। भले ही उसका घर स्पेशियस हो या फिर छोटा, यह प्लांट्स किसी भी घर को बेहद खूबसूरत बनाते हैं। इतना ही नहीं, अमूमन लोग अपनी सुविधा व स्पेस को देखते हुए हैंगिंग गार्डनिंग से लेकर बालकनी व टेरेस में भी गार्डनिंग करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन घर का एक एरिया ऐसा भी है, जहां पर अगर प्लांट्स लगाए जाएं तो पूरे घर का मेकओवर हो सकता है और फिर इसके बाद आपको अलग से किसी अन्य एरिया में प्लांट्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह एरिया है आपकी सीढ़ियां। घर की सीढ़ियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन वास्तव में यही सीढ़ियां आपके पूरे घर का लुक बदल सकती हैं। अगर आप इन्हें एक नेचुरल व ब्यूटीफुल टच देना चाहती हैं तो वहां पर गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। आप सीढ़ियों पर उन प्लांट्स को लगाएं, जिन्हें सीधी धूप या बहुत अधिक रख-रखाव की आवश्यकता ना हो। तो चलिए आज इस लेख में हम जानते हैं कि आप अपने घर में सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से किस तरह और भी अधिक खूबसूरत बना सकती हैं-

वर्टिकल गार्डनिंग

जब सीढ़ियों पर प्लांटिंग करने की बात हो तो ऐसे में वर्टिकल गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। यह वास्तव में काफी कम स्पेस लेता है, लेकिन इस तरह आप अपनी सीढ़ियों के एरिया को पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म कर सकती हैं। आप कोशिश करें कि सीढ़ियों की एक साइड की दीवार पर आप वर्टिकल गार्डनिंग के लिए स्टैंड को हैंग करें और उसमें बेहद ही खूबसूरत स्मॉल साइज के पौधे लगाएं। यह देखने में बेहद ही ब्यूटीफुल लगेगा।

यूं दें एलीगेंट लुक

अगर आप अपनी सीढ़ियों को एक बेहद ही एलीगेंट तरीके से सजाना चाहती हैं तो आप पॉटेड प्लांट्स को सीढ़ियों पर रखें। खासतौर से, अगर आपकी सीढ़िया वुडन की हैं तो आप कॉन्ट्रास्टिंग कलर के एक बिग साइज पॉट को सीढ़ी पर रख सकती हैं। हालांकि, अगर आप ऐसे अपनी सीढ़ियों को सजा रही हैं तो अन्य पॉट्स को घर के किसी दूसरे कोने में प्लेस करें।

स्नेकप्लांट्स लगेंगे बेहद खूबसूरत

यह भी एक तरीका है सीढ़ियों को सजाने का। इसके लिए आप कई पॉट्स में केवल स्नेकप्लांट्स ही लगाएं। अब आप इन पॉट्स को अपनी हर सीढ़ी के उपर रखती जाएं। यह ना केवल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि आपके घर की हवा को भी नेचुरली प्यूरिफाई करने में मदद करते हैं। इसके बाद आपको अलग से एयर प्यूरिफायर खरीदने की जरूरत महसूस नहीं होगी।

रेलिंग पर करें फोकस

जब आप सीढ़ियों पर गार्डनिंग कर रही हैं तो सिर्फ उसकी साइड की दीवार या स्टेप्स के साथ ही आप क्रिएटिव नहीं हो सकतीं, बल्कि रेलिंग का लुक भी बदल सकती हैं। आप मनी प्लांट्स से लेकर अन्य कई प्लांट्स को रेलिंग पर लगा सकती हैं। हालांकि, आप रेलिंग के लिए ऐसे प्लांट्स को चुनें, जिनकी लताएं नीचे की ओर बढ़ती जाएं, ताकि यह आपकी पूरी रेलिंग को कवर कर सकें और देखने में भी खूबसूरत लगे।

सीढ़ियों के नीचे का स्पेस

अगर आपकी सीढ़िया घर में कुछ इस तरह बनी हुई हैं कि उनके नीचे आपके पास काफी सारा स्पेस बचता है, तो वहां पर भी प्लांटिंग करना अच्छा आईडिया है। अगर आप चाहें तो इस एरिया में एक मिनी गार्डन तैयार कर सकती हैं। आप यहां पर तरह-तरह के खूबसूरत प्लांट्स रख सकती हैं। साथ ही कुछ पेबल्स व लाइटिंग के जरिए इस लुक को और भी खास बनाएं। यकीन मानिए, इस एरिया में जब आप कुछ फुरसत के पल बिताएंगी, तो आपको बेहद ही अच्छा लगेगा।

...अगर आपका बच्चा भी करता है बिस्तर गीला

कई बार बच्चे 1 साल से बड़े होने के बाद भी बिस्तर पर ही पेशाब कर देते है। अक्स पेरेंट्स बच्चे की इस आदत को लेकर परेशान रहते है लेकिन बच्चे का बार-बार ऐसा करना किसी परेशानी के कारण भी हो सकता है। कई बार तो बच्चे रात में डर के कारण बिस्तर गीला कर देते है लेकिन इसके अलावा बच्चे यूरिन इंफेक्शन, तनाव, पुरानी कब्ज या असंतुलित हार्मोन के कारण ऐसा करते है।

अगर आपका बच्चा भी ऐसा कर रहा है तो इससे आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। इस समस्या को आप कुछ असरदार घरेलू नुस्खे से दूर कर सकते हैं। आइए जानते है किन उपायों द्वारा बच्चे की इस परेशानी को दूर किया जा सकता है।

बच्चों को बार-बार यूरिन आने के कारण

- ब्लैडर में इंफेक्शन
- ब्लड शुगर के कारण
- प्रॉस्टेट ग्रंथि में यूरिन का बढ़ना
- ज्यादा कॉफी या चाय का सेवन
- पेट में कीड़े की समस्या
- मूत्राशय में पेशाब जमा करने की क्षमता कम होना

इसके घरेलू उपचार

अखरोट
2 अखरोट और 20 किशमिश को पीसकर चूर्ण बना लें। 3 हफ्ते तक बच्चे को इसका सेवन कराने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

पिस्ता
5 काली मिर्च, 3 पिस्ता और मिनका पीस लें। दिन में दो बार बच्चे को यह चूर्ण खिलाने से उसकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

काले तिल
50 ग्राम काले तिल, 25 ग्राम अजवाइन और 100 ग्राम गुड़ को मिलाकर 8-8 ग्राम के लड्डू बना लें। बच्चे को रोजाना सुबह-शाम 1 लड्डू खिलाने से उसकी पेशाब की बीमारी ठीक हो जाएगी।

शहद का सेवन
रोजाना रात को सोने से पहले बच्चे को नियमित रूप से शहद चटा दें।

कुछ हफ्तों में ही बच्चे को बार-बार यूरिन आने की परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा।

अजवाइन
1 चम्मच अजवाइन में नमक मिलाकर बच्चें को गर्म पानी से सात खिला दें। दिन में 2 बार इसका सेवन बार-बार यूरिन आने की समस्या से निजात दिलाता है।

बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डालें

बच्चे और हैल्दी फूड तो मानों एक दूसरे से मेल ही नहीं खाते लेकिन बच्चों के विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। इससे न सिर्फ शारीरिक विकास होता है बल्कि भविष्य के लिए भी खाने की अच्छी आदतें फायदेमंद साबित होती हैं। जंक फूड, पिज्जा, बर्गर, चिप्स आदि बच्चे बहुत चाव से खाते हैं लेकिन खाने में ये टेस्टी तो होते हैं लेकिन सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। जो आने वाले समय में मोटापा, डायबिटिज, हाई बीपी, स्ट्रोक, दिल की बीमारियां आदि होने का कारण बनते हैं। शुरू से ही अगर बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डाल दी जाए तो उसके लिए बहुत अच्छा होगा।

बताएं हैल्दी चीजों का महत्व

बच्चे में अनुशासन, पढ़ाई के साथ-साथ खाने की अच्छी आदतों का होना भी बहुत जरूरी है। उन्हें बताएं कि घर का बना खाना खाना आपके लिए कितना अच्छा है। बाहर का खाना न तो हैल्दी होता है और न ही साफ-सुथरा। कभी-कभी बच्चों को उनकी पसंद का खाना घर पर ही बना कर खिलाएं।

एक जगह बिठा कर करवाएं भोजन

ज्यादातर बच्चों को खाना खाते समय घूमने की आदत होती है जो एक गलत आदत है। बच्चे को रोजाना एक ही जगह पर बिठा कर खाना खिलाएं और बार-बार की बजाए एक ही बार में खाना खाने को कहें लेकिन जबरदस्ती न करें।

टेस्ट में करें बदलाव

एक ही तरह का खाना खाकर बच्चे बोर हो जाते हैं, खाना का टेस्ट बरकरार रखने के लिए उनके डाइट प्लान में कभी स्नैक्स, जूस, सूप, फ्रूट सलाद आदि के साथ खाने में ट्विस्ट लाएं।

कामकाजी महिला हैं तो इस तरह रहें बच्चे के करीब

औरतों को घर और ऑफिस के काम एक साथ संभालने का हुनर बहुत अच्छी तरह से आता है। कई बार समय की कमी के कारण वह अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना कि उसके बच्चों को मां के साथ की जरूरत होती है।

बच्चों के साथ समय बिताकर आप उनके दिल की बातों को अच्छी तरह से जान सकते हैं लेकिन आप भी काम के तनाव की वजह से परेशान हैं और बच्चों के कटी-कटी रहती हैं तो कुछ स्मार्ट टिप्स आपके काम आ सकते हैं जो बच्चे के साथ आपके रिश्तों के पहले से भी ज्यादा मजबूत बना देंगे।

बच्चों से करें दिनभर की बातें

रात को आपके पास परिवार के साथ समय बिताने के सबसे अच्छा बहाना होता है। डिनर के समय पति और बच्चों के साथ ही खाना खाएं। दिन भर की बातें परिवार के साथ शेयर करें और उनकी बातें सुनें। इससे बच्चों का आपके साथ प्यार बढ़ेगा और वह आपसे बातें करने के लिए बेताब रहेगा।

काम में लें बच्चों की मदद

बच्चे तब बहुत खुश होते हैं जब आप उनसे किसी बात के लिए मदद मांगते हैं। कभी-कभी प्यार से बच्चे को आपकी मदद करने के लिए कहें जैसे खाना बनकर तैयार है तो उसे डाइनिंग टेबल सजाने के लिए कह सकते हैं। उसकी पसंद की डिश बना रही हैं तो उससे परोसने के लिए मदद ली जा सकती है।

मस्ती भी जरूरी

बच्चों के करीब आने के लिए उनके साथ कभी-कभी खुद भी बच्चे बनना पड़ता है। आप परिवार के साथ कुछ ऐसे गेम्स खेल सकते हैं जिसे बच्चे पूरी तरह से एंज्वाय भी करें और उन्हें कुछ सीखने के लिए भी मिले। जैसे हॉट सीट, पर्ची पर सारे सदस्यों का नाम लिखें, जिसके नाम की पर्ची निकले वह हॉट सीट पर बैठे और बाकी के सदस्य उससे सवाल पूछें। जो सबसे ज्यादा सही जवाब दे उसे शॉपिंग या पिकनिक का गिफ्ट दिया जा सकता है।

जुड़वां बच्चे होने पर दिखते हैं ये लक्षण!

प्रैग्नेंसी हर महिला की जिंदगी का सबसे अहम पल होता है। जब किसी औरत को मां बनने की खुशी मिलती है तो उसके साथ पूरा परिवार खुश हो उठता है। हर औरत के मन में सबसे पहला सवाल उठता है कि उसका होने वाला बच्चा कैसा होगा, वहीं अगर गर्भ में जुड़वां बच्चों के पलने की खबर मिल जाए तो खुशी दोगुणा बढ़ जाती है। जुड़वा बच्चों के होने पर गर्भवती महिला के शरीर में कुछ लक्षण दिखाई देते है, जिनके बारे में अक्सर महिलाओं को नहीं पता होता। आज हम आपको उन्ही लक्षणों के बारे में बताने जा रहे है, जिनसे पता जलता है कि गर्भ में जुड़वा बच्चे पल रहे है।

मॉर्निंग सिकनेस

गर्भवती महिला को मॉर्निंग सिक्नेस रहना भी एक संकेत हो सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में ही मतली और जी मिचलाना महसूस हो सकती है। जिन गर्भवती महिलाओं को जुड़वा बेबी होने वाले होते है उन्होंने बाकी गर्भवती महिलाओं की तुलना में अधिक मार्निंग सिक्नेस रहती है।

ब्लीडिंग और स्पॉटिंग

जिस महिला को जुड़वा होने वाली होती है, उन्हें स्पॉटिंग और ब्लीडिंग अधिक होती है। यदि ब्लीडिंग के साथ बुखार और लाल खून के धब्बे पड़ रहे है तो इसमें डरने की कोई बात नहीं है क्योंकि यह जुड़वा बच्चों की निशानी हो सकती है।

वजन बढ़ना

अगर वजन सामान्य गर्भावस्था की तुलना से अधिक है तो भी जुड़वां बच्चे होने का संकेत हो सकता है। एक औसत गर्भावस्था में सामान्य वजन 25 पाउंड होता है, जबकि जुड़वां गर्भावस्था में वजन 30 से 35 पुांड के बीच होता है।

अधिक भूख लगना

जुड़वां बेबी होने पर गर्भवती महिला को अधिक भूख लगती है। इसलिए जब आपको साथ भी ऐसा हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें क्योंकि यह कोई और बात भी हो सकती है।

पेट में दर्द होना

जुड़वां गर्भवती महिला के सामान्य से ज्यादा पेट में दर्द रहने लगता है यह दर्द शरीर को अधिक वजन होने के कारण भी हो सकता है। इसलिए इस बात के बारे में एक बार डॉक्टर से जरूर बात करें।

बच्चों के मां-बाप नहीं दोस्त बनें

हर मा- बाप चाहते है कि उनकी बेटिया पढ़ लिखकर जिंदगी में कामयाब बने। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए पेरेंट्स उन्हें घर से बाहर दूसरे शहरों में भी पढ़ने के लिए भेजते हैं लेकिन दिन-प्रतिदिन लड़कियो के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखकर कुछ मा- बाप अच्छी नौकरी या पढ़ाई के लिए उन्हें बाहर भेजने से डरने लगे है। उन्हें हर पल यही फिक्र सताती है कि उनकी बच्ची सही सलामत है या नहीं। अगर आपके घर में लड़किया हैं और वह पढ़ाई करने, नौकरी करने या किसी अन्य काम से रोजाना घर से बाहर जाती है या घर से दूर कहीं बाहर रहती है। तो माता- पिता होने के नाते आपको कुछ सावधानियां बरतने की खास जरूरत है ताकि वह हर छोटी से छोटी बात भी आपसे शेयर कर सके। तो आइए जानते हैं उन बातों के बारे में जो आपकी बच्ची को घर के बाहर भी सुरक्षित रख सकती है।

मोबाइल भी जरूरी

कुछ मां- बाप की सोच है कि मोबाइल फोन से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वह पढ़ना-लिखना छोड़ देंगे और पूरा दिन सिर्फ मोबाइल फोन पर ही लगे रहेंगे लेकिन बेटियों के पास मोबाइल फोन होना जरूरी है। वह कहीं बाहर गई हो और घर वापसी में लेट हो जाए तो आपको फोन करके बता सकती हैं। इसके अलावा अगर कभी कोई मुसीबत आती है तब भी वह आपको फोन कर सकती हैं। बच्चों का दोस्त बनना बहुत जरूरी है अगर आप उनके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करेंगे तो वह खुल कर आप से हर बात शेयर कर पाएंगे। जब आपको उसके बारे में हर बात पता होगी तो आप अपनी बच्ची को परेशानियों से बचा सकते हैं।

थोड़ी दूरी भी बनाएं

बच्चों को स्पेस देना भी जरूरी है हर वक्त उनके पीछे परछाई की तरह लगने रहने से वह परेशान हो जाएगी। इससे आपका बच्चा धीरे-धीरे आप से दूर होता चला जाएगा और कभी आप पर भी भरोसा नहीं करेगा। खुद का भरोसा बच्चे पर बनाने के लिए कुछ समय उसे अकेले भी समय बिताने का मौका दें ताकि उन्हें पता चल सके कि क्या सही है और क्या गलत।

दोस्तों की जानकारी

आपको उनके दोस्तों के बारे में पता होना जरूरी है वह पूरा दिन कौन से दोस्तों के साथ रहती है इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात को सुनिश्चित करें की उसकी संगत अच्छी हो। अपने बच्चे ही नहीं बल्कि उनके दोस्तों से भी दोस्ती बनाएं।

आत्मरक्षा के तरीके

बेटियों को आत्मरक्षा करने के लिए तरीके बताएं। आजकल तो बहुत से स्कूलों और कॉलजों में बच्चों को कराटे और बहुत-से ऐसे टिप्स बताए जाते है जिनसे वह अकेली होने पर अपनी रक्षा कर सके। लड़कियों को कभी भी कमजोर या अकेला महसूस न होने दें।

अपनी राय न थोपें

बच्चों को अच्छी बुरी के बातों के बीच फर्क बताना जरूरी है लेकिन उन पर अपनी राय थोपना गलत है। जब आप उनकी हर बात पर अपनी राय थोपेंगे तो वह बहुत-सी बातों को आप छीपाएगी। जो उसके लिए बाद में परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

ट्यूशेल इंग्लैंड फुटबॉल के नए कोच नियुक्त

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड की फुटबॉल एसोसिएशन (एफए) ने थॉमस ट्यूशेल को इंग्लैंड फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है। चेल्सी, पेरिस सेंट जर्मेन और बोरुसिया डॉर्टमुंड के पूर्व कोच ट्यूशेल एक जनवरी 2025 को अपना यह पद संभालेंगे। एफए ने यहां जारी एक बयान में कहा कहा, ÷ट्यूशेल और बैरी को शामिल करने के निर्णय को फुटबाल बोर्ड ने पिछले सप्ताह की शुरुआत में मंजूरी दे दी थी। ट्यूशेल ने आठ अक्टूबर को अपने अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। एफए के सीईओ मार्क बुलिंगहैम ने मंगलवार को प्रेस वक्तव्य में कहा, हम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कोचों में से एक थॉमस ट्यूशेल और सर्वश्रेष्ठ अंग्रेज कोचों में से एक एंथनी बैरी को अपनी टीम में शामिल कर बहुत रोमांचित हैं।

क्लासेन, कमिंस, अभिषेक को रिटेन करने को तैयार सनराइजर्स हैदराबाद

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पावर-हिटर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शीर्ष रिटेंशन खिलाड़ी बनने के लिए तैयार हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, क्लासेन को पहले रिटेन किए गए खिलाड़ी के रूप में 23 करोड़ रुपये मिलेंगे। फ्रैंचाइजी ने दो अन्य रिटेंशन डील को भी अंतिम रूप दिया है, जो ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर पैट कमिंस (18 करोड़ रुपये), जो 2024 में सनराइजर्स के कप्तान थे, और भारत के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा (14 करोड़ रुपये) हैं। समझा जाता है कि सनराइजर्स के जल्द ही ट्रैविस हेड और नितीश कुमार रेड्डी को भी रिटेन करने की संभावना है। आईपीएल ने इस साल के अंत में होने वाली मेगा नीलामी से पहले रिटेंशन के लिए 31 अक्टूबर की समय सीमा तय की है। कमिंस, जिन्होंने पिछले सीजन में सनराइजर्स को फाइनल तक पहुंचाया था, 2025 में भी कप्तान बने रहेंगे। हाल ही में आईपीएल ने फैसला किया है कि एक फ्रैंचाइज़ 2024 की अपनी टीम से अधिकतम छह खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है - जिसमें अधिकतम पाँच कैप्ड खिलाड़ी (भारतीय या विदेशी) और दो अनकैप्ड भारतीय शामिल हैं। फ्रैंचाइज़ नीलामी में रिटेंशन डील और राइट-टू-मैच (आरटीएम) कार्ड के किसी भी संयोजन के माध्यम से अपने खिलाड़ियों को बनाए रख सकती हैं।

विश्व कप 2026 से पहले इंग्लैंड के मुख्य कोच नियुक्त हुए थॉमस ट्यूशेल

लंदन। फीफा विश्व कप 2026 को ध्यान में रखते हुए थॉमस ट्यूशेल को बुधवार को इंग्लैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। जर्मनी के ट्यूशेल, जिन्होंने पहले पेरिस सेंट-जर्मेन, चेल्सी और बायर्न म्यूनिख का प्रबंधन किया था, 2026 विश्व कप से पहले जनवरी 2025 में अपना कार्यकाल शुरू करेंगे। इंग्लिश फुटबॉल एसोसिएशन ने कहा कि जुलाई में यूरोपीय चैम्पियनशिप के बाद पद छोड़ने वाले गैरेथ साउथगेट की जगह लेने के लिए व्यापक तलाश के बाद ट्यूशेल को चुना गया। ट्यूशेल ने जर्मनी, फ्रांस और इंग्लैंड में प्रमुख ट्रॉफी जीतीं और दिवंगत स्वेन-गोरान एरिक्सन और फैबियो कैपेलो के बाद इंग्लैंड के तीसरे विदेशी कोच हैं। वह इंग्लैंड के सबसे सफल कोचों में से एक साउथगेट का स्थान लेंगे, जिन्होंने देश को बैक-टू-बैक यूरोपीय चैम्पियनशिप फाइनल और एक विश्व कप सेमीफाइनल तक पहुंचाया। यूरो 2024 के फाइनल में स्पेन से हार के बाद साउथगेट ने आठ साल बाद पद छोड़ दिया। एफए ने कहा कि उसने ट्यूशेल पर फैसला करने से पहले कई उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया था। ट्यूशेल ने 2021 में चेल्सी को चैंपियंस लीग खिताब दिलाने के दौरान यूरोपीय क्लब फुटबॉल का सबसे बड़ा पुरस्कार जीता। उन्होंने फ्रांस में पीएसजी और जर्मनी में बायर्न के साथ लीग खिताब जीते हैं। पिछले सीजन के अंत में बायर्न छोड़ने के बाद उन्होंने इंग्लैंड की नौकरी संभाली।

क़िंगदाओ ने शंघाई को हराया, झिंजियांग ने शेनझेन पर दबदबा बनाया

बीजिंग। क़िंगदाओ ईगल्स ने 2024-25 चीनी बास्केटबॉल एसोसिएशन (सीबीए) सीज़न के दूसरे दौर में शंघाई शार्क्स पर 101-97 से कड़ी जीत दर्ज की। शंघाई ने पहले क्वार्टर में क़िंगदाओ की गति से बराबरी की, लेकिन बाद में बराबरी करने में संघर्ष किया। चौथे क्वार्टर तक स्टार सेंटर वांग ज़ेलिन ने शंघाई को वापसी कराने की कोशिश की। लियू झेंग ने अंतिम क्षणों में एक महत्वपूर्ण थ्री-पॉइंटर मारा, लेकिन उनके साथी ट्रेमोंट वाटर्स ने आर्क से परे से गेम-टाईइंग शॉट मिस कर दिया, जिससे शार्क्स अंततः पीछे रह गए। क़िंगदाओ के आक्रमण ने शानदार संतुलन दिखाया, जिसमें छह खिलाड़ियों ने दोहरे अंकों में स्कोर किया। होनहार सेंटर यांग हैनसेन ने ईगल्स की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए 17 अंक और 11 रिबाउंड का योगदान दिया। इससे पहले झिंजियांग फ्लाइंग टाइगर्स ने शेनझेन लेपर्ड्स पर 130-117 से शानदार जीत दर्ज की थी। डेड्रिक लॉसन, जो प्रीसीजन और सीजन ओपनर दोनों में संघर्ष कर रहे थे, ने पहले क्वार्टर में 18 अंक बनाए।

आस्ट्रेलिया को उसके घर पर हराने से बड़ा कुछ नहीं : पंत

एजेंसी

मुंबई। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का मानना है कि आस्ट्रेलिया को उसके घर में हराने के अहसास से बड़ा कुछ नहीं हो सकता। स्टार स्पोर्टस से बात करते हुये पंत ने कहा जब आप ऑस्ट्रेलिया जाते हैं, तो आपको उछाल और शॉर्ट पिच गेंदों से निपटने पर अधिक काम करना होता है क्योंकि वहां विकेट और माहौल अलग होते हैं। वे नहीं चाहते कि आप जीतें, जिससे ऑस्ट्रेलिया जाने और उन्हें उनके घर में हराने से बड़ा कोई एहसास नहीं है। उन्होने कहा आम तौर पर ऑस्ट्रेलिया एक टीम के रूप में खेलता है। वे आपको कुछ भी आसानी से नहीं देते हैं। वे आक्रामक क्रिकेट खेलते हैं। इसलिये उनके खिलाफ आक्रामक मानसिकता की ही जरुरत होती है, मतलब मैं पहला मुक्का नहीं मारूंगा, लेकिन अगर कोई मुझ पर पहला मुक्का मारता है, तो मैं पीछे नहीं हटूंगा। अपने पिछले आस्ट्रेलिया दौरे के दौरान गाबा टेस्ट में अपनी पारी की याद करते हुये उन्होने कहा मैं नहीं जानता कि इसके बारे में क्या कहूं। लेकिन मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की

कोशिश कर रहा हूं। कभी-कभी, ऐसे प्रदर्शन होते हैं जिन्हें आप जीवन भर याद रखते हैं, और मेरे लिए उनमें से एक गाबा टेस्ट है। उस समय, मुझे एहसास नहीं हुआ कि यह कितना महत्वपूर्ण था, रोहित भाई वहां थे, और उन्होंने मुझसे कहा, 'तुम्हें पता नहीं है कि तुमने क्या किया है। मैं ऐसा कह रहा था, मैंने क्या किया है। मेरा लक्ष्य सिर्फ मैच जीतना था। रोहित भाई ने कहा, बाद में तुम्हें समझ आएगा कि तुमने क्या किया है। अब, जब भी मैं लोगों को उस गाबा मैच के बारे में बात करते हुए सुनता हूं, तो मैं समझता हूं कि उनका क्या मतलब था और यह कितना महत्वपूर्ण था। उन्होने कहा मैं एक समय में एक श्रृंखला के बारे में सोचता हूं। हम साल में लगभग 365 दिन खेलते हैं, इसलिए क्रिकेट हमेशा हमारे दिमाग में रहता है।

सिद्धान्त सलार ने पेट्रोलियम के सौरभ वर्मा को हरा कर किया उलटफेर

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के सिद्धान्त सलार ने योनेक्स सनराइज डा अखिलेश दास गुप्ता मेमोरियल आल इंडिया सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में पेट्रोलियम के सौरभ वर्मा सीडेट खिलाड़ी को 21-16, 21-19 से हराकर उलटफेर किया। विपिनखण्ड़ गोमती नगर स्थित बीबीडी बैडमिंटन अकादमी में चल रही प्रतियोगिता के पाँचवे दिन मुख्य ड्रा में पुरूष एवं महिला एकल के पहले राउण्ड तथा पुरूष महिला एवं मिश्रित युगल के राउण्ड के मैच खेले गये। पुरुष एवं महिला एकल के मुख्य दौर में 64-64 खिलाडी तथा पुरुष, महिला तथा मिश्रित युगल में मुख्य दौर की 32-32 खिलाड़ियों सहित कुल 224 खिलाडी मुख्य दौर में प्रतिभाग कर रहे है।

पुरुष एकल में उत्तर प्रदेश के सिद्धान्त सलार ने पेट्रोलियम के सौरभ वर्मा सीडेट खिलाड़ी को 21-16, 21-19 से हराकर उलटफेर किया। साथ में उत्तर प्रदेश के चिराग सेठ ने अपने ही प्रदेश के हर्षित तोमर को 18-21, 21-12, 21-7 से हराकर अगले राउंड मे प्रवेश किया । महिला एकल में

उत्तर प्रदेश के अमोलिका सिंह ने मध्य प्रदेश की अनुष्का साहपुरकर को 21-14, 21-11, उत्तर प्रदेश की स्नेहा सिंह ने असम की सूजैन को 21-14, 21-18 तथा उत्तर प्रदेश की मानसी सिंह ने हरियाणा की मुस्कार संगवान को 21-13, 21-17 से हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया। महिला युगल में उत्तर प्रदेश की सोनाली सिंह व अमरूथा पी.(कर्नाटक) ने षिखा ओवला व महेश्वरी जी. को 21-15, 21-10 से हराया। मिश्रित युगल में प्रदेश के अर्ष मोहम्मद व ओडिशा की प्रगति परिदा की जोड़ी ने केरला की अरविन्द वी. सुरेश व गौरीकृष्णा टी.आर की जोडी को 21-13, 22-20 से हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया ।

अगले वर्ष ऐशेज टेस्ट सीरीज का ब्रिस्बेन में होगा दिन रात्रि मैच

एजेंसी

सिडनी। अगले वर्ष नवंबर-दिसंबर होने वाली ऐशेज 2025-26 टेस्ट सीरीज का पहला मैच 21 से 25 नवंबर को पर्थ में तथा ब्रिस्बेन में चार से आठ दिसंबर के बीच होने वाला मैच दिन-रात्रि का होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने ऐशेज 2025-26 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। घोषणा के अनुसार सीरीज का तीसरा मैच ऐडिलेड में 17 से 21 दिसंबर के बीच खेला जाएगा, जबकि मेलबर्न में 26 से 30 दिसंबर के बीच पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट होगा। सीरीज का अंतिम टेस्ट मैच चार से आठ जनवरी के बीच न्यू ईयर टेस्ट के रूप में सिडनी में आयोजित होगा। 1982-83 के बाद यह पहला मौका होगा जब ऐशेज का पहला मैच ब्रिस्बेन की बजाय पर्थ में खेला जाएगा। गाबा, ब्रिस्बेन ने इससे पहले भी तीन डे-नाईट टेस्ट आयोजित किए हैं और इस साल की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ भी एक दिन-रात्रि टेस्ट मैच हुआ था। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों का तब मानना था कि पिंक-

बॉल टेस्ट गाबा की बजाय ऐडिलेड ओवल में ही आयोजित होने चाहिए, जहां की पिच पिंक बॉल के लिए अधिक मुफीद है। पहले गई बार गाबा में ऐसा हुआ है कि पिंक बॉल अधिक नरम हो गया हो, जिससे मैच का परिणाम भी प्रभावित हुआ।

भारत के बिना चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन कोई विकल्प नहीं : ईसीबी

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी और अध्यक्ष रिचर्ड गोल्ड और रिचर्ड थॉम्पसन ने कहा कि भारत की भागीदारी के बिना चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन कोई विकल्प नहीं है। थॉम्पसन ने कहा, भारत का चैंपियंस ट्रॉफी में न खेलना क्रिकेट के हित में नहीं होगा। यह देखना दिलचस्प है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल (बीसीसीआई) के पूर्व सचिव और अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के प्रमुख जय शाह का इसमें बड़ा रोल रहने वाला है। वहां जमीनी राजनीति है और फिर क्रिकेट संबंधी जमीनी राजनीति है। मुझे लगता है कि वे कोई रास्ता निकाल लेंगे। उन्हें कोई रास्ता ढूंढना होगा।÷ उन्होंने कहा, जब ये दोनों देश एक-दूसरे के साथ खेलते हैं तो दुनिया के इस हिस्से में हमेशा सुरक्षा संबंधी

चिंताएं बनी रहती हैं। संभवतः यही महत्वपूर्ण निर्णयों को संचालित करेगा। लेकिन मुझे पता है कि दोनों देशों के बीच रिश्ते इस समय उतने ही सौहार्दपूर्ण हैं। हमने इसे न्यूयॉर्क में पुरुष टी-20 विश्वकप में देखा था।÷ गोल्ड और थॉम्पसन दुबई में आगामी आईसीसी बैठकों से पहले पाकिस्तान में हैं और इंग्लैंड के दूसरे टेस्ट मैच के दौरान मुल्तान में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारियों से मुलाकात कर रहे हैं। गोल्ड ने कहा कि राजस्व स्रोत के रूप में प्रसारण अधिकारों पर क्रिकेट की निर्भरता ने सुनिश्चित किया कि भारत और पाकिस्तान दोनों इसमें शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि अगर आप भारत या पाकिस्तान के बिना चैंपियंस ट्रॉफी खेलते हैं, तो प्रसारण अधिकार नहीं हैं और हमें उनकी रक्षा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमने मेजबान पाकिस्तान में चल रहे घटनाक्रम को देखा है और हम सभी यह समझने की प्रतीक्षा कर रहे हैं कि क्या भारत यात्रा करने जा रहा है। मैं जानता हूं कि पाकिस्तान भारत के यात्रा की उम्मीद कर रहा है। यदि ऐसा नहीं होता है तो बहुत सारे विकल्प और आकस्मिकताएं बन जाएंगी। उन्होंने कहा, अगर ऐसी परिस्थितियां आती हैं तो कई तरह के विकल्प उपलब्ध हैं। लेकिन साथ ही, पिछली बार कब पाकिस्तान ने किसी प्रकार की आईसीसी ट्रॉफी की मेजबानी की थी। यह देश के लिए एक बड़ा पल है और उम्मीद है कि हम पाकिस्तान में यथासंभव पूर्ण प्रतिस्पर्धा करा सकेंगे। यदि यह संभव नहीं है, तो हम जानते हैं कि विकल्प उपलब्ध हैं। थॉम्पसन ने कहा कि यह भारत और पाकिस्तान के बीच है, और मुझे लगता है कि वे एक रास्ता खोज लेंगे जहां भारत चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेगा। मुझे लगता है कि अंतिम छह महीने में वे कोई रास्ता खोज लेंगे।

फ्रैंड्स का उलटफेर, सीआईएसएफ की आकर्षक जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। तीसरी डीएसए प्रीमियर लीग में फ्रेंड्स यूनाइटेड ने पिछली उपविजेता रॉयल रेंजर्स को 2-1 से हरा कर लीग का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में सीआईएसएफ ने कांटे की टक्कर में वाटिका को परास्त किया। आज यहां अंबेडकर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में फ्रेंडस यूनाइटेड ने दो गोल की मजबूत बढ़त लेने के बाद प्रतिद्वंद्वी की किलेबंदी की रणनीति अपनाई और कामयाबी पाई। 31वें और 48वें मिनट में क्रमशः अक्षय और राहुल ने गोल किए। हालांकि 55वें मिनट में शिखर ने गोल जमा कर रॉयल रेंजर्स को वापसी का मौका दिया लेकिन अगले चालीस मिनट में फ्रेंडस ने यूनिटी के साथ प्रतिद्वंद्वी के तमाम हमलों को नाकाम कर दिखाया।

विजेता टीम ने बचाव की रणनीति अपनाकर लीग का सबसे बड़ा धमाका कर दिखाया। विजेता टीम के लिए अक्षय राज सिंह और राहुल तालेकर ने गोल जमाए। रॉयल रेंजर्स का गोल शिखर के नाम रहा। वहीं दिन के दूसरा मैच वाटिका और सीआईएसएफ के मध्य खेल गया। पहले हॉफ में वाटिका ने लगातार हमले बोल कर विपक्ष का रक्षा घेरा बार बार तोड़ा लेकिन अग्रिम पंक्ति की नाकामी से गोल नहीं निकल पाया। इसके उलट सीआईएसएफ ने दूसरे हॉफ में आक्रामक रुख अपनाया और दनादन हमलों का तांता बांध कर विजई गोल दाग दिया। साहिल के नपे तुले कॉर्नर पर मैंन ऑफ द मैच टांगमिन लिन हॉकिप ने बेहतरीन हेडर से दर्शनीय गोल बनाया। हालांकि वाटिका ने संघर्ष जारी रखा लेकिन गलत निशाने और बाल को अनावश्यक हैंग करने की कीमत चुकानी पड़ी।

महाम्ब्रे बने मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच

एजेंसी

मुंबई। टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज और गेंदबाजी कोच पारस महाम्ब्रे को मुंबई इंडियंस (एमआई) का नया गेंदबाजी कोच बनाया गया है। महाम्ब्रे इससे पहले भी एमआई के सहायक कोच रह चुके हैं। वह मौजूदा गेंदबाजी कोच लसित मलिंगा और प्रमुख कोच महेला जयवर्धने के साथ काम करेंगे। महाम्ब्रे 2021 से लेकर इस साल अगस्त तक भारत के गेंदबाजी कोच थे। उन्होंने कोच राहुल द्रविड़ के साथ काम किया और टी-20 विश्वकप विजेता दल का हिस्?सा रहे थे। वह चैंपियंस लीग 2011 व 2013 और आईपीएल 2013 की खिताबी जीत में भी एमआई का हिस्सा थे। उन्हें भारतीय घरेलू क्रिकेट में भी कोचिंग का अनुभव है। भारत से पहले वह इंडिया ए टीम के गेंदबाजी कोच थे। 2005-

06 और 2006-07 में बंगाल को लगातार रणजी ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी।महाम्ब्रे ने 1996 और 1998 के बीच भारत के लिए दो टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच खेले हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में मुंबई का प्रतिनिधित्व किया और 91 प्रथम श्रेणी मैचों में 284 विकेट और 83 लिस्ट ए मैचों में 111 विकेट लिए थे।

अखिल ने आईएसएसएफ विश्वकप में कांस्य पदक जीता

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल श्योरण ने राष्ट्रीय राजधानी में चल रही आईएसएसएफ विश्वकप फाइनल 2024 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन निशानेबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया।29 वर्षीय भारतीय निशानेबाज पिछले साल एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम का हिस्सा थे। नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग पोजीशन में 452.6 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। यह आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अखिल श्योरण का पहला पदक था।हंगरी के इस्तवान पेनी (465.3) और चेकिया के जिरी प्रिवरात्स्की (464.2) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक हासिल जीते।

भारत के चैन सिंह क्वालीफाइंग राउंड में 590-32× के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। वह

अखिल श्योरण से दो स्थान आगे थे। अखिल ने 589-35× का स्कोर किया था। क्वालीफाइंग राउंड के शीर्ष आठ निशानेबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रिया के एलेक्जेंडर श्मिर्ल ने क्वालीफाइंग राउंड में कुल 593-37× के साथ बढ़त हासिल की लेकिन फाइनल में 419.2 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहे। आईएसएसएफ विश्व कप में यह भारत का दूसरा पदक है। सोनम मस्कर ने मंगलवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक जीता था। आज पुरुषों और महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन राइफल और 25 पिस्टल स्पर्धाओं में पदकों की पेशकश की गई थी। हर स्पर्धा में दो भारतीय निशानेबाज शामिल थे। महिलाओं की 25 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में ओलंपियन रिदम सांगवान ने प्रतियोगिता में अपना दूसरा चौथा स्थान हासिल किया। 10 मीटर एयर पिस्टल में पदक से चूकने के बाद रिदम सांगवान कांस्य पदक के लिए शूट-ऑफ हार गई और एक बार फिर पदक जीतने में नाकाम रहीं। चीन की सिक्सुआन फेंग से शूट-ऑफ हारने से पहले रिदम ने 27/40 का स्कोर किया। जर्मनी की जोसेफिन एडर (36/50), फ्रांस की केमिली जेड्रेजेवेस्की (35/50) और सिक्सुआन फेंग (31/45) ने पोडियम पर जगह बनाई। सिमरनप्रीत कौर बराड़ छठे स्थान पर रहीं और 20/30 शूटिंग के बाद बाहर हो गईं।

इस बीच भारतीय निशानेबाज महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन और पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने में असफल रहे। एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता आशी चौकसे महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के क्वालीफाइंग राउंड में 587-30× के साथ नौवें स्थान पर रहीं जबकि निश्चल (585-30×) 10वें स्थान पर रहीं। शीर्ष आठ निशानेबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। पुरुषों की 25 रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में जहां क्वालीफाइंग से शीर्ष छह ने फाइनल के लिए जगह पक्की की, पेरिस 2024 ओलंपियन विजयवीर सिद्धू (581-24×) और अनीश भानवाला (581-18×) क्रमशः सातवें और नौवें स्थान पर रहे।

नीतू डेविड आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल

एजेंसी

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी नीतू डेविड को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। 100 से अधिक मैच खेलने वाली स्पिनर नीतू डेविड 2023 में डायना एडुल्जी के बाद आईसीसी हॉल ऑफ फेम में जगह बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला हैं।

उन्होंने 141 विकेट के साथ महिला एकदिवसीय क्रिकेट में भारत के लिए दूसरी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं और 100 एकदिवसीय विकेट लेने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी भी हैं। नीतू ने 1995 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट पारी में 8/53 का बनाया रिकार्ड अभी भी उनके नाम है। हाल ही में उन्होंने भारत की महिला चयन अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण ऑफ-

फील्ड पद संभालकर क्रिकेट टीम से जुड़ी हुई है।

उन्होंने 2006 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया लेकिन दो साल बाद एशिया कप और भारत के इंग्लैंड दौरे पर एकदिवसीय क्रिकेट में संक्षिप्त वापसी के लिए अपने फैसले को पलट दिया।

न्यू साउथ वेल्स की टीम में शामिल हुए स्टीवन स्मिथ और मिशेल स्टार्क

एजेंसी

मेलबर्न। स्टीवन स्मिथ और मिशेल स्टार्क रविवार से एमसीजी में शेफील्ड शील्ड में विक्टोरिया के खिलाफ न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) के लिए खेलेंगे, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय ग्रीष्मकाल की तैयारी कर सकें। पैट कमिंस और जोश हेजलवुड शील्ड प्रतियोगिता में नहीं खेलेंगे, लेकिन 25 अक्टूबर को जंक्शन ओवल में वन-डे कप मैच खेलने की उम्मीद है। कमिंस के भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले कोई लाल गेंद वाला क्रिकेट खेलने की उम्मीद नहीं है, जबकि यही बात अब हेजलवुड पर भी लागू हो सकती है, क्योंकि शील्ड का तीसरा दौर पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला की शुरुआत के साथ ओवरलैप हो रहा है। सीन एबॉट भी एनएसडब्ल्यू के लिए वापसी करेंगे, जो इंग्लैंड दौरे के अंत में मामूली चोट लगने के कारण शुरुआती दौर से बाहर रहे थे, जबकि नाथन लियोन, जिन्होंने दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आठ विकेट लिए थे, फिर से खेलेंगे। स्टार्क ने आखिरी बार क्वींसलैंड के खिलाफ 2020-21 के फाइनल में शील्ड मैच खेला था, जबकि स्मिथ का पिछला मैच फरवरी 2021 में विक्टोरिया के खिलाफ था। मैथ्यू गिलकेस, रयान हैडली और लियाम हैचर इस महीने की शुरुआत में क्रिकेट सेंट्रल में साउथ ऑस्ट्रेलिया के साथ ड्रॉ खेलने वाले ग्रुप से बाहर हो गए हैं।

आने वाले दिनों में अन्य टीमों की घोषणा की जाएगी।

पाकिस्तान ने इंग्लैंड के 239 पर छह विकेट गिराकर मैच पर बनाई पकड़

एजेंसी

मुल्तान। पाकिस्तान ने साजिद खान (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड के 239 रन पर छह विकेट गिराकर मैच पर अपनी पकड़ बना ली हैं। पाकिस्तान के 366 के स्कोर के जवाब में इंग्लैंड ने सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (114) के शानदार शतक की मदद से छह विकेट पर 239 बना लिए। इंग्लैंड अभी भी पाकिस्तान से 127 रन पीछे हैं। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों के पहले विकेट के लिए 73 रनों की साझेदारी कर अच्छी शुरुआत की। 13वें ओवर में नौमन अली में जैक क्रॉली को रिजवान के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। क्रॉली ने 27 रन बनाए। नये बल्लेबाज ऑली पोप को साजिद खान ने बोल्ड आउट कर पाकिस्तान को दूसरी सफलता दिलाई। उस समय इंग्लैंड का स्कोर 125 रन था। पोप ने 29 रन बनाए। इसके बाद तीसरे विकेट के लिए बेन डकेट और जो रुट ने धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी करते हुए टीम के स्कोर को 211 रनों तक पहुंचाया जहां साजिद ने रुट (34) को बोल्ड कर टीम को तीसरी सफलता दिलाई। स्कोर बोर्ड पर अभी 13 रन और जुडे ही थे कि डकेट (114) को साजिद ने सलमान के हाथों कैच आउट कराकर टीम को चौथी सफलता दिलाई।

इसी ओवर की आखिरी गेंद पर साजिद ने पहले टेस्ट में मुल्तान के नये सुल्तान बने हैरी ब्रूक (नौ) रन पर बोल्ड आउट कर इंग्लैंड को पांचवा झटका दे दिया। नौमन अली ने अगले ही ओवर में कप्तान बेन स्टोक्स को शफीक के हाथों कैच आउट करा इंग्लैंड को संकट में डाल दिया। स्टोक्स (एक) रन बनाया। दिन का खेल समाप्ति के समय जेमी स्मिथ नाबाद (12) तथा ब्राइडन कार्स दो रन पर नाबाद रहे। पाकिस्तान की तरफ से साजिद खान ने चार तथा नौमन अली ने दो विकेट लिए।

इससे पहले पाकिस्तान कल के पांच विकेट पर 259 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। पाकिस्तान की पूरी टीम कल के स्कोर में 107 जोड़कर 366 पर सिमट गई। आज दिन का पहला विकेट मोहम्मद रिजवान (41) के रूप में गिरा। उन्हें ब्राइडन कार्स ने आउट किया। आगा सलमान (31), साजिद खान (दो), आमेर जमाल (37), नौमन अली (32) रन बनाकर आउट हुये। इससे पहले पाकिस्तान के लिए अपना डेब्यू टेस्ट खेल रहे कामरान गुलाम ने शतक लगाया। उन्होंने 224 बॉल पर 118 रन की पारी खेली।

उनके अलावा सईम अयूब ने 77 रन बनाए। लंच के बाद इंग्लैंड के गेंदबाजों ने पाकिस्तान की टीम को 366 के स्कोर पर समेट दिया था। इंग्लैंड ओर से जैक लीच ने चार विकेट लिये। ब्रायडन कार्स को तीन विकेट मिले। मैथ्यू पॉट्स ने दो और शोएब बशीर को एक बल्लेबाज को आउट किया।

रकुल प्रीत सिंह

पर भारी पड़ी जिम में की गई ये गलती, बेड रेस्ट पर हैं एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह बेड रेस्ट पर हैं। दरअसल, 5 अक्टूबर के दिन वह अपने जिम में एक्सरसाइज कर रही थीं। एक्सरसाइज करते वक्त उनसे एक छोटी-सी गलती हो गई जिसकी वजह से उनकी कमर में दर्द शुरू हो गया। ऐसे में डॉक्टर्स ने उन्हें आराम करने की सलाह दी, लेकिन वर्क कमिटमेंट की वजह से वह आराम करने की बजाए काम करने लगीं जिसकी वजह से उनका दर्द और बढ़ गया।

एक्सरसाइज करते वक्त की ये गलती

फ्री प्रेस जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्कआउट सेशन के दौरान रकुल कमर पर बेल्ट लगाए बिना 80 किलो का वजन उठा रही थीं। ऐसे में डेडलिफ्ट करते वक्त उनकी पीठ की नस खिंचा गई और उनकी हालत खराब हो गई। डॉक्टर ने उन्हें एक हफ्ते तक बेड रेस्ट करने की सलाह दी। किंतु रकुल को अजय देवगन के साथ 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग पूरी करनी थी। ऐसे में वह पेनकिलर खाकर शूटिंग करने लगीं।

बर्थडे पार्टी से एक घंटे पहले खराब हुई हालत

लगातार शूटिंग करने की वजह से हर तीन-चार घंटे में उनकी कमर का दर्द उठने लगा। रकुल ने इस दर्द को नजरअंदाज किया। ऐसे में उनकी बर्थडे पार्टी से एक घंटे पहले उनकी हालत खराब हो गई। डॉक्टर्स ने बताया कि चोट लगने की वजह से रकुल की L4, L5 और S1 नसें जाम हो गई हैं। इसके बाद, डॉक्टर्स ने उन्हें दवा के साथ-साथ इंजेक्शन भी दिए। बताया जा रहा है कि अब रकुल की हालत पहले से बेहतर है। वह धीरे-धीरे ठीक हो रही हैं।

बाबा सिद्दीकी के मर्डर के बाद सलमान खान खतरे में? भाई अरबाज ने तोड़ी चुप्पी

करीबी दोस्त और राजनेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद सलमान खान की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं. जिस लॉरेंस बिश्नोई गैंग की वजह से सलमान खान की जिंदगी लम्बे वक्त से खतरे में है, उसी ने बाबा सिद्दीकी की हत्या करवाई. ऐसे हालात में खान परिवार सलमान की सुरक्षा को लेकर चिंतित ज़रूर है. इस बीच सलमान के भाई और अभिनेता-निर्माता अरबाज़ खान ने पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ी है.अरबाज खान ने इन दिनों अपनी अगली फिल्म बंदा सिंह चौधरी को प्रमोट कर रहे हैं. इस बीच जूम से बात करते हुए उन्होंने कहा, हम ठीक हैं. मैं ये नहीं कहूंगा कि हम पूरी तरह से ठीक हैं क्योंकि इस वक्त परिवार में बहुत कुछ हो रहा है. बिल्कुल, हम सब परेशान हैं. पर बंदा सिंह चौधरी को प्रमोट करना मेरी जिम्मेदारी है. ये मेरी फिल्म है जो 25 अक्टूबर को रिलीज़ हो रही है. मुझे ये सुनिश्चित करना होगा कि फिल्म रिलीज़ हो. बहुत कुछ चल रहा है पर मुझे जो करना है वो मुझे करना ही होगा.

'सलमान सुरक्षित हैं'

पूरा परिवार कैसे सलमान की रक्षा कर रहा है? इस सवाल पर अरबाज़ ने कहा, नहीं, ये सच है. मैं ये नहीं कह रहा हूं कि इस वक्त हम सभी ठीक हैं, पर हम वो करने की कोशिश कर रहे हैं जो हमें करना चाहिए. हम कोशिश कर रहे हैं कि हर कोई, सरकार और पुलिस, माहौल वैसा करे जैसा होना चाहिए. और वो सुरक्षित (सलमान) हैं. हर कोई अपना बेस्ट कर रहा है. हम अभी ऐसे ही रहना चाहते हैं.

लॉरेंस बिश्ननोई गैंग ने ली जिम्मेदारी

पिछले हफ्ते शनिवार को एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी को हमलावरों ने तीन गोलियां मारी थीं, जिसके बाद अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था. इस मामले में पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया है. हत्या के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुआ, जिसमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी ली थी.

अजय देवगन की फिल्म पर एक और मुसीबत, अब क्यों रोकी गई शूटिंग?

अजय देवगन फिलहाल 'सिंघम अगेन' के प्रमोशन में बिज़ी चल रहे हैं. ये फिल्म 1 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज होने वाली हैं. सिंघन अगेन के अलावा, अजय देवगन के खाते में कई फिल्में हैं. इस फिल्म के बाद वो अपनी 'दे दे प्यार दे' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं. 'दे दे प्यार दे 2' में अजय देवगन के साथ रकुल प्रीत नजर आने वाली हैं. इन दिनों रकुल प्रीत सिंह और अजय देवगन 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग कर रहे हैं. इस फिल्म की शूटिंग के दौरान एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह दर्द का शिकार हो गईं.रकुल प्रीत सिंह फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आएंगी. हाल ही में एक्ट्रेस को वर्कआउट के दौरान सीरियस इंजरी हो गई थी. एक्ट्रेस के साथ ये हादसा जिम में डेडलिफ्ट करते समय हुआ. इस इंजरी के बाद भी एक्ट्रेस ने फिल्म की शूटिंग जारी रखी, लेकिन शूट के दौरान उन्हें काफी तेज दर्द हो गया, जिसे देख अब फिल्म की शूटिंग रोक दी गई है. बीते दिनों फिल्म के डायरेक्टर को डेंगू होने की वजह से इस फिल्म का शूट रोक दिया गया था.

ऐसे लगी रकुल प्रीत के चोट

रकुल प्रीत सिंह बीते कई दिनों से बेड रेस्ट पर हैं. दरअसल, 5 अक्टूबर को एक्ट्रेस जिम में वर्कआउट कर रही थीं. एक्सरसाइज करते समय उन्होंने बेल्ट पहने बिना डेडलिफ्ट किया, जिससे उनकी कमर में ऐंठन हो गई. ऐसे में डॉक्टर्स ने उन्हें आराम करने की सलाह दी लेकिन वर्क कमिटमेंट के चलते रकुल प्रीत सिंह काम करने लगीं और उनका दर्द और बढ़ गया.

पेनकिलर लेकर कर रही थीं शूटिंग

आईएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक, रकुल प्रीत जिम में 80 किलो का वजन बिना बेल्ट बांधे उठाने लगी थीं, जिससे उनकी कमर में दर्द शुरू हो गया और उनकी हालत खराब हो गई. डॉक्टर ने उन्हें बेड रेस्ट की सलाह दी लेकिन दर्द के बावजूद, एक्ट्रेस ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग जारी रखने का फैसला लिया और वो पेनकिलर लेकर शूटिंग कर रही थीं.

बर्थडे पार्टी से एक घंटे पहले हुई हालत खराब

लगातार दो दिनों तक रकुल प्रीत ने दर्द में ही शूटिंग जारी रखी लेकिन तीन दिनों के बाद उनकी कमर में दर्द होने लगा इसके बाद एक्ट्रेस ने डॉक्टर को दिखाया. इसके बाद 10 अक्टूबर को उनकी बर्थडे पार्टी से ठीक एक घंटे पहले एक्ट्रेस की हालत और खराब हो गई. सूत्र ने बताया कि उनकी L4, L5 और L1 नसें जाम हो गई हैं. इसके तुरंत बाद उन्हें इंजेक्शन दिए गए और फिर से बेड रेस्ट की सलाह दी गई.

वरुण धवन

ने बताया पिता बनने के बाद क्या आया बदलाव, बोले- अब मैं टीवी...

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन जल्द ही एक एक्शन थ्रिलर सीरीज से अपना ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। वरुण धवन की आनेवाली सीरीज का नाम %सिटाडेल-हनी बनी% है। इस सीरीज में वरुण धवन के साथ समांथा नजर आएंगी। वरुण धवन की सीरीज का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। इस बीच वरुण धवन ने एक इंटरव्यू

में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि पिता बनने के बाद कैसे उनकी जिंदगी बदल गई है। उन्होंने इस इंटरव्यू में अपनी पत्नी नताशा की तारीफ की।

पिता बनने के बाद कैसे बदली वरुण धवन की लाइफ

ई टाइम्स से खास बातचीत में वरुण धवन ने कहा, मैं अभी भी पता लगा रहा हूं कि अब मुझे कितना जिम्मेदार होना चाहिए, या मैं कितना बच्चा बनकर रह सकता हूंज्मुझे लगता है पुरुषों को इस चीज से गुजरना पड़ता है। अभी तो नताशा सबकुछ कर रही हैं। मेरा उन्हें क्रेडिट देना बनता है, शुरुआत में हर चीज महिला करती है, पुरुष उसके बाद आता है और उपयोगी हो जाता है। मैं बस अभी उसके साथ खेलने (अपनी बेटी) का मजा ले रहा हूं, एक पिता होना अभी बहुत मजेदार है और मैं हर रोज एक अच्छा पिता बनने की कोशिश कर रहा हूं। मुझे नहीं लगता है कि मैं अभी वहां पहुंच पाया हूं।

वरुण धवन ने बताया कि अब वो टीवी बहुत कम आवाज में देखते हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर वो ऐसा नहीं करेंगे तो उनकी पत्नी (नताशा) उन्हें घर से बाहर फेंक देंगी।

कब रिलीज होगी वरुण धवन की सीरीज ?

वरुण धवन की सीरीज की बात करें तो इस सीरीज का डायरेक्शन राज और डीके ने किया है। सिटाडेल हनी बनी का प्रीमियर 7 नवंबर को प्राइम वीडियो पर किया जाएगा। इस सीरीज में आपको के.के मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार और शिवांकित परिहार भी नजर आएंगे।